श्रावण कृष्ण पक्ष सप्तमी 07:09 उपरांत अष्टमी विक्रम संवत 2082

लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद, हल्द्वानी, अयोध्या व कानपुर से प्रकाशित

गुरुवार, 17 जुलाई 2025
वर्ष 5, अंक 146, पृष्ठ 16
2 राज्य, 6 संस्करण
मूल्य 6 रुपये

अमृत विचार

हल्द्वानी

एक सम्पूर्ण अखबार

www.amritvichar.com

वकीलों के विशेषाधिकारों की सुरक्षा पर होगी शीर्ष सुनवाई 14

कटौती से पहले स्थिति पर आरबीआई की नजर 12

...परिवर्तन ही जीवन है

समय के चक्र का अभिन्न अंग है परिवर्तन।
प्रकृति का नियम है परिवर्तन।
जहां परिवर्तन नहीं वहां जीवन की कल्पना असंभव है।

बम-बम भोले...

हरिद्वार : पवित्र श्रावण मास के दौरान हरि की पैड़ी पर गंगा जल लेने के लिए पहुंची कांवड़ियों की भीड़। यहां विभिन्न राज्यों से कांवड़िये गंगा जल लेने पहुंचते हैं और अपने मूल स्थानों में शिव मंदिरों में जलाभिषेक करते हैं। सरकारी अधिकारियों के अनुसार, इस साल लगभग छह से सात करोड़ कांवड़ियों के आने की उम्मीद है। एजेंसी

हरदोई की बेटी मानसी ने ग्रामीण वायु प्रदूषण पर किया बड़ा शोध

- आठ शोध लेख अंतर्राष्ट्रीय स्तर की पत्रिकाओं में प्रकाशित
- आईआईटी खड़गपुर ने डॉक्टरेट (पीएचडी) की उपाधि प्रदान की गई

हरदोई, एजेंसी

उत्तर प्रदेश में हरदोई जिले की मानसी पाठक ने ग्रामीण अंचलों में व्याप्त वायु प्रदूषण पर बड़ा शोध किया है। उन्हे भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) खड़गपुर से डॉक्टरेट (पीएचडी) की उपाधि प्रदान की गई है। आईआईटी खड़गपुर की छात्रा मानसी का शोध देश में ग्रामीण वायु प्रदूषण पर किया गया पहला वैज्ञानिक और व्यापक अध्ययन माना जा रहा है।

यह शोध आईआईटी खड़गपुर के कोरल केंद्र में प्रो. जयनारायणन कुट्टिप्पुरथ के निर्देशन में पूर्ण हुआ। अपने शोध कार्यकाल के दौरान मानसी ने आठ शोध लेख अंतर्राष्ट्रीय स्तर की उच्च गुणवत्ता वाली पत्रिकाओं में प्रकाशित किए, जिनमें पर्यावरण प्रदूषण, केमोस्फीयर, जर्नल ऑफ हैजर्डस मैटेरियल्स एडवांसेज, तथा एनवायरनमेंटल साइंस प्रोसेसेस एंड इम्पैक्ट्स प्रमुख हैं। मानसी की डॉक्टरेट समिति में प्रो. किंसुक नस्कर (अध्यक्ष), प्रो. रेंजी रेमेसन, प्रो. अभिषेक राय, और

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खड़गपुर से डॉक्टरेट की उपाधि हासिल करतीं शोधकर्ता मानसी पाठक।

प्रो. प्रणब देब शामिल थे। मानसी ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा हरदोई के सेंट जेवियर स्कूल से प्राप्त की, इसके बाद सिविल इंजीनियरिंग में बीटेक और एमटेक किया और फिर आईआईटी खड़गपुर में पीएचडी के लिए चयनित हुईं।उनके दादा रमेश चंद्र पाठक, हरदोई के वरिष्ठ पत्रकार और उद्यमी हैं। आईआईटी खड़गपुर में आयोजित दीक्षांत समारोह में मानसी पाठक को पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई। यह उपलब्धि न केवल उनके परिवार के लिए, बल्कि हरदोई और देश की बेटियों के लिए प्रेरणास्रोत है।

आईआईटी-मद्रास ने बनाई भारत की सबसे हल्की व्हीलचेयर

नई दिल्ली। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी)-मद्रास ने बुधवार को स्वदेशी रूप से बनाई गई भारत की सबसे हल्की व्हीलचेयर वाईडी वन पेश की। अधिकारियों ने बताया कि वाईडी वन देश की पहली स्वदेशी रूप से विकसित 'मोनो-ट्यूब रिजिड-फ्रेम' व्हीलचेयर है, जिसे दुनिया की सर्वश्रेष्ठ व्हीलचेयर के तौर पर डिजाइन किया गया है। अधिकारियों ने कहा कि अंतर्रराष्ट्रीय मानकों के अनुसार निर्मित 'वाईडी वन' प्रत्येक उपयोगकर्ता के शरीर, मुद्रा और दैनिक गतिशीलता आवश्यकताओं के लिए पूरी तरह से अनुकूलित है। उन्होंने कहा कि केवल नौ किलोग्राम वजन वाली इस व्हीलचेयर को कार, ऑटो या सार्वजनिक वाहनों में रखकर ले जाना भी आसान है। आईआईटी मद्रास के निदेशक वी. कामकोटि के अनुसार दुनिया भर में व्हीलचेयर को अक्सर दिव्यांगता के एक सार्वभौमिक प्रतीक के रूप में देखा जाता है, लिहाजा इसका इस्तेमाल करने वालों को एक अलग नजर से देखा जाता है। उन्होंने कहा कि इस धारणा को बदलना होगा। 'वाईडी वन' को बाजार में लाने के लिए, अनुसंधान टीम ने आईआईटी मद्रास द्वारा संचालित स्टार्टअप 'थ्रीव मोबिलिटी' के साथ साझेदारी की है।

आयकर विधेयक : संसदीय समिति ने दिए 285 सुझाव

- लोकसभा की प्रवर समिति ने मसौदा कानून पर रिपोर्ट को अंगीकार किया

नई दिल्ली, एजेंसी

आयकर विधेयक-2025 पर विचार कर रही एक संसदीय समिति ने बुधवार को मसौदा कानून पर 285 सुझाव दिए हैं। विधेयक का उद्देश्य देश के कर कानूनों को आधुनिक और सरल बनाना है। भाजपा के सांसद बैजयंत पांडा की अध्यक्षता में आयकर विधेयक-2025 पर विचार के लिए गठित लोकसभा की प्रवर समिति ने मसौदा कानून पर रिपोर्ट को अंगीकार किया, जिसे मानसून सत्र के पहले दिन सोमवार को सदन में पेश किया जाएगा।

आयकर विधेयक पर रिपोर्ट के बारे में पूछे जाने पर समिति के एक सदस्य ने कहा, हमने विधेयक पर 285 सुझाव दिए हैं। सदस्य ने कहा कि प्रवर समिति की रिपोर्ट सोमवार को लोकसभा में पेश की जाएगी और विधेयक के मानसून सत्र में पारित होने की संभावना है। उन्होंने कहा कि समिति द्वारा रिपोर्ट प्रस्तुत करने के बाद सरकार सिफारिशों पर विचार करेगी और यदि आवश्यक हो तो विधेयक को लोकसभा में विचार और पारित करने के लिए आगे बढ़ाने से पहले मंत्रिमंडल से मंजूरी लेगी। सरकार का लक्ष्य नए आयकर कानून को एक अप्रैल, 2026 से लागू करने का है।

शुभांशु की अंतरिक्ष यात्रा की सराहना को संकल्प पारित

- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने कहा- अंतरिक्ष कार्यक्रम में नया अध्याय शुरू हुआ

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला को अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर उनके 18 दिवसीय ऐतिहासिक मिशन के सफल समापन पर बधाई देने के लिए बुधवार को एक संकल्प पारित किया और कहा कि इससे देश के अंतरिक्ष कार्यक्रम में एक नया अध्याय शुरू हुआ है।

प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता में हुई बैठक में मंत्रिमंडल ने एक संकल्प पारित किया, जिसमें शुक्ला की अंतरिक्ष यात्रा को पूरे देश के लिए गर्व, गौरव और खुशी का क्षण बताया गया। इसमें कहा गया है कि इस यात्रा ने भारत की असीम आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व किया। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बैठक में पारित संकल्प को पढ़ते हुए कहा, मंत्रिमंडल, अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर 18 दिवसीय ऐतिहासिक मिशन के सफल समापन के बाद ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला की पृथ्वी पर वापसी का जश्न मनाने में राष्ट्र के साथ शामिल है। भारतीय वायुसेना के ग्रुप कैप्टन शुक्ला और निजी एक्सिओम-4 मिशन के तीन अन्य अंतरिक्ष यात्री अंतरिक्ष में 20 दिन बिताने के बाद मंगलवार को पृथ्वी पर लौट आए। इस 20 दिन की अवधि में 18 दिन उन्होंने आईएसएस पर बिताए।

आगामी त्योहारी मौसम में 2.16 लाख अस्थायी नौकरियां पैदा होने की उम्मीद

मुंबई, एजेंसी

आगामी त्योहारी मौसम के दौरान देश भर में 2.16 लाख से अधिक अस्थायी नौकरियां पैदा होने की उम्मीद है। यह सालाना आधार पर 15-20 प्रतिशत की वृद्धि है। बुधवार को जारी एक रिपोर्ट में यह संभावना जताई गई। कार्यबल समाधान फर्म एडेको इंडिया ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि त्योहारी मांग की पूर्ति के लिए अस्थायी एवं अंशकालिक रोजगार में उछाल आने का अनुमान खुदरा क्षेत्र, ई-कॉमर्स, बैंकिंग एवं वित्तीय सेवा, लॉजिस्टिक, आतिथ्य, यात्रा और दैनिक उपभोग के सामान (एफएमसीजी) जैसे क्षेत्रों से प्रेरित है।

रक्षा बंधन, दशहरा और दिवाली जैसे आगामी त्योहारों के समय त्योहारी बिक्री होने और शादियों

के मौसम में बिक्री तेज होने की उम्मीद में अस्थायी कामगारों की भर्ती गतिविधियों में तेजी आई है। कई कंपनियां मांग को आसानी से पूरा करने और अपेक्षित रूप से मजबूत त्योहारी अवधि के लिए अपनी परिचालन तैयारी को सुनिश्चित करने के लिए निर्धारित समय से पहले ही भर्तियों का दौर शुरू कर चुकी हैं। एडेको इंडिया के निदेशक और जनरल स्टाफिंग प्रमुख दीपेश गुप्ता ने कहा, इस साल का त्योहारी मौसम एक तेज और अधिक संरचनात्मक मांग वक्र देख रहा है। हमने इस मांग को पहले ही पूरा करने के लिए सक्रिय रूप से तैयारी की है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस वर्ष की भर्ती में वृद्धि उपभोक्ता धारणा में सुधार, ग्रामीण मांग को बढ़ावा देने वाले अनुकूल मानसून, चुनाव के बाद के आर्थिक आशावाद और आक्रामक त्योहारी विज्ञापनों से प्रेरित है। दिल्ली-एनसीआर, मुंबई, बेंगलुरु और चेन्नई जैसे महानगर त्योहारी भर्ती की मांग में सबसे आगे हैं, जिनमें पिछले साल की तुलना में 19 प्रतिशत अधिक अवसर हैं।

वहीं, लखनऊ, जयपुर और कोयंबटूर जैसे दूसरी श्रेणी के शहरों में मांग में 42 प्रतिशत की वृद्धि देखी जा रही है। इससे पता चलता है कि त्योहारी भर्तियों का सिलसिला व्यापक रूप ले चुका है।

श्रावण कृष्ण पक्ष सप्तमी 07:09 उपरांत अष्टमी विक्रम संवत 2082

लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद, हल्द्वानी, अयोध्या व कानपुर से प्रकाशित

गुरुवार, 17 जुलाई 2025
वर्ष 5, अंक 146, पृष्ठ 16
2 राज्य, 6 संस्करण
मूल्य 6 रुपये

अमृत विचार

हल्द्वानी

एक सम्पूर्ण अखबार

www.amritvichar.com

वकीलों के विशेषाधिकारों की सुरक्षा पर होगी शीर्ष सुनवाई 14

कटौती से पहले स्थिति पर आरबीआई की नजर 12

डिप्टी जेलर और सिपाही को सस्पेंड करने के आदेश

विधि संवाददाता, नैनीताल

- सितारगंज जेल में बंदी से मारपीट के मामले में हाईकोर्ट सख्त

अमृत विचार : उत्तराखंड हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जी. नरेंद्र एवं न्यायमूर्ति आलोक महरा की खंडपीठ ने सितारगंज सेंट्रल जेल के बंदी सुभान के साथ डिप्टी जेलर नवीन चौहान एवं कांस्टेबल राम सिंह कपकोटी द्वारा मारपीट करने के मामले में सुनवाई की। खंडपीठ ने

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की रिपोर्ट का संज्ञान लेते हुए डिप्टी जेलर और कांस्टेबल को निलंबित करने के आदेश दिए हैं। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ऊधमसिंह नगर के सचिव योगेंद्र कुमार सागर ने 11 जुलाई 2025 को जेल का निरीक्षण किया। 14 जुलाई को रिपोर्ट पेश की गई। निरीक्षण के दौरान उनकी मुलाकात कैदी सुभान से हुई, उसके शरीर पर कई घाव थे। उसने बताया कि उसके साथ विगत 28 जून को कांस्टेबल व डिप्टी जेलर आदि ने मारपीट की। बुधवार को जेल प्रशासन द्वारा बंदी को कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने उसको आई चोटों को भी देखा। आरोपी पॉक्सो एक्ट के केस में जेल में वर्ष 2024 से जेल में बंद है। मामले में अनिल यादव और सुनील शर्मा का नाम भी सामने आया है।

मुठभेड़ में इनामी नक्सली मारा गया जवान भी शहीद

बोकारो। झारखंड के बोकारो जिले में बुधवार सुबह हुई मुठभेड़ में पांच लाख रुपये का इनामी नक्सली मारा गया और इस दौरान केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के एक जवान की भी जान चली गई।

मुठभेड़ के दौरान एक आम नागरिक की भी जान चली गई है। पुलिस ने बताया कि गोमिया थाना क्षेत्र के बिरहोर डेरा जंगल में सुबह करीब साढ़े पांच बजे सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ शुरू हुई। डीजीपी अनुराग गुप्ता ने बताया कि विशेष सूचना पर कार्रवाई करते हुए सीआरपीएफ और जिला पुलिस ने जंगल में छापेमारी की।

नाटो की भारत पर 100 % टैरिफ लगाने की धमकी

वॉशिंगटन, एजेंसी

- रूस से व्यापार को लेकर नाटो चीफ मार्क रूट ने दिखाया डर
- रूस से व्यापार जारी रखने पर चीन, ब्राजील का भी नाम लिया

नाटो चीफ मार्क रूट ने भारत को रूस के साथ संबंधों को लेकर खुली चेतावनी दी और कहा कि अगर वह रूस के साथ व्यापार जारी रखता है तो गंभीर आर्थिक दंड का सामना करना पड़ सकता है। भारत के साथ उन्होंने चीन और ब्राजील का भी नाम लिया। खास बात ये है कि ये सभी ब्रिक्स समूह के देश हैं। भारत पहले भी कह चुका है कि वह अपने व्यापारिक संबंधों को राष्ट्रीय हित को ध्यान में रखते हुए महत्व देता है। बुधवार को अमेरिकी सीनेटरों से मुलाकात के बाद संवाददाताओं से बाचतीत में रूट ने भारत, चीन और ब्राजील के नेताओं से रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर शांति वार्ता को गंभीरता से लेने के लिए दबाव डालने का आग्रह किया।

रूट ने कहा कि भारत, चीन और ब्राजील यदि रूस के साथ व्यापार जारी रखते हैं और उससे तेल व गैस खरीदते हैं और अगर मॉस्को में बैठा व्यक्ति शांति वार्ता को गंभीरता से नहीं लेता है तो मैं 100 प्रतिशत सेकंडरी प्रतिबंध लगा दूंगा। उन्होंने कहा कि इन तीन देशों के लिए मेरा

विशेष प्रोत्साहन यह है कि अगर आप बीजिंग या दिल्ली में रहते हैं या आप ब्राजील के राष्ट्रपति हैं, तो आप इस पर गौर करना चाहेंगे, क्योंकि यह आपको बहुत प्रभावित कर सकता है।

रूट ने भारत और दोनों अन्य देशों के नेताओं से पुतिन से शांति वार्ता के लिए सीधे तौर पर आग्रह करने अपील की। उन्होंने कहा कि व्लादिमीर पुतिन को फोन करें और उन्हें बताएं कि उन्हें शांति वार्ता को लेकर गंभीर होना होगा, वरना इसका ब्राजील, भारत और चीन पर बड़े पैमाने पर असर होगा।

ट्रंप ने भी दी थी सेकेंडरी टैरिफ लगाने की धमकी

नाटो चीफ की टिप्पणी के एक दिन पहले ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस और उसके व्यापारिक साझेदारों के खिलाफ 100 प्रतिशत सेकेंडरी टैरिफ लगाने की घोषणा की थी। व्हाइट हाउस ने नाटो के माध्यम से यूक्रेन को नए हथियारों की सप्लाई की मंजूरी भी दी थी। ट्रंप की योजना में पैट्रियट मिसाइल जैसे हथियार भेजना शामिल हैं।

एक नजर

दिल्ली के पांच स्कूलों को बम से उड़ाने की मिली धमकी

नई दिल्ली। दिल्ली के पांच निजी स्कूलों को बुधवार सुबह बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद दहशत फैल गई और अधिकारियों ने गहन जांच के लिए परिसर तत्काल खाली कराए। यह लगातार तीसरा दिन है जब राष्ट्रीय राजधानी के शैक्षणिक संस्थानों को ईमेल से बम रखे होने की धमकी दी गई है। पिछले दो दिन में कुछ स्कूलों में बम रखे होने की धमकी दी गई। अग्निशमन सेवा के एक अधिकारी ने बताया कि द्वारका स्थित सेंट थॉमस स्कूल, वसंत कुंज स्थित वसंत वैली स्कूल, लोधी एस्टेट स्थित सरदार पटेल विद्यालय को भी धमकी भरा ईमेल मिला है। स्कूल की गहन जांच की गई और अब तक कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है।

रनवे टच करके विमान ने फिर से भरी उड़ान

पटना। दिल्ली से 173 यात्रियों को लेकर आ रहे विमान के पटना के जयप्रकाश नारायण अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरने के तुरंत बाद फिर से उड़ान भरने के चलते यात्रियों में घबराहट फैल गई। हवाई अड्डे के अधिकारियों ने बताया कि घटना मंगलवार रात नौ बजे हुई। इंडिगो की उड़ान 6ई 2482 रनवे पर उतरी, लेकिन पायलट को एहसास हुआ कि विमान की गति धीमी करने के लिए रनवे पर पर्याप्त स्थान नहीं है, जिसके बाद विमान ने फिर से उड़ान भर ली। कुछ देर आसमान में चक्कर लगाने के बाद पायलट ने विमान को सुरक्षित उतार लिया।

पीएम धन-धान्य कृषि योजना को मंत्रिमंडल की मिली मंजूरी

सालाना 24,000 करोड़ रुपये व्यय होगा, 1.7 करोड़ किसान होंगे लाभान्वित

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 100 जिलों में कृषि क्षेत्र के प्रोत्साहन के लिए सालाना 24,000 करोड़ रुपये के आवंटन वाली प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना को बुधवार को मंजूरी दी। छह साल तक चलने वाली इस योजना से करीब 1.7 करोड़ किसान लाभान्वित होंगे। यह योजना 2025-26 के बजट में कृषि उत्पादकता बढ़ाने, फसल विविधीकरण और टिकाऊ कृषि पद्धतियों को अपनाने के लिए 100 जिलों के विकास की घोषणा के अनुरूप है।

सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में लिए गए इस निर्णय की जानकारी दी। वैष्णव ने कहा कि प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना 11 विभागों की 36 मौजूदा योजनाओं, अन्य राज्य योजनाओं और निजी क्षेत्र के साथ स्थानीय भागीदारी को समाहित कर कार्यान्वित की जाएगी। उन्होंने कहा कि इस योजना से लगभग 1.7 करोड़ किसान लाभान्वित होंगे। कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने एक कार्यक्रम से इतर कहा कि इस योजना के क्रियान्वयन की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। ...प्रशिक्षण और जागरूकता अभियान अगस्त में शुरू होगा। उन्होंने कहा कि हम इस योजना को अक्टूबर से लागू करेंगे, जब रबी की बुवाई शुरू होगी। चौहान ने कहा कि पिछले 11 वर्षों में खाद्यान्न, बागवानी और दूध के उत्पादन में तीव्र वृद्धि के बावजूद राज्यों और जिलों के बीच उपज का अंतर है। इस योजना का उद्देश्य कृषि उत्पादकता बढ़ाना, फसल विविधीकरण और पर्यावरण अनुकूल कृषि पद्धतियों को अपनाना, पंचायत एवं ब्लॉक स्तर पर फसलों की कटाई के बाद अनाज भंडारण बढ़ाना है।

एनटीपीसी की निवेश सीमा बढ़ाकर 20,000 करोड़ की

नई दिल्ली। हरित ऊर्जा की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए सरकार ने सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी एनटीपीसी की निवेश सीमा बढ़ाकर 20,000 करोड़ रुपये कर दी। इस बढ़े अधिकार के साथ एनटीपीसी 2032 तक 60 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता हासिल कर सकेगी। महारत्न कंपनी की नवीकरणीय ऊर्जा के लिए मौजूदा निवेश सीमा 7,500 करोड़ रुपये है। ये निर्णय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति (सीसीईए) की बैठक में लिए गए। एनटीपीसी का लक्ष्य 2032 तक 60 गीगावाट की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता जोड़ना है।

एनएलसीआईएल को 7,000 करोड़ रुपये निवेश करने की अनुमति दी

नई दिल्ली। सरकार ने सार्वजनिक क्षेत्र की एनएलसी इंडिया लिमिटेड (एनएलसीआईएल) को देश में नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता बढ़ाने के लिए अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली इकाई एनआईआरएल में 7,000 करोड़ रुपये के निवेश की अनुमति दे दी। इस निर्णय से एनएलसी इंडिया को 2030 तक 10.11 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता जोड़ने में मदद मिलेगी, जिससे 2047 तक यह क्षमता 32 गीगावाट हो जाएगी। इस निवेश को सीपीएसई द्वारा संयुक्त उद्यम और अनुषंगी कंपनियों में कुल निवेश के लिए लोक उपक्रम विभाग के 30 प्रतिशत की नेटवर्थ सीमा से भी छूट मिलेगी।

अपने जीवन के खास अवसर पर एक पौधा जरूर लगाएं : मुख्यमंत्री

हरेला पर रुद्राक्ष का पौधा रोप किया राज्यव्यापी अभियान का आगाज

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेशवासियों से आह्वान किया है कि वे अपने जीवन के विशेष अवसरों पर एक पौधा अवश्य लगाएं और उसकी देखभाल करें, जिससे पर्यावरण संरक्षण को जनांदोलन बनाया जा सके।

उत्तराखंड के लोक पर्व हरेला पर बुधवार को गोरखा मिलिट्री इंटर कॉलेज परिसर, देहरादून से मुख्यमंत्री ने राज्यव्यापी पौधारोपण कार्यक्रम का आगाज हरेला का त्योहार मनाओ, धरती मां का ऋण चुकाओ थीम पर रुद्राक्ष का पौधा रोपकर किया। उन्होंने कहा कि हरेला उत्तराखंड की संस्कृति, प्रकृति और चेतना से जुड़ा एक गहरा भाव है, जो हमें पर्यावरण के प्रति हमारी जिम्मेदारियों की याद दिलाता है। इस दिन 5 लाख पौधों के साथ वन विभाग के प्रत्येक डिवीजन में 50 प्रतिशत फलदार पौधे लगाने का लक्ष्य तय किया गया। इस महाभियान में सरकार द्वारा जनसहभागिता, स्वयंसेवी संगठनों, छात्र-छात्राओं, महिला समूहों और पंचायतों का सहयोग लिया जा रहा है।

लोकपर्व हरेला पर रुद्राक्ष का पौधा लगाते मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी।

सर्वाइवल रेट 80 फीसदी से अधिक

कृषि मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि उत्तराखंड में श्रावण मास में हरेला पूजन के उपरांत पौधरोपण करने की परंपरा सदियों से चली आ रही है, जो हमारी सांस्कृतिक चेतना और पर्यावरणीय जिम्मेदारी का प्रमाण है। वन मंत्री सुबोध उनियाल ने कहा कि लोकपर्व हरेला प्रदेश के 2,389 स्थानों पर मनाया जा रहा है। विगत तीन वर्षों में हरेला पर लगाए गए पौधों का सर्वाइवल रेट 80 फीसदी से अधिक रहा है। जल स्तर में हो रही गिरावट गंभीर चिंता की बात है और इसके लिए हमें पौधरोपण एवं जलधाराओं के संरक्षण को निरंतर प्रयास करने होंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल की जाए, जब तक वे वृक्ष का रूप न ले लें। उत्तराखंड प्राकृतिक सौंदर्य और जैव विविधता से समृद्ध राज्य है, जिसकी रक्षा करना हम सभी का नैतिक कर्तव्य है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में चल रहे पंचामृत संकल्प, नेट जीरो इमिशन, लाइफस्टाइल फॉर एनवायरनमेंट और एक पेड़ मां के नाम जैसे अभियानों का उल्लेख करते हुए कहा कि राज्य सरकार भी इन्हीं मूल्यों को आत्मसात करते हुए कार्य कर रही है।

हरेला पर हरियाली में रंगा हर कोना... (पढ़ें पेज-10 पर)

एनसीआर से हरिद्वार तक केसरिया ही केसरिया

हर की पैड़ी से गंगाजल लेकर लौटते कांवड़िए। ● एजेंसी

मुख्य संवाददाता, देहरादून

- हरिद्वार से एक करोड़ से ज्यादा कांवड़िए जल भरकर रवाना

अमृत विचार : राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) दिल्ली से लेकर हरिद्वार तक नेशनल हाइवे पर केसरिया सैलाब उमड़ रहा है। हरिद्वार स्थित हर की पैड़ी से बुधवार शाम छह बजे तक 1.16 करोड़ से ज्यादा कांवड़िए पवित्र गंगा जल लेकर अपने आराध्य पर जलाभिषेक करने की कामना के साथ अपने गंतव्य को रवाना हो चुके हैं।

हरिद्वार पुलिस से मिले आंकड़ों के अनुसार, हरिद्वार से 15 जुलाई की शाम 6 बजे से 16 जुलाई की शाम 6 बजे तक करीब 35 लाख कांवड़िए गंगाजल लेकर अपने गंतव्य को प्रस्थान कर चुके थे जबकि 10 जुलाई से 16 जुलाई की शाम तक एक करोड़ 16 लाख 90 हजार से ज्यादा कांवड़िए हरिद्वार से जल लेकर अपने गंतव्य को प्रस्थान कर चुके हैं। इनमें अधिकांश कांवड़िए राजस्थान, हरियाणा और दिल्ली के हैं। हरिद्वार के जिलाधिकारी मयूर दीक्षित और एसएसपी प्रमेन्द्र सिंह डोबाल बुधवार को भारी बारिश के बीच भी कांवड़ मार्ग पर निरीक्षण पर डटे रहे। हरिद्वार से दिल्ली की तरफ मुजफ्फरनगर, मेरठ और गाजियाबाद में भी इस समय कांवड़ यात्रा चरम पर पहुंच रही है। इन जिलों में 23 जुलाई तक नेशनल हाइवे को वनवे किया जा चुका है तो कई मार्गों पर रूट डायवर्जन प्लान लागू किया गया है।

डीजे कंपटीशन, जातीय गाने बजाने पर लगी रोक

23 जुलाई को शिवरात्रि है। ऐसे में दो दिन बाद डाक कांवड़ का जोर शुरू हो जाएगा। साथ ही, डीजे कांवड़ों का भी लौटना शुरू हो जाएगा। हरिद्वार पुलिस-प्रशासन ने डीजे कांवड़ पर रोक तो नहीं लगाई है लेकिन मानक तय किए हैं। गाइड लाइन के अनुसार, कांवड़ डीजे संचालकों द्वारा आपस में किसी तरह का कंपटीशन नहीं किया जाएगा और इस दौरान जातीय गाने नहीं बजाए जाएंगे।

मानवरहित हवाई प्रणालियों में आत्मनिर्भरता अनिवार्य

नई दिल्ली, एजेंसी

- सीडीएस बोले-स्वदेशी तकनीक हमारी जरूरतों के लिए महत्वपूर्ण

प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) अनिल चौहान ने बुधवार को कहा कि हाल के वैश्विक संघर्षों में यह बात सामने आई है कि कैसे ड्रोन युद्ध के रणनीतिक संतुलन को गैर आनुपातिक रूप से प्रभावित कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि ड्रोन और मानवरहित हवाई रोधी प्रणाली में आत्मनिर्भरता भारत के लिए रणनीतिक रूप से अनिवार्य है।

यहां मानेकशॉ सेंटर में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जनरल चौहान ने यह भी कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने दिखाया है कि क्यों स्वदेशी रूप से विकसित मानव रहित हवाई प्रणालियां (यूएएस) और सी-यूएएस हमारे क्षेत्र और हमारी

जरूरतों के लिए महत्वपूर्ण हैं।

यूएवी और सी-यूएएस के क्षेत्र में विदेशी ओईएम से वर्तमान में आयात किए जा रहे महत्वपूर्ण घटकों के स्वदेशीकरण विषय पर थिंक टैंक सेंटर फॉर ज्वाइंट वारफेयर स्टडीज के सहयोग से एकीकृत रक्षा कार्मिक मुख्यालय की मेजबानी में एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की जा रही है। यह आयोजन हाल में भारत-पाकिस्तान के बीच हुए सैन्य संघर्ष की पृष्ठभूमि में हो रहा है जिसमें ऑपरेशन सिंदूर भी शामिल है। इस संघर्ष ने यूएवी और सी-यूएएस के सामरिक महत्व और परिचालन प्रभावशीलता को रेखांकित किया। उद्घाटन सत्र में अपने मुख्य संबोधन में सीडीएस ने कहा कि ड्रोन वास्तविकता का प्रमाण हैं और हाल के संघर्षों में उनके व्यापक उपयोग ने दिखाया है कि कैसे ड्रोन युद्ध के रणनीतिक संतुलन को गैर आनुपातिक रूप से प्रभावित कर सकते हैं।

आयातित तकनीक पर निर्भर नहीं रह सकते

आत्मनिर्भरता के सिद्धांत को रेखांकित करते हुए जनरल चौहान ने कहा कि हम उन आयातित विशिष्ट तकनीकों पर निर्भर नहीं रह सकते जो हमारे आक्रामक और रक्षात्मक अभियानों के लिए महत्वपूर्ण हैं। विदेशी तकनीकों पर निर्भरता हमारी तैयारियों को कमजोर करती है। जनरल चौहान ने कहा कि विदेशी शस्त्रों, सेंसर और उनकी क्षमताओं से सभी वाकिफ हैं और दुश्मन इन प्रणालियों की क्षमता के आधार पर हमारी रणनीति और सैद्धांतिक अवधारणाओं का आकलन कर सकता है।

मानसून सत्र में 8 नए विधेयक पेश करने की तैयारी में सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी

- 21 से शुरू होने वाले सत्र के हंगामेदार होने की संभावना

सरकार ने आगामी सोमवार से आरंभ हो रहे संसद के मानसून सत्र में आठ नए विधेयकों को पेश करने की योजना बनाई है जिनमें भू-विरासत स्थलों और भू-अवशेषों के संरक्षण और सुरक्षा से संबंधित एक विधेयक भी शामिल हैं।

मानसून सत्र के लिए प्रस्तावित विधेयकों में राष्ट्रीय खेल प्रशासन विधेयक, भू-विरासत स्थल और भू-अवशेष विधेयक, खान और खनिज संशोधन विधेयक और राष्ट्रीय डोपिंग रोधी (संशोधन) विधेयक शामिल हैं। संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से शुरू होने वाला है और 21 अगस्त तक दोनों सदनों की कुल 21 बैठकें प्रस्तावित हैं। सत्र के दौरान 12 अगस्त से 18 अगस्त तक रक्षाबंधन और स्वतंत्रता दिवस समारोह के कारण अवकाश रहेगा। इस सत्र में सत्तारूढ़ भाजपा और विपक्षी इंडिया गठबंधन के घटक दलों के बीच तीखी नोकझोंक होने की संभावना है। सरकार और विपक्ष के बीच संभावित टकराव के बिंदुओं में इस वर्ष के अंत में होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव से पहले प्रदेश में जारी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण का मामला भी शामिल होगा।

भाजपा विधायक पर हत्या का मामला दर्ज

बेंगलुरु। भाजपा विधायक और कर्नाटक के पूर्व मंत्री बिरथी बसवराज पर एक बदमाश की उसकी मां के सामने हत्या करने के सिलसिले में मामला दर्ज किया गया है।

वहीं, भाजपा नेता ने कहा कि शिकायत दुर्भावनावश की गई है। पुलिस ने बताया कि हमलावर मंगलवार रात को एक कार में सवार होकर आए और उन्होंने शहर के भारती नगर में शिवप्रकाश उर्फ बिकलू शिवू नामक बदमाश की हत्या कर दी। पुलिस ने बताया कि मृतक की मां की शिकायत के आधार पर पूर्व मंत्री और अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

अदालतों में शौचालयों की कमी पर सुप्रीम कोर्ट नाराज

सुविधा सुनिश्चित करने के लिए 20 उच्च न्यायालयों को दिया आठ सप्ताह का समय

नई दिल्ली, एजेंसी

- पीठ ने कहा-तय समय में अनुपालन रिपोर्ट नहीं देने पर भुगतने होंगे गंभीर परिणाम
- पुरुष, महिला, दिव्यांगजन और ट्रांसजेंडर्स के लिए अलग-अलग सुविधा देने का है निर्देश

उच्चतम न्यायालय ने देश की सभी अदालतों और न्यायाधिकरणों में शौचालय की सुविधा सुनिश्चित करने के उसके फैसले के बाद 20 उच्च न्यायालयों द्वारा अनुपालन रिपोर्ट दाखिल नहीं करने पर बुधवार को नाराजगी व्यक्त की और उन्हें ऐसा करने के लिए 8 सप्ताह का समय दिया।

न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने कहा कि यह आखिरी मौका है। पीठ ने सख्त लहजे में कहा कि अगले आठ हफ्तों में रिपोर्ट दाखिल न करने पर

गंभीर परिणाम भुगतने होंगे।

न्यायालय ने 15 जनवरी के अपने फैसले में कहा था कि संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत उचित 'सैनिटेशन' तक पहुंच को मौलिक अधिकार माना गया है। उच्चतम न्यायालय ने कई निर्देश जारी करते हुए उच्च न्यायालयों, राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों से सभी न्यायालय परिसरों और न्यायाधिकरणों में पुरुषों, महिलाओं, दिव्यांगजनों और ट्रांसजेंडर्स के लिए अलग-अलग शौचालयों की सुविधा सुनिश्चित करने को कहा था। न्यायालय ने साथ ही चार महीने के भीतर स्थिति रिपोर्ट भी मांगी थी। पीठ ने बुधवार को कहा कि केवल झारखंड, मध्य प्रदेश, कलकत्ता, दिल्ली और पटना उच्च न्यायालयों ने ही निर्देशों का पालन करने के लिए की गई कार्रवाई का विवरण देते हुए हलफनामे दायर किए हैं जबकि देश में 25 उच्च न्यायालय हैं।

आदेश के अनुपालन का यह आखिरी मौका

पीठ ने कहा कि कई उच्च न्यायालयों ने अभी तक अपने हलफनामे/अनुपालन रिपोर्ट दाखिल नहीं की हैं... हम उन्हें आठ हफ्तों के भीतर अनुपालन रिपोर्ट दाखिल करने का आखिरी मौका देते हैं। हम स्पष्ट करते हैं कि अगर वे स्थिति रिपोर्ट दाखिल करने में विफल रहते हैं तो उच्च न्यायालयों के रजिस्ट्रार जनरल व्यक्तिगत रूप से अदालत में उपस्थित हों। न्यायालय ने 15 जनवरी के अपने फैसले में कहा था कि उच्च न्यायालय यह सुनिश्चित करेंगे कि सुविधाएं स्पष्ट रूप से चिन्हित हों तथा न्यायाधीशों, अधिवक्ताओं, वादियों और न्यायालय के कर्मचारियों के लिए सुलभ हों। शीर्ष अदालत का फैसला अधिवक्ता राजीब कालिता द्वारा दायर जनहित याचिका पर आया।

पंचायत चुनाव की याचिका हाईकोर्ट में निस्तारित

डीजीपी और सचिव पंचायती राज ने शपथपत्र पेश किया, कहा-चुनाव कराने में कोई व्यवधान पैदा नहीं होगा

हाईकोर्ट समाचार 1

अमृत विचार: उत्तराखंड हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जी. नरेंद्र एवं न्यायमूर्ति आलोक महरा की खंडपीठ ने बरसात के दौरान राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा प्रदेश के 12 जिलों में कराए जा रहे पंचायत चुनाव को अगस्त माह के बाद कराए जाने को लेकर दायर जनहित याचिका पर बुधवार को सुनवाई की।

मामले की सुनवाई के बाद राज्य सरकार, पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) एवं सचिव पंचायती राज की तरफ से शपथपत्र पेश करते हुए कहा गया कि पंचायत चुनाव कराने के लिए राज्य निर्वाचन आयोग, राज्य सरकार और पुलिस ने पूरी तैयारी कर ली है। कांवड़ यात्रा भी शांतिपूर्वक चल रही है। इससे चुनाव में कोई व्यवधान उत्पन्न नहीं होगा। शपथ पत्र को रिकॉर्ड पर लेते हुए मुख्य न्यायाधीश की खंडपीठ ने जनहित याचिका को निस्तारित कर दिया।

हाईकोर्ट में सचिव पंचायती राज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पेश हुए। मंगलवार को भी उनके द्वारा कोर्ट को अवगत कराया गया था कि पंचायत चुनाव और कांवड़ यात्रा को व्यवस्था के अनुरूप चलाया जा रहा है। पुलिस-प्रशासन ने कांवड़ मेले को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए प्रदेश की 30 प्रतिशत फोर्स लगा रखी है। 10 प्रतिशत पुलिस चारधाम यात्रा में है। होने वाले चुनाव के लिए विभाग ने 10 प्रतिशत फोर्स रिजर्व रखी है। चुनाव और कांवड़ के दौरान किसी तरह की गड़बड़ी होने पर भी विभाग ने फोर्स को रिजर्व में रखा है। वहीं, चुनाव आयोग की तरफ से कहा गया कि आयोग को चुनाव कराने में किसी तरह की दिक्कतों का सामना नहीं करना पड़ रहा है। जहां तक कांवड़ मेले का सवाल है तो इसमे खासकर हिमाचल, हरियाणा, पंजाब, यूपी और दिल्ली के कांवड़िये आ रहे हैं जिनका प्रथम जत्था चुनाव की प्रथम तिथि से पहले समाप्त हो जाएगा। सचिव द्वारा यह भी कहा गया कि कांवड़ से प्रभावित जिलों में चुनाव दूसरे फेज में हैं। डीजीपी द्वारा कोर्ट के निर्देश पर शपथ पत्र पेश किया गया।

मामले के अनुसार, देहरादून निवासी डॉ. बैजनाथ ने जनहित याचिका में कहा था कि अभी राज्य में पंचायत चुनाव का कार्यक्रम चल रहा है। वहीं, दूसरी तरफ कांवड़ यात्रा, चारधाम यात्रा और बरसात का सीजन भी चल रहा। प्रदेश में बाढ़ राहत के बचाव में प्रशासन, पुलिस व एसडीआरफ की टीमें लगी हैं। ऐसी स्थिति में पंचायत चुनाव कराना खतरे से खाली नहीं है। उन्होंने कोर्ट से प्रार्थना की कि पंचायत चुनाव की तारीख अगस्त महीने में घोषित की जाए। इस पर कोर्ट ने वास्तविकता जानने के लिए डीजीपी और सचिव को वीसी के माध्यम से पेश होने को कहा था।

आयोग ने नामांकन पत्र निरस्त किया, हाईकोर्ट ने लगायी रोक

विधि संवाददाता, नैनीताल

- घर में शौचालय न होने पर प्रधान पद की प्रत्याशी का नामांकन किया निरस्त, टिहरी का मामला

2

अमृत विचार : घर में शौचालय नहीं होने के कारण ग्राम प्रधान पद की प्रत्याशी का नामांकन पत्र निरस्त कर दिया गया। प्रत्याशी ने इसके खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका दायर की।

हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जी. नरेंद्र एवं आलोक महरा की खंडपीठ ने बुधवार को याचिका पर सुनवाई कर नामांकन निरस्त करने के आदेश पर रोक लगाते हुए राज्य निर्वाचन आयोग को निर्देश दिए कि प्रत्याशी को शीघ्र चुनाव चिन्ह जारी करें। मामला टिहरी जिले का है। सुनवाई के दौरान राज्य निर्वाचन आयोग की तरफ से कहा गया कि नामांकन और उसकी जांच हो चुकी है। शपथ पत्र के मुताबिक उनका नामांकन सही नहीं पाया गया।

कमेटी ने जांच के बाद ही नामांकन पत्र निरस्त किया है। इस पर विरोध दर्ज कराते हुए याचिकाकर्ता की तरफ से कहा गया कि नामांकन नियमों के विरुद्ध जाकर निरस्त किया गया है। जरूरी नहीं कि घर के अंदर ही शौचालय हो। उनका शौचालय घर से करीब डेढ़ सौ मीटर की दूरी पर है तो किस आधार पर उनका नामांकन निरस्त किया जा सकता है। मामले के अनुसार, टिहरी जिले की निवासी कुसुम कोठियाल ने याचिका में बताया कि वे ग्राम प्रधान पद के लिए चुनाव लड़ रही हैं लेकिन चुनाव आयोग ने उनका नामांकन इस आधार पर निरस्त कर दिया कि उनके घर में शौचालय नहीं है।

याचिका के अनुसार, ग्रामीण क्षेत्रों में शौचालय घर के अंदर न होकर बाहर होते हैं, जो उनके घर से करीब डेढ़ सौ मीटर की दूरी पर बना है और वह भी उनका व्यक्तिगत शौचालय है न कि सार्वजनिक इसलिए उनके नामांकन पत्र को बहाल किया जाए।

आज से शुरू होगी प्रवेश प्रक्रिया

नैनीताल: डीएसबी परिसर में आज से स्नातक की कक्षाओं में प्रवेश प्रक्रिया शुरू होगी। इस बार समर्थ पोर्टल के जरिये परिसर की 1180 सीटों पर दाखिले के लिए 2360 छात्र-छात्राओं ने आवेदन किया है। समर्थ पोर्टल में आए आवेदनों को कॉलेज वार मेरिट बनाकर कॉलेजों को भेजा जा रहा है। इसके अनुसार इस बार डीएसबी परिसर में दाखिले को 2360 आवेदन किए गए हैं।

गुरुवार से प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। बीए की 600, बीएससी बायो वर्ग की 160, गणित वर्ग की 160, बीकॉम आनर्स की 80 सीटों और बीकॉम की 180 सीटों पर प्रवेश दिए जाएंगे। हालांकि बीकॉम ऑनर्स विभाग की ओर से बीते मंगलवार को ही पहली मेरिट सूची जारी कर दी गई थी। जिसकी प्रवेश प्रक्रिया भी आज से शुरू होगी। बीकॉम, बीए और बीएससी की मेरिट भी आज जारी होगी और प्रवेश भी शुरू हो जाएंगे।

इसके लिए संबंधित सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। उधर इस संबंध में डीएसबी परिसर के छात्र अधिष्ठता कल्याण प्रो. संजय पंत ने बताया कि सभी विभागों में प्रवेश कमेटियों का गठन किया जा चुका है। उनके अनुसार, मेरिट लिस्ट के आधार पर ही विद्यार्थियों को प्रवेश दिए जाएंगे।

मोटर मार्ग के लिए सड़क पर हरेला त्योहार मनाते आंदोलित ग्रामीण। ● अमृत विचार

मोटर मार्ग खुलवाने को ग्रामीणों ने भरी हुंकार

संवाददाता, भीमताल

अमृत विचार: धारी ब्लॉक के बबियाड-गैराखाड-कैलाशद्वार मोटर मार्ग के 15 वर्षों से पूर्णतः बंद होने और बबियाड-टपुवा -दुदुली रोड की बदहाली से परेशान ग्रामीणों ने बबियाड में सड़क में बैठकर धरना-प्रदर्शन किया।

प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेता मनोज शर्मा ने कहा कि लंबे समय से ग्रामीण सरकार व प्रशासन से बदहाल सड़कों को ठीक करने की मांग कर रहे हैं, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही है। एक सप्ताह पहले भी धरना-प्रदर्शन कर चेतावनी दी गई थी। पूर्व नियोजित कार्यक्रम के तहत ग्रामीण मोटर मार्ग में एकत्र हुए और सड़क में हरेला त्योहार मनाया। मांग के लिए ग्रामीणों ने अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन भी शुरू कर दिया। धरना-प्रदर्शन करने वालों में पूर्व प्रधान बबियाड युगल किशोर पलड़िया, राज्य आंदोलन कारी नारायण सिंह मेहता, प्रमोद कुमार, पूरन सुयाल, सुभाष चंद्र आर्या, सूरज चंद्र, भोला सुयाल, तुलसीदास पोखरिया, भैरव दत्त पोखरिया, जीवन पोखरिया, मनोज बड़ोला, खीमानन्द पलड़िया, जीवन बिष्ट, भोला बड़ोला, राजेन्द्र प्रसाद, दीपक पोडवाल, पंकज पोखरिया, कौस्तुभानंद पोखरिया, भोला सुयाल, प्रीतम सिंह, विपिन पोखरिया आदि शामिल थे।

नीलू को पर्यावरण अवार्ड मिला

संवाददाता, नैनीताल

नीलू अलहंस को अवार्ड देते क्लब अध्यक्ष डॉ .प्रमोद कुमार गोल्डी।

अमृत विचार: समाजसेवी, पर्यावरण प्रेमी एवं पौधरोपण के प्रति अमूल्य योगदान देने वालीं नैनीताल निवासी नीलू अलहंस को लायंस क्लब ग्रीन सिटी के अध्यक्ष डॉ. प्रमोद अग्रवाल गोल्डी द्वारा द हिमालयन किचन सभागार में आयोजित समारोह में लायंस प्रेसिडेंट पर्यावरण अवार्ड-2025 से सम्मानित किया गया। इस दौरान नीलू अलहंस ने क्लब का आभार जताते कहा कि, इस प्रकार के सम्मान को ग्रहण करके हमें और बढ़-चढ़कर समाजसेवा करने की प्रेरणा मिलती है। समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शोभा गुप्ता, नीलम मेहरोत्रा, नीलम डांगरा, सुची, कमलेश जेठी, रेखा कंसल आदि मौजूद रहे।

कार्यक्रम में मौजूद छात्र–छात्राएं व अन्य।

प्राचीन भारतीय ज्ञान परंपरा चरित्र निर्माण में सहायक

भीमताल : राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बडौन में श्रीमद्भगवद् गीता के श्लोक नैनम् छिन्दन्ति शस्त्राणि न शोषयति मारूत : को सप्ताह का श्लोक घोषित कर शिक्षक कमल कुमार ने श्लोक के अर्थ को विद्यार्थियों को विस्तार से बताया। प्रभारी प्रधानाचार्य धर्मेंद्र सिंह बसेड़ा ने कहा कि प्राचीन भारतीय ज्ञान परंपरा चरित्र निर्माण में सहायक होती हैं। इस मौके पर प्रियंका व मिथिलेश आदि मौजूद थे।

सीवर पंपों का जायजा लिया

भीमताल में सीवर व्यवस्था का निरीक्षण करते उपजिलाधिकारी नवाजिश खलीक। ● अमृत विचार

संवाददाता, भीमताल

अमृत विचार: भीमताल में जगह-जगह सीवर बहने की शिकायत को संज्ञान में लेकर उपजिलाधिकारी नवाजिश खलीक ने निरीक्षण कर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। पिछले दिनों नगर में सीवर की गंदगी के मामले ने तूल पकड़ा था। सामाजिक कार्यकर्ता पूरन बृजवासी ने मामले को उजागर करते हुए विभिन्न मंचों में इसे उठाया था। मुख्यमंत्री सचिव/ कुमाऊं आयुक्त दीपक रावत ने एसडीएम को मौके पर जांच के आदेश दिए थे। एसडीएम नवाजिश खलीक ने स्वयं झील किनारे मौके पर आकर सीवर पंपों का जायजा लिया और जल संस्थान एवं जल निगम के अधिकारियों से जानकारी हासिल की। अधिकारियों ने अपनी-अपनी रिपोर्ट एसडीएम को दी।

जांच में पता चला कि सिस्टम ओल्ड प्रोसेसिंग का होने के कारण सीवर की अव्यवस्था बनी हुई है। जिस कारण विभाग भी व्यवस्था संभालने में नाकाम हो रहा है। साथ ही शहर में लाइट जाने पर जैनरेटर पंपों पर न होने से भी बदबू उठने का कारण बन रही है। एसडीएम ने दोनों विभागीय अधिकारियों से दोबारा पूरे शहर की सटीक रिपोर्ट तैयार कर स्टीमेट शासन में भेजने की बात कही। साथ ही इसकी रिपोर्ट फाइल उप-जिलाधिकारी कार्यालय भेजने के निर्देश दिए। पूरन बृजवासी ने एसडीएम से नैनीताल की तर्ज पर ही भीमताल शहर का अध्ययन कर सीवर स्ट्रक्चर तैयार कर सीवर संबंधित समस्याओं पर पूर्णतः सुधार करने की मांग की। निरीक्षण के दौरान रविंद्र डोबाल, संजय कुमार, गौरव पांडे व धर्मेंद्र कुमार आदि शामिल थे।

पहाड़ी से फिसलकर संविदा कर्मी की मौत

नैनीताल: गेठिया के आलूखेत निवासी 40 वर्षीय योगेश की बुधवार को पहाड़ी से फिसलकर मौत हो गई। परिजनों ने बताया कि योगेश घास काटने पहाड़ी पर गया था। जहां पैर फिसलने से वह गिर गया। परिजन उसे बीडी पांडे जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, यहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वह नगरपालिका में संविदाकर्मी के रूप में कार्यरत है। इमरजेंसी में मौजूद डॉ. मोनिका कांडपाल ने बताया कि योगेश की शव को पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी में रखा गया है।

चिंताजनक — पिछले कुछ वर्षों में मानसून की बारिश में आने लगी है कमी ,प्रदूषण की चपेट में पर्वतीय क्षेत्र

वायु प्रदूषण का मध्य हिमालय क्षेत्र में बड़ा असर

बबलू चंद्रा, नैनीताल

अमृत विचार: वायु प्रदूषण मध्य हिमालय क्षेत्र में तेजी से बढ़ा है, जिसका बड़ा असर मानसूनी बारिश पर देखने को मिला है, जिसके चलते मानसून की बारिश में कमी आने लगी है।

नैनीताल सरीखे ऊंचाई वाले पर्वतीय क्षेत्र प्रदूषण की चपेट में आने लगे हैं। इन क्षेत्रों का वातावरण तापमान निरंतर बढ़ रहा है और नमी की मात्रा में कमी आने लगी है। वायु प्रदूषण बढ़ने की असल वजह असीमित वाहनों की वृद्धि है तो पर्वतीय क्षेत्र के बड़े दायरे में कंक्रीट का निर्माण यहां के पर्यावरण को बुरी तरह से दूषित कर रहा है। जिस कारण नैनीताल में हिमपात विलुप्ति की ओर है और क्षेत्रीय मौसम में तेजी से बदलाव आ रहा है। शीत की बारिश पहले जैसी नहीं रह गई है तो अब मानसून की बारिश में कमी आना, बड़ी चिंता का विषय बन गया है।

जलवायु परिवर्तन के असर से मानसून शिफ्ट होने लगा है। जिन हिस्सों में नमी बढ़ी है, वहां बरसात की मात्रा में वृद्धि होने लगी है, जबकि नैनीताल में नमी में कमी आने से वर्षा में कमी आई है। पूरे देश में मानसूनी बारिश की बात करें तो मानसून पश्चिमी भारत की ओर शिफ्ट होने लगा है जिस कारण गुजरात व राजस्थान में मानसून की बारिश अधिक मात्रा में होने लगी है। चेरापूंजी में भी मानसूनी बारिश की कमी आने लगी है। मानसून के पैटर्न में बदलाव आने से हिमालय समेत उत्तर भारत में जलवायु परिवर्तन में असर आना लाजिमी है।

प्रदूषण अधिक तो पैटर्न में अधिक बदलाव : एरीज के वरिष्ठ वायुमंडलीय वैज्ञानिक डॉ. नरेंद्र सिंह कहते हैं कि वायु प्रदूषण एक ओर ग्लोबल वार्मिंग बढ़ा रहा है तो दूसरी ओर जलवायु परिवर्तन में तेजी आने लगी है। इसके प्रभाव से मानसून भी अछूता नहीं है। एरोसोल की मात्रा असंतुलित होने से वर्षा की बूंदों में बदलाव आया है। प्रदूषण उत्सर्जित करने वाले कारकों पर रोकथाम जरूरी है।

वर्षा को प्रभावित कर रहा एरोसोल

नैनीताल : सरोवर नगरी की मानसूनी वर्षा पर एरोसोल (रासायनिक तरल कण) बड़ा प्रभाव छोड़ रहे हैं, जिस कारण वर्षा कभी कम तो कभी अधिक हो रही है। वायु प्रदूषण बढ़ने के साथ ही एरोसोल की मात्रा में वृद्धि हो रही है। एरोसोल हवा में तैरने वाले तरल रासायनिक कण होते हैं। यह वर्षा के पैटर्न को प्रभावित करने में बड़ी भूमिका निभाते हैं। बादलों को बनने और वर्षा की बूंदों को छोटी या बड़ी बनाने मे सहायक होते हैं। यह प्राकृतिक वायु प्रदूषण से बनते हैं।

बदलने लगा वर्षा का स्वरूप

पिछले कुछ वर्षों से पर्वतीय क्षेत्रों में वायु प्रदूषण बढ़ने के साथ एरोसोल की मात्रा में वृद्धि होने लगी है, जिस कारण वर्षा का स्वरूप बदलने लगा है। एरोसोल की मात्रा असंतुलित होते ही कभी बारिश की मोटी बूंदे गिरने लगती हैं। इससे असंतुलित पर्यावरण का पता चलता है। नैनीताल की मानसूनी वर्षा में पिछले कुछ वर्षों से यह बदलाव देखने को मिल रहा है, जो एरोसोल के साथ ग्रीन हाउस गैसों के कारण बदल रहा है। पूर्व में यहां वर्षा की बूंदें लगभग एक समान रूप से बरसा करती थी। मगर अब वर्षा का पैटर्न इस कदर बदल चुका है कि पूर्व में जितनी बारिश पूरे दिन हुआ करती थी, अब उतना पानी चंद घंटों में बरस जाता है। प्रदूषण पर नियंत्रण जरूरी हो गया है।

क्या कहते हैं मानसूनी बारिश के आंकड़े

2015- 4229	2019- 1058	2023 - 1669	सिंचाई विभाग के 16 जून से 15 अक्टूबर तक 10 वर्षों के हैं)
2016- 2583	2020 - 1014	2024 - 1934	
2017- 2389	2021 - 1497	2025 - 245	
2018- 1663	2022 - 1669	(आंकड़े मिमी में,	

आज का मौसम

आसमान में धूप छांव के साथ बारिश होने की संभावना।

29.0°	25.0°
अधिकतम तापमान	न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 05.24	सूर्यास्त 19.12

रामबाग कॉलोनी की सड़क पर घुटनों तक पानी

बुधवार को हुई मूसलाधार बारिश से शहर के कई इलाकों में जलभराव से लोगों को हुईं दिक्कतें

संवाददाता, हल्द्वानी

रामपुर रोड से रामबाग कॉलोनी को जाने वाली सड़क पर घुटनों तक हुआ जलभराव। ● अमृत विचार

अमृत विचार : मूसलाधार बारिश ने शहर के ड्रेनेज सिस्टम की पोल खोल कर रख दी। रामपुर रोड से रामबाग कॉलोनी को जाने वाली सड़क में घुटनों तक पानी भर गया तो कैंसर अस्पताल से हीरा नगर में जलभराव में वाहन चालकों को वाहन संभालना मुश्किल हो गया। यही हालात शहर के ट्रांसपोर्ट नगर, मुखानी, जज फार्म आदि क्षेत्रों में भी हुए जहां लोगों को दिक्कतें झेलनी पड़ीं।

मौसम विभाग के ऑरेंज अलर्ट की पूर्वानुमान के अनुरूप बुधवार को सुबह से ही बारिश हुई। अलग-अगल स्पेल हुई मूसलाधार बारिश और नालियां चोक होने से कई इलाकों की सड़कें जलमग्न हो गईं। सबसे बदतर हालात रामपुर रोड स्थित एसकेएम स्कूल के पास से रामबाग कॉलोनी की सड़क के हुए, यहां नाली नहीं होने से सड़क पर घुटनों तक पानी भर गया। स्थानीय लोगों के मुताबिक, हर बार की तरह इस बार भी शुरुआती बारिश में ही लोगों को परेशानी झेलनी पड़ रही है।

कैंसर अस्पताल के सामने नाली चोक होने से सड़क पर जलभराव इतना ज्यादा हो गया कि कुछ देर के लिए यातायात भी बाधित रहा। स्थिति को संभालने के लिए नगर निगम की टीम को मौके पर बुलाया गया, जिसने नालियों की सफाई कर पानी की निकासी शुरू की। ट्रांसपोर्ट नगर और मुखानी जज फार्म में भी जलभराव ने घरों के सामने सड़क पर लोगों का आना-जाना मुश्किल हो गया। जलभराव से प्रभावित लोगों ने कहा कि यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाले दिनों में समस्या और गंभीर हो सकती है।

नगर आयुक्त ऋचा सिंह ने कहा कि शहर में जलभराव के रोकथाम के लिए पूर्व से ही सफाई अभियान चलाया जा रहा है। इसके बावजूद जिन क्षेत्रों में जलभराव की समस्या आ रही है, वहां तत्काल मौके पर टीम को भेजकर सफाई कराकर पानी की निकासी की जा रही है।

मानसून ने पकड़ा जोर तो हुई झमाझम बारिश

हल्द्वानी, अमृत विचार : मानसून ने एक बार फिर से जोर पकड़ लिया है। हल्द्वानी में बुधवार को जमकर बारिश हुई। मौसम विज्ञान केंद्र ने अनुमान जताया है कि अगले कुछ दिनों तक नैनीताल जिले में मानसून मजबूत रहेगा। शहर में सुबह से ही बारिश का दौर शुरू हो गया। दोपहर तक बारिश होती रही। करीब छह घंटे तक बारिश हुई और मौसम पूरी तरह से सुहावना हो गया। हल्द्वानी में 25 मिमी से ज्यादा बारिश दर्ज की गई है। सुबह के समय एक बार काफी तेज बारिश भी हुई। अधिकतम तापमान 28.1 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, गुरुवार को भी नैनीताल जिले में भारी बारिश होने का ऑरेंज अलर्ट है। 18 और 19 जुलाई को यलो अलर्ट है। इसके अलावा 20 जुलाई को नैनीताल, ऊधमसिंह नगर और चंपावत जिले में भारी बारिश होने की संभावना है। इस दिनों तीनों ही जिलों में ओरेंज अलर्ट जारी किया है।

एक नजर

रानीखेत निवासी युवती की हालत अभी भी गंभीर

हल्द्वानी : करीब पांच दिन पहले रानीखेत में एक परिवार ने बाजार से लिंगोड़ा सब्जी लाकर घर में बनाई। पूरे परिवार ने सब्जी को खाया, लेकिन सब्जी खाने के कुछ समय बाद वे लोग बीमार पड़ गए। इसके बाद उन्हें सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां परिवार के बाकी लोगों की स्थिति पूरी तरह से सामान्य है, लेकिन 21 साल की सविता का स्वास्थ्य ठीक नहीं था। उसे सोमवार को एसटीएच रेफर कर दिया गया। मंगलवार को उसकी स्थिति में सुधार आया था, लेकिन अब एक बार फिर से उसकी तबीयत खराब हो रही है। डॉक्टरों के अनुसार उसे वेंटीलेटर पर रखा गया है। परिवार के अन्य लोग ठीक हो चुके हैं।

बुधवार को हुई बारिश में साइकिल चलाते बच्चे। ● अमृत विचार

बारिश के बाद नैनीताल से 16 किमी दूर मंगोली के पहाड़ों में उठते कोहरे का नजारा। ● अमृत विचार

बारिश में आफत बना वायरल

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: बारिश के दिनों में मौसमी बीमारियों का दौर बढ़ जाता है। इन दिनों मलेरिया, डायरिया और वायरल फीवर जैसी बीमारियां बढ़ जाती हैं। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, मलेरिया और डायरिया से तो काफी राहत है, लेकिन वायरल फीवर तेजी के साथ बढ़ रहा है।

वायरल बुखार, जिसे वायरल संक्रमण के कारण होने वाला बुखार भी कहा जाता है, एक आम स्थिति है जो शरीर के तापमान में वृद्धि का कारण बनती है। यह आमतौर पर 3 से 7 दिनों तक रहता है, लेकिन कुछ मामलों में यह 14 दिनों तक भी रह सकता है। वायरल बुखार के बाद मरीज में बुखार, शरीर में दर्द, थकान, कमजोरी, सर्दी लगना, नाक बंद होना या बहना, गले में खराश और खांसी जैसे लक्षण दिखाई देते हैं। कुछ मामलों में मरीज को दस्त भी आते हैं। यह संक्रमण तेजी के साथ फैलता है। वायरल फीवर पीड़ित को तीन से चार दिनों तक घर में रहने की सलाह दी जाती है। यह बीमारी सामान्य तौर पर चार से पांच दिनों में सही हो जाती है। राहत की बात है कि बारिश के सीजन में अभी डेंगू के मरीज नहीं मिल रहे हैं। साथ ही मलेरिया का असर भी काफी कम हो गया है। राजकीय मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अरुण जोशी ने बताया कि मेडिसन विभाग की ओपीडी में ज्यादातर मरीज वायरल फीवर के ही हैं।

मौसम बन रहा वायरल फीवर का कारण

हल्द्वानी : जिला संक्रामक रोग विश्लेषक एनके कांडपाल ने बताया कि इन दिनों बारिश के समय मौसम ठंडा हो रहा है और जब बारिश रुक रही है तो मौसम गर्म हो रहा है। तेज धूप भी निकल रही है। इसलिए लोग इस समय फ्रिज में रखे पानी का भी इस्तेमाल कर रहे हैं और साथ ही एसी व कूलर का इस्तेमाल हो रहा है। इस तरह का मौसम और व्यवहार वायरल फीवर का कारण बनता है। यह तेजी के साथ फैलता है। इसलिए इसका प्रभाव ज्यादा देखा जा रहा है।

वायरल बुखार से बचाव

- भीड़भाड़ वाली जगहों से बचें।
- खांसते और छींकते समय अपने मुंह और नाक को ढकें।
- यदि आप बीमार हैं तो घर पर रहें।
- हाथों को समय-समय पर धोते रहें।
- पर्याप्त आराम करें और साफ भोजन खाएं।

आज ओपीडी में भीड़ होने का अनुमान

हल्द्वानी : बुधवार को हरेला पर्व होने की वजह से सरकारी अस्पतालों की ओपीडी बंद रही। साथ ही हरेला पर्व की वजह से इमरजेंसी में भी कम मरीज आए। ऐसे में अब अनुमान है कि गुरुवार को जब ओपीडी खुलेगी तो अस्पतालों में मरीजों की भारी भीड़ रह सकती है। इन दिनों सरकारी अस्पतालों में मेडिसन विभाग, त्वचा रोग विभाग, नेत्र रोग विभाग और हड्डी रोग विभाग में मरीजों की ज्यादा भीड़ लग रही है।

कैंसर अस्पताल के पीछे रोड पर सफाई करती नगर निगम की टीम। ● अमृत विचार

नैनी बैंड सैनिटोरियम बाईपास पर गिरा चीड़ का पेड़। ● अमृत विचार

पेड़ गिरने से बाईपास मार्ग बंद

भवाली : नैनी बैंड सैनिटोरियम बाईपास मार्ग में कुछ दिनों से बड़े-बड़े बोल्डर व मलबा आने से मार्ग पर आवागमन जोखिम भरा हो रहा था। अब सड़क पर चीड़ का पेड़ गिरने से मार्ग बंद हो गया है। इस वजह से वाहनों को वापस लौटना पड़ रहा है। बाईपास के दोनों छोरों को बंद भी नहीं किया गया है और न ही कोई चेतावनी बोर्ड लगा रखा है। बड़े-बड़े बोल्डर व मलबा गिरने से यहां हादसा होने की संभावना बनी हुई है।

सरोवर नगरी में भी रिमझिम बारिश

नैनीताल : सरोवर नगरी में बुधवार सुबह रिमझिम बारिश से मौसम सुहावना बना रहा। करीब एक घंटे की बारिश के बाद धूप खिली तो लोगों के चेहरे भी खिल उठे। दिन का अधिकतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। मौसम का मिजाज बिगड़ा हुआ नजर आ रहा था। सुबह करीब 11:30 बजे बारिश शुरू हो गई। बारिश का मिजाज एक घंटे तक बना रहा। वर्षा तेज तो नहीं हुई, अलबत्ता रिमझिम बारिश होती रही, जिसका सामान्य जनजीवन पर खास असर नहीं पड़ा। वर्षा रुकने के बाद धूप निकल आई। इसके बाद धूप-छांव का खेल पूरे दिन चला। हल्का कोहरा भी आता-जाता रहा, जिस कारण तापमान सामान्य बना रहा। इधर, नगर में सैलानियों की आमद बेहद कम हो चली है। जिससे पर्यटन स्थलों पर अधिकांश समय सुनसानी छाई रही। नौका विहार करने वाले सैलानी बहुत कम नजर आए। बाजारों की रौनक भी फीकी रही। जीआईसी मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, अधिकतम तापमान 27 व न्यूनतम 22 डिग्री सेल्सियस रहा। आद्रता अधिकतम 95 व न्यूनतम 60 प्रतिशत रही। बारिश 10 मिमी दर्ज की गई।

नाबालिग चला रहा था वाहन पिता पर हुई एफआईआर

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

● **लापरवाह चालकों के 6 वाहन सीज, 14 के लाइसेंस निरस्त**

अमृत विचार : यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ जिला पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने एक नाबालिग वाहन चालक के पिता पर एफआईआर दर्ज की है और नशे की हालत में कार लहराने वाले को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने ऐसे कुल 462 वाहन चालकों पर कार्रवाई करते हुए 6 वाहन सीज किए और 14 के डीएल निरस्तीकरण की रिपोर्ट भेजी।

एसएसपी प्रह्लाद नारायण मीणा के निर्देश पर पुलिस ने पूरे जिले में अभियान चलाया और लापरवाह वाहन चालकों से 1,51,000 रुपये जुर्माना वसूला। चौकी मल्ला काठगोदाम प्रभारी दिलीप कुमार ने चेकिंग के दौरान एक स्कूटी को रोका। स्कूटी को नाबालिग चला रहा था और पीछे बैठे युवक ने हेलमेट भी नहीं लगाया था। इस पर पुलिस ने वाहन स्वामी नाबालिग के पिता के खिलाफ मुकदमा दर्ज करते हुए स्कूटी सीज की और 33,500 रुपए का कोर्ट चालान किया। भीमताल थानाध्यक्ष विमल मिश्रा ने चेकिंग के दौरान सूर्य प्रताप सिंह निवासी मल्लीताल को गिरफ्तार किया। सूर्य प्रताप सिंह नशे की हालत में कार को बेहद तेजी से और लहराते हुए चला रहा था। कार को पुलिस ने सीज कर दिया है।

10 पेटी अंग्रेजी और देसी शराब के साथ चार गिरफ्तार

हल्द्वानी : आचार संहिता में नशा तस्करों के खिलाफ पुलिस का तोबड़तोड़ अभियान जारी है। रामनगर, काठगोदाम और बेतालघाट पुलिस ने अलग-अलग मामलों में चार तस्करों को गिरफ्तार किया है और उनके पास से अंग्रेजी और देसी शराब बरामद की है।

काठगोदाम थानाध्यक्ष पंकज जोशी के नेतृत्व में टीम ने गौला पुल रोड के पास चेकिंग के दौरान जांच के लिए एक ई-रिक्शा को रोका। पुलिस ने ई-रिक्शा से अंग्रेजी शराब की 7 पेटियां बरामद की। जिसके बाद पुलिस ने ई-रिक्शा चालक पटरानी खन्स्यू निवासी देव सिंह को गिरफ्तार किया। वहीं रामनगर कोतवाल अरुण सैनी और उनकी टीम ने 3 पेटी अंग्रेजी शराब के साथ सुमित वर्मा निवासी ख्य्याम बार और आनन्द निवासी रानीखेत को गिरफ्तार किया। जबकि बेतालघाट थानाध्यक्ष अनीश अहमद ने त्रिलोक चंद्र निवासी दनखौरी ऊंचाकोट को घिरौली पुल के पास से 98 टेट्रा पैक देसी शराब के साथ पकड़ा।

हादसे में स्कूटी सवार की मौत, पत्नी व बच्चे घायल

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

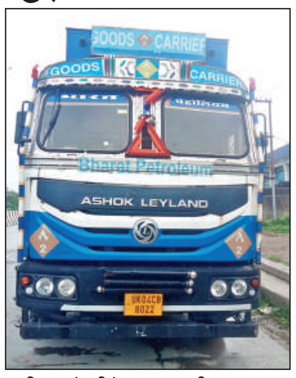

इसी ट्रक के नीचे आया स्कूटी सवार युवक।

अमृत विचार: हरेला मनाने के लिए परिवार के साथ ससुराल के लिए निकले स्कूटी सवार को ट्रक ने कुचल दिया। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। स्कूटी पर सवार उसकी पत्नी व दो छोटे बच्चे घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

मूलरूप से स्यूड़ा हैड़ाखान के रहने वाले कन्नू सिंह सम्मल (31 वर्ष) पुत्र राम सिंह सम्मल गौलापार स्थित देवला तल्ला पजाया बागजाला में बूढ़ी मां, पत्नी ममता (26), बेटी गौरी (11 वर्ष) व बेटे रुद्रांश (7 वर्ष) के साथ रहते थे। कानू का ससुराल किच्छा में है। बुधवार को कन्नू, ममता, गौरी और रुद्रांश स्कूटी पर सवार होकर किच्छा के लिए निकल पड़े। स्कूटी सवार परिवार अभी गोरापड़ाव स्थित चंद्रावती इंटर कॉलेज पहुंचा था कि तभी पीछे से आए तेज रफ्तार भारत पेट्रोलियम के ट्रक ने स्कूटी में पीछे से टक्कर मार दी। घटना के बाद पत्नी व बच्चे सड़क के बाईं ओर गिर गए और कन्नू बाईं ओर ट्रक की तरफ गिर गया। कन्नू का सिर ट्रक के पहिये के नीचे आ गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। मौके पर पहुंची मंडी चौकी पुलिस ने एंबुलेंस से घायलों को अस्पताल और शव को पोस्टमार्टम हाउस भेजा। हादसे में गौरी का पैर फ्रैक्चर हो गया और रुद्रांश व ममता घायल हो गए हैं। कोतवाल राजेश यादव ने बताया कि ट्रक को कब्जे में ले लिया गया है। घटना के कारणों की जांच की जा रही है। तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज किया जाएगा।

हेलमेट भी नहीं बचा सका जान

जिस स्कूटी बपर परिवार सवार था, उसे कन्नू ने एक माह पहले ही खरीदा था। घटना के वक्त स्कूटी सवारों को पता ही नहीं लगा कि हुआ क्या। संभले तो सभी सड़क पर इधर-उधर पड़े थे। ममता की नजर पति कन्नू पर पड़ी तो पति का कुचला सिर देखकर वह सदमे में चली गई। पोस्टमार्टम हाउस में चिकित्सक भी हैरान थे। कन्नू ने हेलमेट तो लगाया था, लेकिन वह उसकी जान नहीं बचा सका। ट्रक के पहिये के नीचे पर आने पर हेलमेट चकनाचूर होकर कन्नू के सिर में घुस गया था। हेलमेट के टुकड़ों को सिर से निकालने में चिकित्सकों को भी काफी मुश्किल हुई।

बंद नहीं हुआ हादसों का कट तो होगा आंदोलन

हल्द्वानी : गोरापड़ाव क्षेत्र के समाजसेवी गोपाल अधिकारी ने कहा कि गोरापड़ाव में बना उक्त बेतरतीब कट यथाशीघ्र बंद किया जाए, अन्यथा ग्रामीण उग्र आंदोलन करने पर बाध्य हो जाएंगे। प्रांतीय उद्योग व्यापार मंडल मोटाहल्दु के अध्यक्ष संदीप पांडे ने चेतावनी दी है कि हाईवे द्वारा तीनपानी से हल्दूचौड़ के बीच जगह-जगह बनाए गए बेतरतीब कट बंद नहीं किया तो व्यापारी एवं ग्रामीण उग्र आंदोलनशुरू करेंगे। वहीं स्यूड़ा निवासी समाजसेवी मंजू भट्ट ने भी परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए हर संभव मदद का भरोसा दिया है।

तैयारी | प्रशासन ने सर्वे के बाद अतिक्रमणकारियों को दिए थे नोटिस, तकनीकी सर्वे पूरा होने का इंतजार

कलसिया नाले में जीआईएस मैपिंग के बाद लगेंगे लाल निशान

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

काठगोदाम स्थित कलसिया नाला जिस पर जीआईएस मैपिंग की जा रही है। ● अमृत विचार

अमृत विचार : कलसिया नाले की जीआईएस मैपिंग इस सप्ताह पूरे होने के आसार हैं। संभावना है कि इसके बाद कलसिया में चिन्हित अतिक्रमणों पर लाल निशान लगाना शुरू हो जाएगा।

कलसिया नाला मानसून में हर वर्ष तबाही मचाता है। वर्ष 2021 और 2023 में हुई अतिवृष्टि में कलसिया ने रौद्र रूप दिखाया था। दर्जनों घरों में मलबा व पानी घुस गया है। इसके बाद प्रशासन को नगर निगम इंटर कॉलेज काठगोदाम में राहत शिविर कैंप बनाकर प्रभावितों को वहां रखा था। इस समस्या से निजात के लिए प्रशासन ने कलसिया नाले के लिए भी कार्ययोजना बनाई। इसके अंतर्गत सर्वप्रथम सिंचाई विभाग से नाले का चैनलाइजेशन करवाया गया। इसके तहत बोल्डर व मलबा नाले के दोनों किनारों पर निस्तारित किया गया ताकि पानी निकासी को रास्ता मिल सके। इसके बाद नाले में अतिक्रमण का सर्वे किया गया। शुरुआती चरण में लगभग पांच दर्जन से अधिक अतिक्रमण नाले में चिन्हित किए गए थे। अब नाले का तकनीकी सर्वे व जीआईएस मैपिंग की जा रही है। प्रशासन का दावा है कि इस सप्ताह में जीआईएस मैपिंग पूरी हो जाएगी। फिर अतिक्रमणकारियों को नोटिस जारी किए जाएंगे और नोटिसों पर आपत्तियां सुनी जाएंगी। आपत्तियां सुनने के बाद नाले में फील्ड निरीक्षण के बाद लाल निशान लगाए जाएंगे। यह प्रक्रिया भी मानसून में शुरू होने के आसार है। प्रशासन नाले में अतिक्रमण के स्थायी समाधान के लिए भी योजना बना रहा है।

> कलसिया नाले का फील्ड सर्वे पूरा हो गया है। अब नाले में जीआईएस मैपिंग की जा रही है। संभावना है कि इस सप्ताह तक जीआईएस मैपिंग पूरी हो जाएगी। फिर तकनीकी सर्वे के बाद विधिक प्रक्रिया के तहत स्थलीय निरीक्षण कर अतिक्रमण चिन्हित किया जाएगा।
> -**नवाजिश खलीक**, एसडीएम नैनीताल

होटल में मिला प्रेमी जोड़ा जमकर हंगामा हुआ

हल्द्वानी, अमृत विचार : भोटियापड़ाव चौकी क्षेत्र में बुधवार की दोपहर जमकर हंगामा हुआ। हंगामे की वजह होटल में प्रेमी जोड़ा था, जो अक्सर होटल में मिलने आता था। घटना स्थल के आस-पास रहने वालों को मुताबिक ठंडी सड़क स्थित गली में एक होटल है, जिसे मानकों के विरुद्ध बनाया गया। इस पर बुधवार को लोगों का गुस्सा भड़क गया और लोगों ने हंगामा शुरू कर दिया। इसकी सूचना पर कोतवाल राजेश यादव मौके पर पहुंच गए। उन्होंने युवक-युवती के दस्तावेज जांचे तो वह बालिग मिले। लोगों का आरोप है कि उक्त होटल में युवक-युवती अक्सर आते हैं, इससे क्षेत्र का माहौल खराब हो रहा है। साथ ही होटल मानकों को ताक पर रखकर बनाया गया है। कोतवाल राजेश कुमार यादव ने बताया कि लोगों को समझा कर शांत कराया। युवक-युवती बालिग थे, उनका पुलिस एक्ट व होटल का कोर्ट चालान किया गया है।

दमुवाढूंगा में मित्र कॉलोनी में दिखा गुलदार, दहशत

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : दमुवाढूंगा के मित्र कॉलोनी में रात को सड़क पर गुलदार घूमता दिखाई दिया। इससे लोगों में दहशत का माहौल है।

दमुवाढूंगा के मित्र कॉलोनी निवासी मान सिंह ने बताया कि वह रात को लगभग 11 से 11:30 बजे के बीच काम निबटा कर घर जा रहे थे। वह घर के पास पहुंचे तो सड़क पर एक जानवर दिखाई दिया। पहले तो उन्होंने आवारा पशु समझा लेकिन जब वह नजदीक पहुंचे तो गुलदार साफ दिखाई दिया। गनीमत यह रही कि गुलदार की दिशा दूसरी तरफ थी। उन्होंने तुरंत परिचितों को फोन किया। तब लोग हाथों में टॉर्च व डंडे लेकर मौके पर पहुंचे फिर वह घर तक पहुंचे। आबादी के बीचोबीच गुलदार के दिखने से लोगों में दहशत का माहौल है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि क्षेत्र में कई लोग निजी संस्थानों में काम करते हैं और देर रात घर वापसी होती है। अब सड़क पर गुलदार दिखने के बाद से उनमें दहशत का माहौल है। वे डर-डर कर सतर्कता से घर की ओर जा रहे हैं। रामनगर वन डिवीजन के डीएफओ दिगंथ नायक ने बताया कि उक्त क्षेत्र में वन टीमों को गश्त करने के निर्देश दिए हैं। लोगों से भी अपील है कि रात्रि को जरूरी काम होने पर ही घर से निकलें और पर्याप्त रोशनी जरूर कर लें।

सार-संक्षेप

हनुमान मंदिर में मौजूद पूर्व मुख्यमंत्री भगत सिंह कोश्यारी। ● अमृत विचार

हनुमान मंदिर में भी मनाया गया हरेला पर्व

भीमताल : रामलीला मैदान में स्थित श्री हनुमान जी मंदिर में बुधवार को वैदिक परंपरा एवं मंत्रोच्चारण के साथ हरेला पर्व मनाया गया। कार्यक्रम में महाराष्ट्र के पूर्व राज्यपाल एवं उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री भगत सिंह कोश्यारी मौजूद रहे। इस दौरान संदीप पांडे, राजेश सांगुड़ी, प्रकाश कनौजिया, प्रदीप पाठक, पंकज जोशी, नीतीश बिष्ट, दीपक पांडे, मनोज भट्ट आदि मौजूद रहे।

हृदयगति रुकने से व्यापारी संजीव का निधन

लालकुआं : नगर के वरिष्ठ समाजसेवी एवं प्रसिद्ध व्यापारी संजीव चौधरी का हृदयगति रुकने से निधन हो गया। उनके निधन का समाचार सुनते ही परिवार में कोहराम मचा हुआ है। नगर के वार्ड नंबर 5 निवासी होली ट्रिनिटी सीनियर सेकेंडरी स्कूल के स्वामी एवं नगर के वरिष्ठ समाजसेवी संजीव चौधरी का 60 वर्ष की आयु में दिल्ली में हृदयगति रुकने से निधन हो गया। वह दिल्ली के निजी अस्पताल में पित्त की थैली का ऑपरेशन कराने गए थे। जांच की प्रक्रिया से गुजरने के दौरान अचानक उन्हें हृदयाघात हुआ। संजीव चौधरी अपने पीछे पत्नी और पुत्र पुत्री समेत भरा पूरा परिवार छोड़ गए हैं। गुरुवार को उनका अंतिम संस्कार होगा।

तीन को हल्द्वानी में होगा देहदान जागरुकता कार्यक्रम

रामनगर : सामाजिक कुरीतियों व अंधविश्वास के खिलाफ अलख जगा रहे साइंस फॉर सोसाइटी (यूनाइटेड) के तत्वावधान में द्वितीय देहदान जागरुकता कार्यक्रम तीन अगस्त को हल्द्वानी के नगर निगम सभागार में आयोजित किया जाएगा। सोसाइटी द्वारा इससे पूर्व सितंबर 2024 में रामनगर में देहदान जागरुकता कार्यक्रम आयोजित कर 10 महिलाओं सहित 28 लोगों से मरणोपरांत देहदान संकल्प पत्र भरवाया गया था। पंपापुरी में आयोजित सोसाइटी कार्यकर्ताओं की बैठक में प्रवक्ता गिरीश आर्य ने बताया कि सोसाइटी द्वारा लंबे समय से समाज में व्याप्त अंधविश्वास व कुरीतियों के खिलाफ जनजागरण अभियान चलाते हुए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता रहा है। मौजूदा समय में मेडिकल कॉलेज में चिकित्सा की पढ़ाई कर रहे विद्यार्थियों को शोध के लिए मानव शरीर की आवश्यकता होती है। उन्होंने बताया कि समाज को कुशल चिकित्सक देने के लिए चिकित्सा क्षेत्र के विद्यार्थियों को मानव शरीर संरचना का पूरा ज्ञान होना आवश्यक है। बैठक में मदन सिंह मेहता, उषा पटवाल, जमन राम, हेम चंद्र आर्य और वीर सिंह मौजूद रहे।

कार्यक्रम में मौजूद इनरव्हील क्लब की सदस्याएं। ● अमृत विचार

इनरव्हील क्लब ने 75 बच्चों को परोसा खाना

रामनगर : इनरव्हील क्लब की अध्यक्ष निधि जिंदल के नेतृत्व में क्लब की सदस्याएं माता अन्नपूर्णा का स्मरण करते हुए खाद्य सामग्री लेकर जेएस आर स्कूल गई। यहां उन्होंने 75 बच्चों का खाना बनाया और उन्हें अपने हाथों से परोसा। खाना खिलाने के बाद बच्चों के साथ केक काटकर गेम खेले और नृत्य भी किया। बच्चों को चॉकलेट भी दी गई। इस दौरान माता से प्रार्थना की गई कि किसी भी प्राणी को कभी भी भोजन की कमी न होने पाए। इससे पूर्व सदस्यों ने अन्नपूर्णा दिवस डिजिटल दादी अभियान के अंतर्गत बुजुर्ग महिलाओं को स्मार्टफोन चलाना कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में सचिव दीप्ति गोयल, सहसचिव नीरू अग्रवाल, आईएसओ रजनी अग्रवाल, एडिटर सीमा जिंदल आदि मौजूद रहीं।

दांव पर जिंदगी: लकड़ी के अस्थायी पुल पर झूल रहीं विकास की उम्मीदें

रामपुर गांव के ग्रामीण जिंदगी दांव पर लगाकर कालिगाड़ नदी पार करने को मजबूर

संवाददाता,रामनगर

लकड़ी के अस्थायी पुल से गुजरते ग्रामीण। ● अमृत विचार

अमृत विचार: रामनगर से महज 27 किलोमीटर दूर बसे पाटकोट गांव से करीब 2-3 किलोमीटर आगे स्थित रामपुर गांव के लोगों की किसी ने भी कोई सुध नहीं ली। इस गांव के करीब 800 ग्रामीण रोजमर्रा अपनी जिंदगी को दांव पर लगाकर कालिगाड़ नदी को पार करने को मजबूर हैं। बरसात आते ही यह समस्या विकराल रूप ले लेती है। गांव को जोड़ने वाला एकमात्र रास्ता इस नदी के ऊपर बना लकड़ी का अस्थायी पुल है। जिसे ग्रामीण हर बरसात के बाद खुद मरम्मत करते हैं, लेकिन यह पुल न तो सुरक्षित है और न ही स्थाई। फिसलन भरे इस पुल से अब तक कई ग्रामीण गिरकर गंभीर रूप से घायल हो चुके हैं।

स्कूली बच्चों की डगर भी भारी: गांव के बच्चे राजकीय इंटर कॉलेज पाटकोट में पढ़ने के लिए इसी लकड़ी के पुल को रोजाना पार करते हैं। अभिभावक कहते हैं कि बरसात के दिनों में पुल पर फिसलन इतनी बढ़ जाती है कि कई बार डर के कारण बच्चों को स्कूल छोड़ना पड़ता है। कई अभिभावकों को हर सुबह यही चिंता सताती है कि कहीं उनका बच्चा इस पुल से गिर न जाए। ग्रामीणों का कहना है कि राशन की दुकानें भी पाटकोट में हैं। उन्हें रोजमर्रा की जरुरतों के लिए भारी सामान सिर पर उठाकर इसी पुल से पार करना पड़ता है। बारिश के मौसम में यह काम और भी खतरनाक हो जाता है। इतना ही नहीं कई बार बीमार मरीजों को रामनगर के अस्पताल ले जाने के लिए इसी जर्जर पुल से गुजारना पड़ता है। क्षेत्र के महेश चंद्र, छात्र यशपाल आर्या, शिक्षिका-हंशी रावत, अमृता सिंह सरकार और प्रशासन से अपील की है कि उनकी जिंदगी के इस सबसे अहम मुद्दे को हल किया जाए। उनका कहना है कि यह सिर्फ एक पुल नहीं, बल्कि सैकड़ों लोगों की जिंदगी से जुड़ा मामला है। एक शिक्षिका ने बताया कि सोचिए उस महिला की हालत क्या होती होगी, जिसे डिलीवरी के लिए इस पुल से गुजारकर अस्पताल ले जाया जाता है। ग्रामीणों ने बताया कि अब तक दो बार बाइक सवार नदी पार करते समय बह चुके हैं। हालांकि सौभाग्यवश उनकी जान बच गई।

> मामला उनके संज्ञान में आ चुका है। उन्होंने संबंधित अधिकारी को निर्देश दिए हैं कि पुल का एस्टीमेट तैयार कर प्रस्ताव भेजा जाए। अगर पहले से प्रस्ताव भेजा गया है तो उसकी स्थिति और अड़चनों की जानकारी भी दी जाए। साथ ही उन्होंने यह भी आश्वस्त किया कि जब तक पक्का पुल नहीं बनता, तब तक लोक निर्माण विभाग की मदद से वर्तमान लकड़ी के पुल की मरम्मत कराई जाएगी, ताकि लोगों को असुविधा न हो। **-प्रमोद कुमार**, उप जिला अधिकारी, रामनगर

मेधावी छात्रा को सम्मानित करते विधायक दीवान सिंह बिष्ट व अन्य। ● अमृत विचार

पर्वतीय सभा ने मेधावी विद्यार्थी सम्मानित किए

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार: पर्वतीय सभा लखनपुर द्वारा समिति के परिसर में मेधावी सम्मान समारोह में हाईस्कूल एवं इंटर में मेरिट में आए विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान आयुष म्यूजिक एंड डांस एकेडमी के बाल कलाकारों ने पर्वतीय संस्कृति पर आधारित लोक गीतों एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शानदार प्रस्तुति से लोगों की खूब वाहवाही बटोरी। इससे पूर्व पर्वतीय सभा लखनपुर में सभा के अध्यक्ष ललित मोहन जोशी की अध्यक्षता एवं महामंत्री जितेंद्र बिष्ट के संचालन में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि विधायक दीवान सिंह विष्ट, विशिष्ट अतिथि गिरीश चंद्र पंत ने किया।

विधायक दीवान सिंह बिष्ट ने मेधावी बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना की। नगर क्षेत्र के हाईस्कूल एवं इंटर के मेधावी छात्रों को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में जगदीश कुमार मासीवाल, एडवोकेट बालम सिंह बिष्ट, बचे सिंह डंगवाल, नवीन तिवारी, जेसी लोहनी, हेमचंद पांडे, पंकज सत्यवाली, प्रभात ध्यानी, सभासद नवीन सुनेजा, सचिन कुमार, पूरन पांडे, प्रदीप पांडे, प्रकाश पांडे, रेनू जोशी, भावना भट्ट, एडवोकेट पीएस बोला, गौरव तिवारी, नवेंदु जोशी व कैलाश छिम्वाल आदि मौजूद रहे।

मगरमच्छों का आतंक आंदोलन की चेतावनी

संवाददाता, लालकुआं

अमृत विचार: बिंदुखत्ता के घोड़ानाला में मगरमच्छों के आतंक से निजात दिलाने व नाले को अंडरग्राउंड करने की मांग को लेकर किसान महासभा का बैठकों का दौर जारी है। जिसके तहत किसान नेताओं ने समस्या का शीघ्र निराकरण न होने पर आगामी 4 अगस्त को जन आंदोलन की चेतावनी दी है।

पूर्वी घोड़ानाला क्षेत्र में संपन्न किसान महासभा की बैठक में ग्रामीणों ने कहा कि घोड़ानाला क्षेत्र में पिछले 6 माह से मगरमच्छों का जबरदस्त आतंक व्याप्त है। जिसकी शिकायत उन्होंने वन विभाग के अधिकारियों से भी की, लेकिन समस्या जस की तस बनी हुई है। किसान महासभा के जिला अध्यक्ष भुवन जोशी ने कहा कि समस्या के लिए जनसंघर्ष को तेज किया जाएगा। भाकपा माले के जिला सचिव डॉ. कैलाश पांडेय ने कहा कि क्षेत्रवासियों की घोड़ानाला को भूमिगत करने की मांग को लगातार नजर अंदाज किया जा रहा है, जबकि बिंदुखत्ता की जनता के आंदोलन के बाद प्रशासन ने सेंचुरी द्वारा प्रदूषित किए गए नाले को भूमिगत किए जाने की कार्ययोजना बनाई गई थी। विमला रौथाण ने चेतावनी दी अगर शीघ्र समस्याओं का निराकरण नहीं हुआ 4 अगस्त को तहसील परिसर में धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। बैठक की अध्यक्षता वरिष्ठ नेता गोविन्द सिंह जीना ने की। बैठक में पुष्कर दुबड़िया, बिशनदत्त जोशी, पूर्व सैनिक हरीश रौतेला, राजेंद्र सिंह तुलेरा, निर्मला आदि मौजूद रहे।

नुमाइश के विरोध में उक्रांद का धरना-प्रदर्शन रहा जारी

हल्द्वानी : उत्तराखंड क्रांति दल का एमबी इंटर कॉलेज में प्रस्तावित नुमाइश के विरोध में धरना बुधवार को लगातार 10वें दिन भी जारी है। चेतावनी दी कि नुमाइश नहीं लगने दी जाएगी। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने मांग के समर्थन में नारेबाजी भी की। एमबी इंटर कॉलेज गेट पर पार्षद रवि वाल्मीकि के नेतृत्व में क्षेत्रवासियों ने धरना दिया। पार्षद ने कहा कि किसी भी कीमत पर नुमाइश नहीं लगने दी जाएगी। उक्रांद के केंद्रीय महामंत्री सुशील उनियाल ने कहा कि दो-दो अस्पताल होने के बाद भी खेल के मैदान को रुपया कमाने का अड्डा बना दिया गया है। नुमाइश के बाद क्षेत्र की तीन-चार सड़कों पर जाम का झाम रहता है। नगर अध्यक्ष हरीश जोशी ने कहा कि नुमाइश के विरोध में आंदोलन तेज किया जाएगा। जब तक नुमाइश बंद नहीं हो जाती तब तक आंदोलन चालू रहेगा। प्रदर्शन करने वालों में रितेश संभल, हेमा सती, पूजा सती, प्रेम बोरा, भावना शर्मा, गुंजन किशोर रावत, प्रेम वाल्मीकि, जीवन मनराल, निशांत, विशाल, हर्ष राजौर, प्रिंस, रेशु राही, केतन, अनु औवंश आदि मौजूद रहे।

साइकोट्रॉपिक दवाओं के बिलों को लेकर मेडिकल स्टोर पर छापा

संवाददाता, हल्द्वानी

मेडिकल स्टोर का निरीक्षण करती संयुक्त टीम। ● अमृत विचार

अमृत विचार: डॉ. सुशीला तिवारी अस्पताल के एक मेडिकल स्टोर पर नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो देहरादून और औषिध विभाग हल्द्वानी ने संयुक्त तौर पर कार्रवाई की। विभागों को शिकायत मिली थी कि यहां पर साइकोट्रापिक दवाओं की बिक्री मानकों के अनुसार नहीं की जा रही है।

साइकोट्रॉपिक दवाएं आमतौर पर मानसिक बीमारियों के इलाज के लिए उपयोग की जाती हैं और मस्तिष्क और तंत्रिका तंत्र की रासायनिक संरचना को प्रभावित करती हैं। अवसाद, भय, चिंता, अनिद्रा, पेनिक अटैक जैसी बीमारियों में इन दवाओं का इस्तेमाल होता और ये दवाएं केवल डॉक्टर के पर्चे पर ही मिलतीं हैं। साथ ही मेडिकल स्टोर स्वामी को इन दवाओं की खरीद और बिक्री का पूरा हिसाब रखना होता है। नारकोटिक्स विभाग देहरादून और औषधि विभाग हल्द्वानी को शिकायत मिली कि डॉ. सुशीला तिवारी अस्पताल के पास एक मेडिकल स्टोर पर साइकोट्रॉपिक दवाओं को मानकों के अनुसार नहीं बेचा जा रहा है। बुधवार को अचानक संयुक्त टीम मेडिकल स्टोर पर पहुंची और यहां बिलों की जांच की गई। अधिकारियों का कहना है कि बिलों का सत्यापन किया गया है। मेडिकल स्टोर पर फिलहाल सबकुछ ठीक मिला है। कार्रवाई में औषिध निरीक्षक मीनाक्षी बिष्ट, एनसीबी इंस्पेक्टर देहरादून मनोज बिष्ट और कविंदर सिंह आदि थे।

बरेली इंटरनेशनल विश्वविद्यालय
प्रवेश प्रक्रिया प्रारम्भ सत्र : 2025-26
Accreditations, Affiliations & Approvals
प्रस्तुत पाठ्यक्रम
CUET (UG/PG) स्कोर स्वीकृत और CUET (UG/PG)-2025 में सूचीबद्ध
मेडिकल साइंसेस
एमएससी मेडिकल (एनाटॉमी/बायोकेमिस्ट्री/माइक्रोबायोलॉजी/फार्माकोलॉजी/फिजियोलोजी)
डेंटल साइंसेस
डिप्लोमा-डेंटल हाइजिनिस्ट/डिप्लोमा-डेंटल मैकेनिक्स
नर्सिंग विज्ञान
एएनएम/जीएनएम/बीएससी नर्सिंग/पोस्ट बेसिक बीएससी नर्सिंग/नर्स प्रक्टिशनर इन क्रिटिकल केयर (NPCC)/ एमएससी नर्सिंग (मेडिकल सर्जिकल/चाइल्ड हेल्थ/कम्युनिटी हेल्थ/मेंटल हेल्थ/अब्स्टेट्रिक्स एवं गायनेकोलॉजिस्ट)
फार्मेसी
डी.फार्म/बी.फार्म/एम.फार्म (फार्माकोलॉजी, फार्मास्यूटिक्स, फार्मासियूटिकल कैमिस्ट्री, फार्माकॉगनॉसी)
पैरामेडिकल साइंसेस
डिप्लोमा इन मेडिकल लैब तकनीशियन (DMLT)/डिप्लोमा इन एक्स-रे तकनीशियन/डिप्लोमा इन डायलिसिस तकनीशियन/डिप्लोमा इन इमरजेंसी एण्ड ट्रामाकेयर/डिप्लोमा इन एम आर आई तकनीशियन/डिप्लोमा इन रेडियोथेरेपी तकनिशियन (DRIT)/ बैचलर इन ऑप्रेशन थियेटर टेक्नोलॉजी (BOTT)/बैचलर इन फिजियोथेरेपी (BPT)/ बैचलर इन मेडिकल लेबोरेटरी टेक्नोलॉजी (BMLT)/बैचलर ऑफ रेडियोलॉजी एंड इमेजिंग टेक्नोलॉजी (BRIT)/बीएससी (ऑप्टोमेट्री)/एमएससी क्लीनिकल एम्ब्र्योलॉजी/ एम.एससी इन मेडिकल लैबोरेट्री सांइस (MMLS)/ मास्टर्स इन फिजीयोथेरेपी (MPT)
फोरेंसिक साइंसेस
बीएससी फोरेंसिक विज्ञान, एमएससी फोरेंसिक विज्ञान
मैनेजमेंट एंड कॉमर्स
बी.कॉम (ऑनर्स)/बीबीए (Finance & Texation)/बीसीए/(आईटी और मल्टीमीडिया)/ एम.कॉम (ऑनर्स)/ मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (MBA)/मास्टर ऑफ हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन (MHA)/मास्टर ऑफ पब्लिक हेल्थ (MPH)
ह्यूमैनिटीज एंड जर्नलिज्म
बी.ए (पत्रकारिता)/बी.ए (जनसंचार)/एम.ए (अंग्रेजी)/एम.ए (मनोविज्ञान)/एम.ए (पत्रकारिता)/एमए (जनसंचार)
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें - 9105500202, 9105500404, फोन-0581-2526153, 051, 053
पता : एडमिशन सेल, एडमिनिस्ट्रेटिव ब्लॉक, बरेली इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज कैंपस, बरेली, पिन कोड-243006 (यू.पी.)
Website : www.biu.edu.in, E-mail : admission@biu.edu.in

श्री सनातन धर्म संस्कृत महाविद्यालय में किताबों का पूजन करते आयोजक।

पुस्तकालय का विधि-विधान से किया उद्‌घाटन

हल्द्वानी : भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद चेन्नई (रजि) के हल्द्वानी चैप्टर ने श्री सनातन धर्म संस्कृत महाविद्यालय में ज्योतिष विषयक से संबंधित पुस्तकों एवं पुस्तकालय का वैदिक विधि विधान से उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्राचार्य मनोज कुमार पांडेय ने कहा कि ज्योतिष विद्या एक अथाह सागर है, इसके अध्ययन की कोई सीमा नहीं है। कार्यक्रम अध्यक्ष ज्योतिष अशोक वार्ष्णेय ने कहा कि ज्योतिष समाज को राह दिखाने का प्रयास करती है। चैप्टर चेयरमैन जगतप्रकाश त्रिपाठी ने बताया कि हल्द्वानी में यह पहला चैप्टर है, जो जनवरी 2024 से शुरू हुआ था। भारत में इस समय साठ चैप्टरों में ज्योतिष का अध्ययन कराया जा रहा है। इस वर्ष हल्द्वानी में ज्योतिष विद्या सिखाने के लिए लगभग चालीस हजार रूपये की पुस्तकों की व्यवस्था की गई है। कार्यक्रम में अनेक अतिथियों के साथ साथ विद्यालय के छात्र मौजूद रहे।

लापता छात्र हरिद्वार से हुआ बरामद

हल्द्वानी अमृत विचार: संस्कृत महाविद्यालय के छात्रावास से 11 जुलाई से लापता 11वीं कक्षा के छात्र को हरिद्वार से बरामद कर लिया गया। कोतवाल राजेश यादव ने बताया कि बुधवार सुबह शिव मूर्ति चौक से पुलिस ने छात्र को पकड़ा। पूछताछ में छात्र ने बताया कि वह कुछ दिनों से महाविद्यालय नहीं जा रहा था और फटकार के डर से हॉस्टल छोड़कर चला गया था। पुलिस के मुताबिक छात्र की लगातार बदलती मोबाइल लोकेशन ने तलाश में काफी चुनौतियां खड़ी कीं। पहले उसकी लोकेशन हरिद्वार, फिर देहरादून, सहारनपुर और दिल्ली में पाई गई। हालांकि परिजनों से फोन पर बातचीत में छात्र ने खुद को सुरक्षित बताया था। छात्र को पुलिस ने परिजनों के सुपुर्द कर दिया है।

रोडवेज स्टेशन में नाराजगी जतातीं महिलाएं।

रोडवेज का पानी मोहल्ले में आने पर भड़कीं महिलाएं

रामनगर : रोडवेज से सटे क्षेत्रों में रोडवेज स्टेशन का पानी भरने से गुस्साईं महिलाओं ने जमकर हंगामा किया। वर्तमान में रोडवेज स्टेशन के निर्माण का कार्य चल रहा है। महिलाओं का आरोप है कि स्टेशन का पानी मोहल्ले की सड़कों पर जा रहा है। इस वजह से आवाजाही में दिक्कत हो रही है। उन्होंने समस्या का जल्द निस्तारण नहीं होने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी दी है। बुधवार को एक दर्जन से अधिक महिलाएं रोडवेज परिसर में पहुंचीं। यहां उन्होंने कहा कि रोडवेज का गंदा पानी ईदगाह आदि जगहों पर जा रहा है। इससे लोगों का निकलना दूभर हो गया है। उन्होंने रोडवेज के अधिकारियों से जल्द समस्या के निस्तारण की मांग की। कार्यदाई संस्था के अवर अभियंता ने समस्या के समाधान का भरोसा दिलाया। इस दौरान भाजपा नेत्री भावना भट्ट, सरिता सती, लक्ष्मी रावत, गुड्डी नेगी, गीता पांडे, मंजू नेगी व अंबिका रावत मौजूद रहीं।

पौधों को मां के नाम गोद लिया

संवाददाता, हल्द्वानी

राजकीय महिला डिग्री कॉलेज में हरेला कार्यक्रम के दौरान मौजूद छात्राएं व शिक्षक।

अमृत विचार: हरेला पर्व के उपलक्ष्य में राजकीय महिला महाविद्यालय में नमामि गंगे और एनएसएस के सहयोग से एक नई पर्यावरणीय पहल की गई। जिसमें छात्राओं ने न केवल पौधरोपण किया, बल्कि पिछले वर्ष लगाए गए पौधों को अपनी मां के नाम से गोद लेकर भावनात्मक जुड़ाव की मिसाल पेश की। इस अभियान के तहत 70 से अधिक पौधे लगाए गए थे, जिनमें से 45 से अधिक पौधे सफलतापूर्वक विकसित हो चुके हैं। एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत दिनेश लोशाली के मार्गदर्शन में गुलमोहर, चंपा, करौंदा, सर्पगंधा, नींबू आदि पौधे रोपकर उन्हें संरक्षित रखने का संकल्प लिया गया। इस मौके पर प्राचार्य प्रो. एके श्रीवास्तव, योग प्रशिक्षिका ज्योति चुफाल, मंजू मेहरा, कंचन पाठक, डॉ. प्रभा साह, डॉ. हिमानी, नवीन बोरा, प्रकाश पांडे, खिमेश नैनवाल, भूपाल सिंह, गिरधर राणा, यशोधर नाथ, रणजीत सिंह आदि मौजूद रहे। उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय परिसर में पौधरोपण किया गया। कुलपति प्रो. ओपीएस नेगी ने कहा कि इन पौधों की रक्षा करना भी हमारा कर्तव्य है। इन्हें हम अपने पाल्यो की तरह ही संजो कर रखें। इस मौके पर सभी स्टाफ के कर्मचारियों ने लगाएं गए पौधों की सुरक्षा का जिम्मा भी लिया। कुलसचिव केआर भट्ट आदि रहे।

सनातन धर्म संस्कृत महाविद्यालय में पौधरोपण के दौरान मौजूद विद्यार्थी व अन्य।

सनातन धर्म संस्कृत महाविद्यालय में हुआ पौधरोपण

हल्द्वानी : उत्तराखंड के प्रकृति संरक्षण और हरियाली के प्रतीक लोकपर्व हरेला पर सनातन धर्म संस्कृत महाविद्यालय में विभिन्न प्रकार के पौधे रोपे गए। इस मौके पर संस्कृत शिक्षा निदेशक डॉ. आनंद भारद्वाज ने कहा कि हरियाली हमारे जीवन की प्राण है। जो विभिन्न रूपों में हमारी धरा को समृद्धि प्रदान करती है। प्राचार्य मनोज कुमार पांडे ने कहा कि पौधरोपण कर उनकी समुचित देखभाल करना माता-पिता की सेवा समान है। कार्यक्रम में विद्यार्थियों के अलावा जगत प्रकाश त्रिपाठी, अशोक वार्ष्णेय आदि उपस्थित रहे।

तिकोनिया चौराहे पर वर्टिकल गार्डन बना आकर्षण : हल्द्वानी : तिकोनिया चौराहे पर नगर निगम ने शहर का पहला वर्टिकल गार्डन बनाया है। हरेला पर्व के मौके पर नगर निगम ने एक नई शुरुआत करते हुए तिकोनिया चौराहे पर दीनदयाल उपाध्याय की मूर्ति के चारों ओर खूबसूरत पौधे रखकर हरियाली से सजाया है। नगर आयुक्त ऋचा सिंह ने बताया कि पहली बार शहर में नेचुरल वर्टिकल गार्डन प्लांटेशन का कार्य कराया गया है, जो पर्यटकों के साथ ही हर आने-जाने वाले नागरिक को आकर्षित करेगा। गार्डन में विभिन्न प्रकार के ऑर्नामेंटल पौधे और लताएं लगाई गई हैं, जो न सिर्फ शहर की सुंदरता बढ़ा रही हैं, बल्कि प्रदूषण नियंत्रण और तापमान संतुलन में भी सहायक होंगी।

रामपुर रोड स्थित सिटी फॉरेस्ट में जनप्रतिनिधियों व प्रशासनिक अधिकारियों ने किया पौधरोपण

हरेला प्रकृति के प्रति दायित्व का प्रतीक

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: हरेला पर्व के अवसर पर सिटी फॉरेस्ट में प्रशासनिक अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों ने पौधरोपण किया। साथ ही सभी को धरा को हराभरा रखने एवं पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई।

बुधवार को रामपुर रोड स्थित सिटी फॉरेस्ट में सांसद अजय भट्ट, विधायक बंशीधर भगत, महापौर गजराज बिष्ट, आयुक्त दीपक रावत, सीडीओ अनामिका, जिलाध्यक्ष प्रताप बिष्ट ने फलदार एवं औषधीय पौधे रोपे। सांसद अजय भट्ट ने कहा कि हरेला जड़ों से जुड़ने, प्रकृति के प्रति संवेदनशील बनने और भावी पीढ़ियों के लिए हरा-भरा राज्य देने की प्रेरणा देता है। आयुक्त दीपक रावत ने कि हरेला केवल एक पर्व नहीं बल्कि यह प्रकृति के प्रति हमारे दायित्व का प्रतीक है। प्रत्येक व्यक्ति को एक पेड़ मां के नाम अवश्य लगाना चाहिए। यह एक भावनात्मक और पर्यावरणीय दोनों दृष्टिकोण से अत्यंत महत्वपूर्ण पहल है। विधायक बंशीधर भगत ने सभी लोगों से पर्यावरण संरक्षण के लिए सक्रिय भागीदारी की अपील की और कहा कि हरेला प्रकृति से जुड़ने और उसे संरक्षित करने की प्रेरणा देता है। सांसद भट्ट ने कार्यक्रम में सभी प्रतिभागियों को पर्यावरण संरक्षण की शपथ भी दिलाई। कार्यक्रम में डीएफओ यूसी तिवारी, एडीएम विवेक राय, नगर आयुक्त ऋचा सिंह, सिटी मजिस्ट्रेट गोपाल सिंह चौहान, एसडीएम राहुल शाह, तहसीलदार मनीषा बिष्ट, वन अधिकारी कैलाश तिवारी मौजूद रहे।

पौधरोपण करते आयुक्त दीपक रावत, विधायक बंशीधर भगत व अन्य।

पौधरोपण करते सांसद अजय भट्ट, जिलाध्यक्ष प्रताप बिष्ट व अन्य।

एक नजर

सूर्या गांव में मनाया हरेला उत्सव

नैनीताल : जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नैनीताल के तत्वावधान में श्रेत्रिय पैरा लीगल वालिंटियर अनिल चंद्रा के माध्यम से ग्राम पंचायत सूर्या गांव में प्राकृति संरक्षण पर आधारित हरेला उत्सव मनाया गया। वन अधिकार धारियों व समूहों के सभी सदस्यों के साथ पौधरोपण किया गया। इस दौरान वनों की आग से सुरक्षा करने तथा असामाजिक तत्वों द्वारा वनों में आग लगाने वालो की सूचना संबंधित विभाग को देने विषय पर बताया गया। इस अवसर पर तेजपात, बेलपत्री, आंवला आदि के पौधों का रोपण किया गया।

राइंका रौशिल में हुआ पौधरोपण

भीमताल : भीमताल ब्लॉक के राजकीय इंटर कॉलेज रौशिल में हरेला पर्व के उपलक्ष्य पर पौधरोपण किया गया। विद्यालय के ईको क्लब प्रभारी प्रताप सिंह कुल्याल ने विद्यार्थियों को ईको सिस्टम और बहुमूल्य प्राकृतिक संपदा के संरक्षण के बारे में बताया। विद्यालय के प्रभारी प्रधानाचार्य सुंदर प्रकाश आर्य ने पर्यावरण को सुरक्षित करने के विभिन्न उपायों के बारे में जानकारी दी। विद्यालय परिसर में फलदार और छायादार पौधों का रोपण किया गया। इस अवसर पर डॉ .कन्नू जोशी, इसपी आर्य, प्रेम कांडपाल, नवीन भट्ट, सावित्री पाण्डेय, आभा वर्मा, प्रताप कुल्याल उपस्थित रहे।

हरयाओ त्यार हुंछी मै-बाप चै रछी.. ने लोक भावनाओं को किया जीवंत

कवि सम्मेलन और पुरस्कार वितरण के साथ उत्थान मंच में हरेला मेले का समापन

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : हीरानगर स्थित उत्थान मंच में आयोजित हरेला मेले का समापन कवि सम्मेलन और पुरस्कार वितरण के साथ हर्षोल्लास से संपन्न हुआ। मेले में क्षेत्रीय संस्कृति, कविता और हास्य-व्यंग्य की मनमोहक प्रस्तुतियों ने दर्शकों को खूब मनोरंजन किया।

संयोजक नारायण सिंह बिष्ट नरैण दा ने हरयाओ त्यार हुंछी, "मै-बाप चै रछी" जैसी कुमाऊनी कविताओं से लोकभावनाओं को जीवंत कर दिया। कार्यक्रम के संचालक डॉ. प्रदीप उपाध्याय ने "कभै लागछी मौ जैसि मीठी, म्यार पहाड़ै कि चेली" जैसी रचनाओं से खूब वाहवाही लूटी।

वरिष्ठ कुमाऊंनी कवि दामोदार जोशी 'देवांशु' ने "ऊ घर कुड़ि चम चम चमकै" और "भाल-भाल हूंनी सदा शगुन" जैसी सुंदर रचनाओं से सभी का मन मोह लिया। कवि प्रकाश चंद्र तिवारी ने राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत कविता "देश में सुधार कर, राष्ट्र की पछयाण हो" सुनाकर देशप्रेम की अलख जगाई। शाम को आयोजित पुरस्कार वितरण में जलेबी दौड़ और चम्मच दौड़ जैसे पारंपरिक खेलों के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। इस दौरान संरक्षक हुकम सिंह कुंवर, अध्यक्ष खड़क सिंह बगड़वाल, उपाध्यक्ष गोपाल सिंह बिष्ट, सचिव देवेंद्र तोलिया, कोषाध्यक्ष त्रिलोक बनौली, शोभा बिष्ट, संदीप भैसोड़ा, धरम सिंह बिष्ट, ललित बिष्ट, जे. ललित प्रसाद, बृज मोहन सिंह बिष्ट, चंद्रशेखर परगई, कमल किशोर, पंकज सुयाल, तरूण नेगी आदि मौजूद रहे।

हरेला पर्व के अवसर पर पर्वतीय उत्थांन मंच में आयोजित कवि सम्मेलन में कविता पाठ करते कवि। ● अमृत विचार

पांच दिवसीय कार्यक्रम में विभिन्न लोक कलाकारों ने बांधा समां

12 जुलाई से शुरू हुए पांच दिवसीय हरेला मेले में प्रत्येक दिन अलग-अलग लोक कलाकारों ने अपनी एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियों से कार्यक्रम में समां बांधा। शाम को आयोजित होने वाली सांस्कृतिक संध्या में कलाकारों ने कुमाऊनी और गढ़वाली गीतों से दर्शकों का खूब मनोरंजन किया। साथ ही कार्यक्रम में लोकनृत्य की प्रस्तुति भी दी गई।

पौधे रोपित कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया

भवाली, अमृत विचार : लोक पर्व हरेला धूमधाम से मनाया गया। लोगों ने हरेला की एक दूसरे को बधाई दी। वहीं घरों में बोया जाने वाला सात अनाजों का हरेला काटकर व पकवान के साथ मंदिरों में चढ़ाकर शिरोधार्य किया। लोगों ने ककड़ी व कद्दू आदि के बीजों का रोपण किया। भवाली साधन सहकारी समिती में पौधरोपण किया गया। काश्तकारों को फलदार पौध वितरित की गई।

समिति सचिव दीप्ती बगवाल, कोपरेटिव बैंक की तरफ से किरन आर्या व समिती कर्मचारी तथा काश्तकार मौजूद रहे। भवाली रेंज के रामगढ़ अनुभाग कुलेटी बीट गागर कक्ष 23 हरेला प्लॉट में कार्यक्रम का शुभारंभ नगर पालिका परिषद भवाली के अध्यक्ष पंकज आर्या ने देवदार की पौध का रोपण कर किया। पूर्व अध्यक्ष संजय वर्मा ने नींबू की पौध का रोपण किया। निवर्तमान ग्राम प्रधान मेहरागांव घोड़ाखाल गणेश दत्त जोशी, पूर्व प्रधान कहलक्वीरा नवीन क्वीरा, दिलीप सिंह नेगी, अधिशासी अभियंता जिला पंचायत नैनीताल सौभाग्य वर्मा, सुंदर लाल आदि मौजूद रहे।

सार-संक्षेप

कार्यक्रम में मौजूद मेयर गजराज सिंह बिष्ट व जिलाध्यक्ष प्रताप बिष्ट व अन्य।

भाजपा मुखानी मंडल ने लगाए फलदार पौधे

हल्द्वानी : मुखानी मंडल भाजपा की ओर से एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम का आयोजन रामपुर रोड स्थित जेबी इन्कलेव में किया गया। इस दौरान फलदार पौधे आम, लीची, नींबू, अमरूद, नाशपाती लगाए गए। कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री (संगठन) अजेय, प्रदेश महामंत्री राजेंद्र बिष्ट, जिलाध्यक्ष प्रताप बिष्ट, दर्जा मंत्री दिनेश आर्या, प्रदेश कोषाध्यक्ष साकेत अग्रवाल, महापौर गजराज बिष्ट, जिला महामंत्री नवीन भट्ट, मोहन पाठक, निवर्तमान उपाध्यक्ष जिला पंचायत आनंद दरम्वाल, मुखानी मंडल के अध्यक्ष दीपू नेगी, जिला अध्यक्ष एससी मोर्चा भुवन आर्य, प्रतिभा जोशी, दीपा दरम्वाल, रत्नेश शाह, बिठौरिया मंडल अध्यक्ष कंचन उप्रेती, मंडल महामंत्री त्रिलोक निगल्टिया, राजेश पंत, भवान सिंह बिष्ट, हेम अवस्थी, हेमंत बिष्ट आदि मौजूद रहे। उधर हरेला पर्व पर पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष बेला तोलिया ने रामपुर रोड स्थित क्षेत्र में नीम, पीपल, बरगद के पौधे रोपे। उन्होंने कहा कि हरेला हमें अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ता है और पर्यावरण संरक्षण का संदेश देता है। हमारी कोशिश है कि इस अभियान को जन-जन तक पहुंचाया जाए।

पौधरोपण करतीं बेला तोलिया व अन्य।

रानीबाग में हरेला वन महोत्सव के तहत लगाए 1 हजार पौधे

हल्द्वानी : रानीबाग में हरेला वन महोत्सव अभियान एक पेड़ मां के नाम के तहत बुधवार को 1 हजार फलदार पोधों का रोपण किया गया। उप प्रभागीय वनाधिकारी ममता चंद के निर्देशन में पौधरोपण किया गया। कार्यक्रम के तहत आम, अमरूद, नींबू, आंवला जैसे फलदार प्रजातियों के पौधे लगाए गए, जिससे आने वाले वर्षों में न केवल हरियाली बढ़ेगी, बल्कि जैव विविधता और स्थानीय लोगों को आर्थिक लाभ भी मिलेगा। इस दौरान पूर्व वन संरक्षक भुवन चंद्र जोशी, वन क्षेत्राधिकारी मुकुल शर्मा सहित ग्रामीण और स्टाफ के अन्य लोग मौजूद रहे।

पौधे रोपित कर लिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

नैनीताल : ऑल सेंट्स कॉलेज नैनीताल में पारंपरिक पर्व हरेला उत्साह के साथ मनाया गया। विद्यार्थियों ने विद्यालय परिसर में विभिन्न प्रजाति के पौधे रोपित किए और पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। कक्षा 1 से 5 तक के विद्यार्थियों ने इस पर्व के लिए 7 जुलाई को बीज बोए थे, जोकि अब हरेले के रूप में उग आए थे। इन हरेलों को विधिवत काटा गया और विद्यालय की प्रधानाचार्या अंजना रिचड्र्स द्वारा बच्चों के सिर पर रखकर उन्हें आशीर्वाद प्रदान किया गया। यह परंपरा समृद्धि, शुभता और प्रकृति के प्रति सम्मान का प्रतीक मानी जाती है। उन्होंने बच्चों को जानकारी भी दी।

हनुमानगढ़ी में हरेला पर्व पर पौधरोपण करते मुख्य न्यायाधीश जी . नरेंद्र।

मुख्य न्यायाधीश के नेतृत्व में हुआ वृहद पौधरोपण

नैनीताल, अमृत विचार : हाईकोर्ट के समन्वय में वन विभाग के सहयोग से बुधवार को हनुमानगढ़ी में मुख्य न्यायाधीश जी . नरेंद्र के नेतृत्व में वृहद पौधरोपण हुआ। मुख्य न्यायाधीश जी . नरेंद्र, वरिष्ठ न्यायाधीश मनोज कुमार तिवारी, न्यायमूर्ति रविंद्र मैथानी, न्यायमूर्ति आलोक कुमार वर्मा, न्यायमूर्ति पंकज पुरोहित, न्यायमूर्ति आशीष नैथानी, न्यायमूर्ति आलोक महरा, न्यायमूर्ति सुभाष उपाध्याय, रजिस्ट्रार जनरल योगेश कुमार गुप्ता, उत्तराखंड हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष दुर्गा सिंह मेहता व पदाधिकारियों सहित अधिवक्ताओं, प्रभागीय वनाधिकारी चंद्रशेखर जोशी व अन्य अधिकारियों, कर्मचारियों ने पौधरोपण किया। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के सदस्य सचिव प्रदीप मणि त्रिपाठी ने बताया कि उत्तराखंड उच्च न्यायालय के समन्वय व वन विभाग के सहयोग से 'एक पेड़ मां के नाम' एवं 'हरेला का त्योहार मनाओ, धरती मां का ऋण चुकाओ' थीम के तहत पौधरोपण किया गया ।

विभिन्न प्रजाति के पौधे रोपित किए

लालकुआं : पर्वतीय लोक पर्व हरेला पर सेंचुरी पल्प एण्ड पेपर मिल परिसर में विभिन्न प्रजाति के पांच हजार पौधे रोपित कर पर्यावरण बचाने का संदेश दिया गया। सेंचुरी मिल के सीईओ अजय गुप्ता व जिला उद्योग केंद्र हल्द्वानी की महाप्रबंधक पल्लवी गुप्ता के संयुक्त नेतृत्व में मिल परिसर में पौधरोपण अभियान का शुभारंभ हुआ। इसके अंतर्गत अमलतास, कचनार, नीम, करौंदा, कनेर, गुलमोहर तथा अशोक आदि अलग- अलग प्रजाति के पौधे रोपित किए गए। इस मौके पर सीओओ प्रणव शर्मा, सीएफओ महेंद्र कुमार हरित, मनोज चौहान, उपाध्यक्ष नरेश चंद्रा, एचआर महाप्रबंधक संजय बाजपेयी, संजय यादव, अनिल कुमार दूबे, राकेश कुमार, वंदना, सुश्मिता व चित्रा आदि मौजूद रहे।

पुलिस ने रोपे पौधे, लिया धरा को हरा- भरा रखने का संकल्प

पौधरोपण से पहले टीम के साथ मौजूद एसपी सिटी प्रकाश चंद्र, एसपी क्राइम डॉ .जगदीश चंद्र व सीओ सिटी नितिन लोहनी।

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : हरेला पर्व पर धरती मां का ऋण चुकाओ, एक पेड़ मां के नाम लगाओ थीम पर पुलिस ने पूरे जिले में पौध रोपण किया।

जिले में पुलिस कर्मियों ने कुल 369 पौधे रोपे। एसपी क्राइम डॉ. जगदीश चंद्र और एसपी सिटी प्रकाश चंद्र ने काठगोदाम थाना पहुंचकर पौधरोपण किया। साथ ही पुलिस कर्मियों को पर्यावरण संरक्षण में अपना योगदान देने तथा देवभूमि की अमूल्य धरोहर विभिन्न प्रजातियों की वनस्पति और पौधों का अधिक से अधिक मात्रा में रोपण करने के लिए प्रेरित किया गया। पुलिस कर्मियों ने एक पेड़ मां के नाम लगाकर देवभूमि की पावन धरा को सकारात्मक प्राणवायु से परिपूर्ण करने का संकल्प लिया। सीओ सिटी नितिन लोहनी, प्रतिसार निरीक्षक हरकेश सिंह, थानाध्यक्ष पंकज जोशी समेत जनपद के सभी क्षेत्राधिकारी कार्यालय, थानों, पुलिस लाइंस, शाखाओं और इकाइयों में पौधरोपण किया गया।

महाविद्यालय में पौधरोपण करते शिक्षक व कर्मचारी।

पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया

हल्दूचौड़ : लाल बहादुर शास्त्री राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय हल्दूचौड़ में प्राचार्य प्रोफेसर डॉ . सीमा श्रीवास्तव के निर्देशन में रोवर-रेंजर्स, राष्ट्रीय सेवा योजना और ईको क्लब द्वारा संयुक्त रूप से हरेला पर्व के अवसर पर पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया गया। प्राचार्य प्रोफेसर डॉ . सीमा श्रीवास्तव ने महाविद्यालय में टिकोमा, कड़ी पत्ता, बेलपत्र, तेजपत्ता, हरसिंगार, दालचीनी, अमलतास, तुलसी, बेल, नीम, कनेर, गुलाब आदि छायादार, फलदार, औषधीय पौधों का रोपण किया। इस अवसर पर रोवर-रेंजर्स प्रभारी डॉ . हेम चन्द्र पाण्डे, राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी डॉ . गीता भट्ट, हरीश चन्द्र जोशी, राकेश कुमार, जयपाल, दीक्षा कोटिया, राहुल, मोहित सिंह कार्की आदि मौजूद रहे।

रामनगर से कालागढ़ तक चला धरती के श्रृंगार का सिलसिला

रामनगर : कॉर्बेट टाइगर रिजर्व में कॉर्बेट पार्क के बिजरानी से लेकर उत्तर प्रदेश की सीमा से सटे कालागढ़ क्षेत्र तक पौधरोपण कर धरती का श्रृंगार करने का सिलसिला चलता रहा। कॉर्बेट के डॉ साकेत बडोला एवं उपनिदेशक राहुल मिश्रा के निर्देश पर बिजरानी रेंज के चौकियों सांवल्दे, कानियो, गौजानी, आमडण्डा, रिंगोडा एवं बिजरानी क्षेत्रों में जामुन, बेर, आंवला, बेल . शहतूत हरद, बहेड़ा, पिलखन, अमलतास तथा कचनार आदि विविध वानिकी तथा फलदार प्रजातियों के पौधों का रोपण किया गया। इस दौरान पार्क वार्डन अमित कुमार ग्वासिकोटी पार्कवार्डन, वन क्षेत्राधिकारी भानु प्रकाश हरबोला, हंसा पांगती, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी संजय कुमार पाण्डे आदि मौजूद रहे ।उधर वन्य जीव प्रशिक्षण केंद्र कालागढ़ में विन्दर पाल, निदेशक, कॉर्बेट वन्यजीव प्रशिक्षण केन्द्र के नेतृत्व में वन्यजीव प्रशिक्षण केन्द्र परिसर व परेड ग्राउण्ड में आंवला, जामुन, बहेड़ा, सहजन, हरड़, कचनार परिजात, गुलमोहर, अमलताश, शहतूत, नीम व बेल के 235 पौधों का रोपण किया गया।

पौधों के संरक्षण का संकल्प भी लें

- **भीमताल में हरेला मेले का शुभारंभ, सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए**

संवाददाता, भीमताल

अमृत विचार : भीमताल में आयोजित हरेला मेले का शुभारंभ नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य, पूर्व विधायक नैनीताल संजीव आर्य, नगर पालिका अध्यक्ष सीमा टम्टा ने दीप प्रज्वलित कर किया ।

नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने कहा की हरेला मेला क्षेत्र की पहचान है। पर्यावरण संरक्षण के लिए मेले का विशेष महत्व है। सभी को पौधों के संरक्षण का संकल्प लेना चाहिए। कहा कि लंबे समय से इस मेले को राज्य मेल घोषित करने का प्रयास किया जा रहा है। मेले की भव्यता और प्रसार को देखते हुए सरकार को चाहिए कि इसे राज्य मेले का दर्जा दिया जाए। वह भी इसके लिए प्रयास करेंगे। नगर पालिका अध्यक्ष सीमा टम्टा ने बताया कि नगर पालिका का प्रयास रहा है कि मेले को भव्यता प्रदान किया जाए। इस बार मेले में रिकॉर्ड दुकानदारों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है। आगे के वर्षों में इसे और भव्यता प्रदान की जाएगी। इस दौरान विभिन्न संस्थानों और समितियां के द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रम का संचालन रामपाल सिंह गंगोला ने किया। इस दौरान पूर्व विधायक सितारगंज नारायण पाल, पूर्व अध्यक्ष देवेंद्र चनौतियां, अधिशासी अधिकारी उदयवीर सिंह, राकेश वृजवासी, सतीश वर्मा, डीके डालाकोटी, प्रेम कुलियाल नीरज कुमार मोनू, शिप्रा जोशी, शुभम नैनवाल, बंटी आर्य, नीरज रेकुनी, विपिन सनवाल आदि मौजूद रहे।

हरेला मेले का शुभारंभ करते मुख्य अतिथि नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य।

धूमधाम से मनाया गया हरेला पर्व

कालाढूंगी: कुमाऊं की सांस्कृतिक विरासत हरेला पर्व बुधवार को कालाढूंगी, बैलपड़ाव, चकलुवा व कोटाबाग में धूमधाम से मनाया गया। कृषि पर्व से जुड़े इस पर्व पर घरों में पूजा-अर्चना के साथ हरेला धारण किया गया। श्रावण के पहले दिन मनाया जाने वाला यह पर्व कृषि से जुड़ा है। श्रावण मास शुरू होने से नौ रोज पूर्व कुमाऊं क्षेत्र के लोग घरों में विभिन्न अनाजों का रोपण करते हैं। हरेला के रोज बोए गए अनाज की पूजा-अर्चना के साथ इनकी पत्तियों को शिरोधार्य किया जाता है। लोगों ने ब्रहम मुहुर्त में घाटों में स्नान कर मंदिरों में जलाभिषेक किया। सरस्वती शिशु मंदिर चकलुवा व राजीव गांधी नवोदय विद्यालय कोटाबाग, बैलपड़ाव, कालाढूंगी, बन्ना खेड़ा, देचौरी व कोटा रेंज रेंज में वन कर्मियों, बच्चों आदि ने पौधरोपण किया।

अब मंडी बाईपास में भी छाई हरियाली

कार्यक्रम में मौजूद सांसद अजय भट्ट, मेयर गजराज बिष्ट, नगर आयुक्त ऋचा सिंह।

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : हरेला पर्व के अवसर पर मंडी बाईपास मार्ग में हरियाली छाई रही। नगर निगम की ओर से बुधवार को चलाए गए विशेष अभियान में गोल्डन बैम्बू, गुलमोहर, नीली गुलमोहर, पीली व सफेद चंपा, टेकौमा, कैलियान्द्रा, और बोगनविलिया, हमेलिया पैटेंस, ल्यूसोफायलम जैसी सुंदर झाड़ियां व बेलें लगाई गईं। पहल के तहत 3 वर्ष से अधिक आयु के विकसित पौधे लगाए गए, ताकि क्षेत्र को तुरंत हरित रूप दिया जा सके। नगर आयुक्त ऋचा सिंह ने कहा कि हमारा लक्ष्य शहर को हरियाली से भरपूर, स्वच्छ और सुंदर शहर बनाना है। यह सिर्फ शुरुआत है, जो पूरे जिले और प्रदेश में प्रेरणा बनेगी।

एक नजर

सितंबर में सजेगा श्री खाटू श्याम का भव्य दरबार

काशीपुर : सितंबर में श्री खाटू श्याम का भव्य दरबार सजेगा। इसकी तैयारियों को लेकर मानपुर रोड स्थित कार्यालय पर बैठक हुई। इसमें सर्वसम्मति से सुरेंद्र अरोड़ा को कार्यक्रम संयोजक मनोनीत किया गया। उन्होंने बताया कि निशान यात्रा दोपहर करीब 12 बजे से किला परिसर से शुरू होगी। 20 सितंबर की शाम करीब छह बजे से श्री खाटू श्याम का भव्य दरबार सजेगा। उन्होंने श्याम सेवकों से आयोजन में सहभागी बनने की अपील की है।

पुलिस ने वारंटी को दबोच कोर्ट में पेश किया

बाजपुर : एसएसपी द्वारा त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के दृष्टिगत वारंटियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में थाना केलाखेड़ा की पुलिस टीम ने फरार चल रहे वारंटी ग्राम गुमसानी निवासी महबूब अली पुत्र शेर अली को घर पर दबिश देकर गिरफ्तार कर लिया जिसे न्यायालय बाजपुर के समक्ष पेश किया गया है। पुलिस टीम में उपनिरीक्षक देवेंद्र सिंह राजपूत, कांस्टेबल हेमंत कुमार शामिल रहे।

अलग-अलग हादसों में दो लोग घायल

काशीपुर : अलग-अलग मामले में दो युवक घायल हो गए। चामुंडा विहार निवासी यश फर्श पर गिरकर और ग्राम मालधन निवासी सौरभ मार्ग दुर्घटना में घायल हो गए। परिजनों ने दोनों को एलडी भट्ट राजकीय उप जिला चिकित्सालय पहुंचाया गया। जहां चिकित्सक ने इलाज के बाद छुट्टी दे दी है।

गृह मंत्री अमित शाह के कार्यक्रम को लेकर तैयारी में जुटे भाजपा कार्यकर्ता

महापौर ने कार्यकर्ताओं और व्यापारियों के साथ की बैठक, बोले-ऐतिहासिक होगा सेरेमनी कार्यक्रम

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: आगामी 19 जुलाई को जिला मुख्यालय रुद्रपुर में होने जा रहे एक लाख करोड़ निवेश ग्राउंडिंग सेरेमनी कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए जहां प्रशासन ने जोर-शोर से तैयारी शुरू कर दी है। वहीं भाजपा कार्यकर्ताओं में भी इस कार्यक्रम को लेकर भारी उत्साह है। इस कार्यक्रम में पधार रहे गृहमंत्री अमित शाह के स्वागत के लिए कार्यकर्ता तैयारी में जुट गये हैं।

बुधवार को महापौर विकास शर्मा ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए शहीद भगत सिंह मंडल के कार्यकर्ताओं की एवं लोहा व्यापार मंडल के पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। इस दौरान उन्होंने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में जुटने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि ग्राउंडिंग सेरेमनी कार्यक्रम उत्तराखंड के विकास को नई दिशा देने के साथ ही युवाओं के लिए रोजगार के नये द्वार भी खोलेगा।

रुद्रपुर में बुधवार को व्यापारियों के साथ बैठक करते महापौर। ● अमृत विचार

स्पोर्ट्स स्टेडियम में गृह मंत्री के कार्यक्रम के लिए तैयार होता पंडाल। ● अमृत विचार

उन्होंने कहा कि धामी सरकार के प्रयासों से वर्ष 2023 में आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में 3.56 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए थे, जिनमें से 1 लाख करोड़ की ग्राउंडिंग हो चुकी है। यह निवेशकों के राज्य के प्रति बढ़ते भरोसे का प्रतीक है। यह आयोजन स्थानीय उद्यमिता को प्रोत्साहित करेगा और उत्तराखंड की आर्थिक समृद्धि के नए द्वार खोलेगा। इस समारोह में देश भर से निवेशक शामिल होंगे। उत्तराखंड में निवेश करने वाले उद्यमियों से फीडबैक लिया जाएगा। साथ ही एमओयू करने वाले निवेशकों को राज्य में उद्योग लगाने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। महापौर ने कहा कि इस आयोजन का लाभ स्थानीय व्यापारियों एवं उद्यमियों को भी मिले इसके लिए प्रयास किये जा रहे हैं। अधिक से अधिक व्यवसायियों को कार्यक्रम में आमंत्रित करने के लिए विभिन्न व्यापारिक संगठनों के साथ बैठक की जा रही है। उन्होंने बैठक में मौजूद सभी लोगों से अधिक से अधिक संख्या में 19 जुलाई को स्टेडियम पहुंचने की अपील की है। इस अवसर पर शहीद भगत सिंह मंडल अध्यक्ष सुनील ठुकराल, लोहा व्यापार मंडल अध्यक्ष बजरंग लाल गर्ग, कोषाध्यक्ष मनोज गोयल, नितिन गोयल, अमित वासन, मयंक अरोरा, सन्नी गगनेजा, शिवकुमार गर्ग, मनोज गर्ग, वैभव मित्तल, मनोज कक्कड, शालिग्राम बंसल, सुरेश अग्रवाल, राजेंद्र प्रसाद गोयल, सुरेश चंद्र गर्ग, राजेंद्र गर्ग आदि उपस्थित रहे।

डीएम ने गृहमंत्री के कार्यक्रम को लेकर की समीक्षा बैठक

गृहमंत्री अमित शाह के कार्यक्रम को लेकर बुधवार को अधिकारियों के साथ बैठक करते डीएम नितिन सिंह भदौरिया। ● अमृत विचार

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: 19 जुलाई को गृहमंत्री अमित शाह के जनपद ऊधमसिंह नगर आगमन के प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया ने जिला कार्यालय सभागार में तैनात नोडल अधिकारियों के साथ बैठक कर तैयारियों की विस्तार से समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

बुधवार को समीक्षा बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने सभी तैनात नोडल अधिकारियों से कहा कि गृहमंत्री की यात्रा जनपद के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसलिए सभी तैयारियां समय पर और समन्वित रूप से की जाएं। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम स्थल पर स्वास्थ्य विभाग के चिकित्सकों के साथ ही स्टॉल भी लगाया जाए। आधुनिक चिकित्सा उपकरणों युक्त एंबुलेंस रहेगी। सुचारू विद्युत व्यवस्था रहे व जनरेटर व्यवस्था भी रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विशेष अतिथियों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए सभी लाइजनिंग ऑफिसर बखूबी अपने दायित्वों को निभाएं। संबंधित विभाग आपसी तालमेल के साथ कार्य करते हुए यह तय करें कार्यक्रम के दौरान किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने स्थलीय निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की अंतिम स्थिति की समीक्षा करने की बात भी कही। सुरक्षा, यातायात व्यवस्था, जनसभा स्थल की व्यवस्थाएं, वीआईपी मूवमेंट, आपातकालीन सेवाओं, पार्किंग, पेयजल, स्वच्छता पर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

यह रहे मौजूद

एसएसपी मणिकांत मिश्रा, सीडीओ दिवेश शाशनी, उपाध्यक्ष प्राधिकरण जय किशन, डैम जीबी पंत विवि. बीएस चलाल, निदेशक यूआईआरडी एससी द्विवेदी, एमडी मंडी हेमंत वर्मा, गन्ना एवं चीनी आयुक्त टीएस मर्तोलिया, संयुक्त मजिस्ट्रेट आशिमा गोयल, अपर जिलाधिकारी कौस्तुभ मिश्रा, पंकज उपाध्याय, महाप्रबंधक सिडकुल पूरन सिंह राणा, सीएमओ डॉ.केके अग्रवाल, नगर आयुक्त नरेश चंद्र दुर्गापाल, रविंद्र बिष्ट, अपर पुलिस अधीक्षक आरडी मठपाल, एसडीएम मनीष बिष्ट, गौरव पांडे, सीएस चौहान, रविंद्र जुआता, तुषार सैनी, अभय प्रताप सिंह, जीएम डीआईसी विपिन कुमार, मुख्य उद्यान अधिकारी प्रभाकर सिंह, एआरटीओ विमल पांडे, एसई विद्युत एससी त्रिपाठी, लोनिवि हरीश कुमार, जिला प्रोबेशन अधिकारी व्योमा जैन समेत कई अधिकारी रहे।

BAREILLY INTERNATIONAL UNIVERSITY

Accreditations, Affiliations & Approvals

University Grants Commission of India · Medical Council Of India · Dental Council of India · Pharmacy Council of India · Indian Nursing Council · Uttar Pradesh Nursing & Midwives Council · Association of Indian Universities · Uttar Pradesh State Medical Faculty

ADMISSION OPEN FOR FOLLOWING COURSES SESSION 2025-26

CUET (UG)-2025 Registered/Score Accepted

ROHILKHAND MEDICAL COLLEGE & HOSPITAL

Course	Eligibility	Duration
M.Sc.Medical (Anatomy/ Biochemistry/Microbiology/ Pharmacology/Physiology)	MBBS/BDS/B.Sc Nursing/ /B.Sc (PCB)	3 Year
Diploma Medical Lab Technician (DMLT)	10+2 (PCB/PCM)	2 Year
Diploma X-Ray Technician	10+2 (PCB/PCM)	2 Year
Diploma Radiotherapy Technology	10+2 (PCB/PCM)	2 Year

INSTITUTE OF DENTAL SCIENCES

Course	Eligibility	Duration
Dental Hygienist (DH)	10+2 (PCB with English)	2 Year
Dental Mechanics (DM)	10+2 (PCB with English)	2 Year

BIU COLLEGE OF PHARMACY/ROHILKHAND COLLEGE OF PHARMACY/ KESHLATA COLLEGE OF PHARMACY

Course	Eligibility	Duration
Bachelor of Pharmacy (B.Pharm)	10+2 (PCB/PCM)	4 Year
Master of Pharmacy (Pharmaceutics/Pharmacology/ Pharmaceutical Chemistry/Pharmacognosy)	B.Pharm	2 Year
Diploma in Pharmacy	10+2 (PCB/PCM)	2 Year

FACULTY OF PARAMEDICAL SCIENCES

Course	Eligibility	Duration
Bachelor of Physiotherapy (BPT)	10+2 (PCB)	4.5 Year
B.Sc. Medical Laboratory Technician (BMLT)	10+2 (PCB)	3.5 Year
B.Sc. Optometry	10+2 (PCB)	4 Year
B.Sc. in Radiological imaging Techniques (BRIT)	10+2 (PCB)	3.5 Year
Bachelor in Operation Theatre Technician	10+2 (PCB)	3.5 Year
Diploma in Dialysis Technician	10+2 (PCB/PCM)	2 Year
Diploma in MRI Technician	10+2 (PCB/PCM)	2 Year
Diploma in Sanitation	10+2 (PCB/PCM)	1 Year
Diploma in Emergency & Trauma Care	10+2 (PCB/PCM)	2 Year
M.Sc. Clinical Embryology	B.Sc. (PCB)	2 Year
Master Physiotherapy	BPT	2 Year
Master in Medical Laboratory Sciences (MMLS)	BMLS	2 Year

ROHILKHAND COLLEGE OF NURSING

Course	Eligibility	Duration
M.Sc. Nursing in Child Health Nursing/Mental Health Nursing/Community Health Nursing/Surgical Nursing/ Obstetric & Gynaecological Nursing	B.Sc. (Nursing)	2 Year
B.Sc. Nursing	10+2 (PCB)	4 Year
GNM	10+2 Any Stream	3 Year
ANM	10+2 Any Stream	2 Year
Post Basic B.Sc. Nursing	GNM	2 Year
Nurse Practitioner in Critical Care (NPCC)	B.Sc. Nursing	2 Year

BIU COLLEGE OF HUMANITIES & JOURNALISM

Course	Eligibility	Duration
BA (Hons.) in Journalism/ Mass Communication	10+2 in Any Stream	4 Years
BA (Hons.) in Eng./ Pol. Sc./ Socio./Eco. / Psychology	10+2 in Any Stream	4 Years
B.Lib.(Hons.)	10+2 in Any Stream	4 Years
MA (Journalism/ Mass Comm./ Public Rel./Electronic Media/ Adv.)	UG in Any Stream	2 Years
MA (English/ Pol. Science/ Sociology/ Economics/ Hindi)	UG in Respective Stream	2 Years
MA (Translation Studies)	UG in Respective Stream	2 Years
MA (Applied & Clinical Psychology)	UG in Respective Stream	2 Years
M.Lib.	UG in Respective Stream	2 Years

BIU COLLEGE OF MANAGEMENT

Course	Eligibility	Duration
BBA (Hons.) in Finance & Taxation	10+2 in Any Stream	4 Years
BCA (Hons.) in IT & Multimedia/ AI & Machine Learning	10+2 in Any Stream	4 Years
B.Com (Hons.)	10+2 in Any Stream	4 Years
MBA (Finance & Taxation / Healthcare Management / Sales & Marketing / HR / IT / Business Analytics)	UG in Any Stream	2 Years
M.Com	UG in Respective Stream	2 Years
MCA	UG in Respective Stream	2 Years
MHA	UG in Any Stream	2 Years
MPH	UG in Any Stream	2 Years

FACULTY OF FORENSIC SCIENCES

Course	Eligibility	Duration
B.Sc. Forensic Sciences	10+2 (PCB/PCM)	3 Year
M.Sc. Forensic Sciences	Graduation in Science (ZBC)	2 Year

For More Information : 9105500202, 9105500404, Ph.: 0581-2526153, 051, 053

Admission Cell, Administrative Block, Bareilly International University, Rohilkhand Medical College Campus, Bareilly PIN Code : 243006 (U.P.)

Website : www.biu.edu.in, E-mail : admission@biu.edu.in

कृषि स्टार्टअप को बढ़ावा दे रहा आईआईएम का फीड

- उत्तराखंड के स्टार्टअप को बढ़ावा मिलने से रुकेगा पलायन
- वर्ष 2018 में हुई थी इन्क्यूबेशन सेंटर फीड की शुरुआत

कुंदन बिष्ट, काशीपुर

अमृत विचारः आईआईएम काशीपुर का इन्क्यूबेशन सेंटर फीड स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने पर काम कर रहा है। संस्थान ने इस वर्ष 20 स्टार्टअप को 25 लाख तक की फंडिंग दिलाने का लक्ष्य रखा है। वहीं कृषि क्षेत्र के 75 स्टार्टअप को अब तक करोड़ों की फंडिंग मिल चुकी है।

भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) काशीपुर के इन्क्यूबेशन सेंटर फीड की शुरुआत वर्ष 2018 में हुई थी। अब तक सेंटर ने 100 से अधिक स्टार्टअप को विभिन्न स्कीम के तहत पांच लाख से लेकर 25 लाख रुपये तक की फंडिंग दिलाने में सहयोग किया है। फीड इन्क्यूबेशन सेंटर प्रदेश में कृषि क्षेत्र के स्टार्टअप को बढ़ावा देने पर ज्यादा जोर दे रहा है। इसकी मदद से युवा उद्यमिता की ओर बढ़ रहे हैं, जिससे पहाड़ी इलाकों में रोजगार का सृजन हो रहा है और पलायन रोकने में भी मदद मिल रही है। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी आईआईएम ने कृषि क्षेत्र के सात स्टार्टअप्स को फंडिंग दिलाई है। साथ ही वर्ष के अंत तक 20 स्टार्टअप को 25 लाख रुपये तक फंडिंग दिलाने का लक्ष्य रखा है। फीड ने बीते छह वर्षों में साहस और सक्षम स्टार्टअप इन्क्यूबेशन कार्यक्रम के माध्यम से उत्तराखंड के 24 कृषि स्टार्टअप को 306 लाख रुपये का फंड दिलाया है। इनमें 13 स्टार्टअप की संचालक महिलाएं हैं। यह फंड राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के अंतर्गत कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय भारत सरकार के सहयोग से दिलाया गया है। फीड के प्रोफेसर इंचार्ज सफल बत्रा ने बताया कि 2025 में उत्तराखंड के 20 से ज्यादा स्टार्टअप को 25 लाख तक की फंडिंग देने के प्रयास है।

मारपीट कर फायरिंग करने के दो आरोपी गिरफ्तार

काशीपुर : वाहन ओवरटेक करने को लेकर हुए विवाद में मारपीट कर फायरिंग करने के दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। बीते 13 जुलाई को ग्राम रम्पुरा निवासी अमर सिंह ने कोतवाली में तहरीर देकर कहा था कि ग्राम लक्ष्मीपुर लच्छी, धनौरी निवासी सूरज और आकाश ने उसके भाई सुरेंद्र सिंह पर जान से मारने की नीयत से लाठी-डंडों से हमला कर दिया। हमले के दौरान सुरेंद्र सिंह जान बचाकर पास में ही रहने वाले दानिश के घर में घुस गया। आरोपी पीछा कर वहां भी पहुंच गये और तमंचे से फायर कर दिया। फायरिंग में छर्रे लगने से दानिश घायल हो गया था। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया था। मंगलवार को पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। जिनके कब्जे से दो तमंचे और कारतूस बरामद हुए।

माता वैष्णो देवी यात्रा की तैयारियों को लेकर मंथन

संवाददाता, किच्छा

अमृत विचारः मां वैष्णो देवी समिति के तत्वावधान में संपन्न हुई बैठक में माता ज्वाला जी से पवित्र ज्योति लाने के लिए 13 सितंबर को प्रस्तावित यात्रा को लेकर रूपरेखा तय की गई।

हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी नवरात्रि के पावन अवसर पर यात्रियों का जत्था आगामी 13 सितंबर को बस के माध्यम से माता ज्वाला जी सहित अन्य धार्मिक स्थलों के दर्शनों के लिए रवाना होगा तथा यात्रा पूरी कर एवं पवित्र ज्योति लेकर श्रद्धालु आगामी 21 सितंबर को वापस किच्छा पहुंचेंगे।

नगर स्थित राधा कृष्ण मंदिर परिसर में मां वैष्णो देवी यात्रा समिति के तत्वावधान में आयोजित बैठक में समिति के अध्यक्ष गोविंद कुमार अग्रवाल ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी 13 सितंबर को माता ज्वाला जी से पवित्र ज्योति लाने के लिए श्रद्धालु किच्छा से रवाना होंगे। उन्होंने बताया कि 13 सितंबर को सुबह करीब 11 बजे राधा कृष्ण मंदिर से श्रद्धालुओं का जत्था धूमधाम से रवाना किया जाएगा तथा हरिद्वार में रात्रि विश्राम के बाद 14 सितंबर की सुबह गंगा स्नान के बाद सहारनपुर में मां शाकुंभरी देवी के दर्शन, खनेश्वर महादेव मंदिर, मां भद्रकाली दर्शन के बाद कुरुक्षेत्र में रात्रि विश्राम किया जाएगा। इस मौके पर समिति अध्यक्ष गोविंद अग्रवाल सहित शैली फुटेला, राकेश खुराना, विनोद फुटेला, शिव कुमार शर्मा, सुरेंद्र खुराना, सतीश चड्ढा, अनुज शर्मा, मनीष कुमार रहे।

कलश यात्रा के साथ शिव महापुराण शुरू

संवाददाता, सितारगंज

अमृत विचारः श्रावण मास की शुरुआत के साथ ही श्री सनातन धर्म मंदिर में बुधवार को धर्म और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला। यहां शिवभक्तों की भारी भीड़ की मौजूदगी में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ साप्ताहिक श्री शिव महापुराण कथा का भव्य शुभारंभ हुआ। कथा से पूर्व महिलाओं श्रद्धालुओं ने पूजन-अर्चन कर कलश यात्रा निकाली। यह भव्य कलश यात्रा मंदिर परिसर से आरंभ होकर नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए पुनः व्यास गद्दी पर पहुंची, जहां इसका विधिवत समापन हुआ।

कथा वाचन के लिए विशेष रूप से वृंदावन से पधारे प्रसिद्ध संत पंडित राम जी महाराज ने प्रथम दिवस पर महत्तम सोनिक जी द्वारा सूत जी को शिवपुराण की महिमा का वर्णन किया। कथा में भगवान शिव की अनंत महिमा, अवतार, विवाह, लीलाएं और भक्ति का विस्तार से वर्णन किया गया। कथा आयोजन समिति और नगरवासियों के सहयोग से यह आयोजन भव्य रूप ले रहा है। कलश यात्रा और आयोजन में शिवकुमार मित्तल, महेश मित्तल, सुरेश सिंघल, सुरेश अग्रवाल, कपिल मित्तल, सुरेश जैन, भीमसेन गर्ग, अंकुर गर्ग, प्रदीप गर्ग, भगवान सिंह भंडारी, शीतल सिंघल, राजेश जिंदल, संदीप बंसल, रमेश गुप्ता, योगेंद्र बंसल, सुनील गर्ग, मथुरा प्रसाद तिवारी, पीयूष गर्ग, विंदेश जायसवाल, संगीता मित्तल, राजरानी गर्ग, जूही गर्ग, धर्मा देवी, मिथिलेश गुप्ता, सरिता मित्तल, सुधा जिंदल, मधु गोयल, शिवानी गोयल आदि ने सहभागिता निभाई।

सितारगंज में कलश यात्रा के लिए तैयार भक्त। ● अमृत विचार

आगाज — हरेला पर्व पर फ्रेगरेंस फॉरेस्ट कार्यक्रम के साथ हुई शुरुआत, महापौर विकास शर्मा ने किया कार्यक्रम का शुभारंभ

सीबीजी प्लांट परिसर में जापानी तकनीक से विकसित होगा वन

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचारः फाजलपुर महरौला स्थित नगर निगम के सीबीजी प्लांट परिसर में जापान की मियावाकी तकनीक से वन विकसित किया जाएगा। हरेला पर्व पर फ्रेगरेंस फॉरेस्ट कार्यक्रम के साथ इसकी शुरुआत की गयी। इसका शुभारंभ नगर निगम रुद्रपुर के महापौर विकास शर्मा ने किया।

बुधवार को कार्यक्रम के दौरान महापौर ने बताया कि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सराहनीय पहल करते हुए इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल डेवलपमेंट (आईएसडी), नगर निगम रुद्रपुर और टाटा मोटर्स पंतनगर के सहयोग से इस प्लांट परिसर में वन विकसित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जापान की मियावाकी तकनीक पर करीब एक एकड़ में जंगल विकसित किया जाएगा। इसकी तकनीक की खास बात ये है कि इसमें जो पौधे लगाये जाते हैं वह एक-दूसरे को सपोर्ट करते हैं। साथ ही कम समय में जंगल विकसित होता है। उन्होंने कहा कि अगर नगर निगम यह प्रयोग सफल रहा तो भविष्य में शहर के अन्य स्थानों पर भी इस तरह के जंगल विकसित किए जाएंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक पेड़ मां के नाम अभियान का उल्लेख करते हुए महापौर ने बताया कि प्रदेश में हरेला पर्व के अवसर पर पांच लाख से अधिक पौधे रोपित किए जाने का लक्ष्य तय किया गया है। जिसकी शुरुआत आज हो चुकी है। उन्होंने सभी से आह्वान किया कि वे पर्यावरण सुरक्षा की इस मुहिम में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें और हर घर, हर मोहल्ले में हरियाली लाने में योगदान दें। कार्यक्रम के अंत में पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया गया।

सीबीजी प्लांट में पौधरोपण करते महापौर विकास शर्मा व अन्य। ● अमृत विचार

हर समाज को दी जाएगी पौधों के संरक्षण की जानकारी

रुद्रपुर : शहर में पंजाबी समाज, अग्रवाल समाज, बंगाली समाज, कुमाऊंनी समाज, बंगाली समाज, ब्राह्मण समाज, क्षत्रिय समाज सहित अलग-अलग वर्गों की संस्थाओं को पौधे लगाने के साथ ही उनके संरक्षण की जिम्मेवारी भी दी जाएगी। साथ ही उस वन का नाम समाज के नाम पर रखा जाएगा।

लगाए जाएंगे हरसिंगार, मधु कामिनी, रात की रानी के पौधे

रुद्रपुर : आईएसडी के अध्यक्ष डॉ. अमित कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि फ्रेगरेंस फॉरेस्ट में हरसिंगार, मधु कामिनी, रात की रानी, दिन का राजा, चंपा, कृष्ण कंवल, मधुमालती जैसे सुगंधित पौधों का रोपण किया जा रहा है। जो न केवल वातावरण को स्वच्छ बनाएंगे, बल्कि वातावरण में सुगंध भी घोलेंगे। आयोजकों ने बताया कि आने वाले समय में फ्रेगरेंस फॉरेस्ट को एक पर्यावरणीय मॉडल के रूप में विकसित किया जाएगा जो अन्य संस्थानों के लिए भी प्रेरणास्रोत बनेगा।

ये रहे मौजूद

आईएसडी की परियोजना निदेशक बिंदु वासिनी, नगर आयुक्त नरेश दुर्गापाल, उपनगर आयुक्त शिप्रा जोशी पांडे, सहायक नगर आयुक्त राजू नबियाल, भाजपा मंडल अध्यक्ष सुनील ठुकराल, हरजीत राठी, योगेश वर्मा, पार्षद नूरुद्दीन, बाबू खान, अशफाक चिराग कालरा, पवन राणा, राजेंद्र राठौड़, कैलाश राठौर, गिरीश पाल, शालू पाल, नीतू रॉय, मानवेंद्र रॉय, संतोष गुप्ता, राधे शर्मा, इंद्रजीत सिंह, राज कोली, राजू कोली, महेंद्र पाल मौर्य, राजन राठौर, देवेंद्र सिंह बामल, टाटा मोटर्स की ओर से सीएसआर मैनेजर प्रीतम मोतीलाल, प्रदीप सांगवान, हर्षल, निखिल टंडन आदि लोग मौजूद रहे।

मंडलायुक्त के साथ डीएम, कुलपति और अन्य अधिकारी रहे मौजूद, हरेला उद्यान और शिवालिक भवन परिसर में हुआ पौधरोपण

प्रकृति के साथ सामंजस्य का प्रतीक है हरेला पर्वः मंडलायुक्त

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचारः उत्तराखंड के पारंपरिक पर्यावरण पर्व हरेला के शुभ अवसर पर गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय पंतनगर परिसर में मंडलायुक्त दीपक रावत, जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया एवं कुलपति डॉ. मनमोहन सिंह चौहान ने संयुक्त रूप से हरेला उद्यान एवं शिवालिक भवन परिसर में पौधरोपण किया। इसके बाद टांडा रेंज में मंडलायुक्त, जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी एवं प्रभागीय वनाधिकारी उमेश तिवारी ने पौधरोपण किया।

बुधवार को कार्यक्रम के दौरान मंडलायुक्त ने कहा कि हरेला केवल एक पर्व नहीं, बल्कि प्रकृति के साथ हमारे सामंजस्य का प्रतीक है और हमें इसे जीवनशैली का हिस्सा बनाना चाहिए। उन्होंने अधिकाधिक पौधरोपण को जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए आवश्यक बताया। उन्होंने कहा की जहां हरियाली है वहीं खुशहाली है। जिलाधिकारी ने कहा कि जनभागीदारी से ही पर्यावरण संरक्षण संभव है। हरेला जैसे पर्व इसके लिए जनजागरूकता का सशक्त माध्यम बन सकते हैं। कुलपति डॉ. चौहान ने विश्वविद्यालय की भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि पंतनगर विश्वविद्यालय हमेशा से पर्यावरणीय शोध एवं संवर्धन में अग्रणी रहा है और इस दिशा में छात्रों एवं कर्मियों को निरंतर प्रेरित किया जा रहा है। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी दिवेश शाशनी, एसडीओ वन शशि देव, उपजिलाधिकारी मनीष बिष्ट, गौरव पांडे, विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी, छात्र, वन रेंजर, वन कर्मी एवं पर्यावरण प्रेमी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

पौध लगाने के बाद पानी डालते मंडलायुक्त दीपक रावत, साथ में डीएम, कुलपति व अन्य।

प्रकृति की सुरक्षा के लिए पौधारोपण के साथ संरक्षण भी जरूरी

रुद्रपुर : हरेला पर्व पर बनवासी कल्याण आश्रम और गल्फार कंपनी ने एनएच 74 पर पौधारोपण किया और उनकी सुरक्षा का जिम्मा उठाया। इस दौरान नीम बरगद, पीपल, इमली, गुलमोहर समेत सैकड़ो पौधों लगाये गये। बनवासी कल्याण आश्रम के संगठन मंत्री डालचंद ने कहा कि प्रकृति की सुरक्षा के लिए पौधारोपण बेहद आवश्यक है और सदैव पौधों की रक्षा करनी चाहिए। वरिष्ठ भाजपा नेता भारत भूषण चुघ ने कहा कि जिस प्रकार से देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक पेड़ मां के नाम का संदेश दिया है उसी को सार्थक करते हुए समय-समय पर पौधारोपण किया जा रहा है। यहां नेशनल हाईवे के प्रोजेक्ट डायरेक्टर विकास मित्तल, कंपनी के हेड आलोक चौधरी, राहुल शर्मा, दिनेश कपूर, बिट्टू शर्मा, दीपक पाठक, कमल राणा, अभिषेक तिवारी, रमेश जोशी, राहुल तिवारी, प्रेम, काजल, आरती, वर्षा, गंगा समेत तमाम लोग मौजूद थे

हरेला पर्व पर पौधरोपण के साथ संरक्षण का लिया संकल्प

रुद्रपुर : हरेला पर्व पर पर जिला चिकित्सालय, समस्त उप-जिला चिकित्सालय, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, उप केंद्र एवं आयुष्मान आरोग्य मंदिर में पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस दौरान 500 पौधे लगाए गए। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. केके अग्रवाल ने कार्यालय परिसर में पौधरोपण किया। साथ ही कहा कि इस अभियान के माध्यम से हम पर्यावरण संरक्षण और हरेला पर्व के महत्व को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठा रहे हैं। इस अवसर पर अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. हरेंद्र मालिक, डॉ. महेंद्र जायसवाल, जिला समन्वयक प्रदीप महर, फेहमीना, अशोक, प्रमोद कुमार आदि उपस्थित थे।

उत्तराखंड के लोकप्रिय हरेला पर्व पर जहां लोग पर्यावरण को बचाने के लिए पौधरोपण के साथ संरक्षण का संकल्प ले रहे हैं। वहीं यह नन्ही बच्ची भी पारंपरिक अंदाज में पर्यावरण को लेकर पौधों के संरक्षण के लिए आगे आई। ● अमृत विचार

एक नजर

अस्पताल संचालक के बंद घर से पानी की टंकियां चोरी

काशीपुर : अस्पताल संचालक के बंद घर का ताला तोड़कर चोरों ने कमरों से पानी की टंकियां चोरी कर ली। अस्पताल संचालक ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। मुरादाबाद रोड स्थित प्रगति हास्पिटल संचालक डॉ. तनु राठौर ने पैगा पुलिस चौकी में तहरीर सौंपी। कहा कि उसका अलीगंज रोड स्थित साउथ सिटी में विला है। जो करीब दो महीने से खाली है। बीते दिनों कॉलोनी में मेंटेनेंस का कार्य देखने वाले व्यक्ति ने सूचना दी कि उनके विला के ताले तोड़कर चोरों ने पानी की टंकियां चुरा ली। पुलिस ने जांच के बाद उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

मजदूर ने किया आत्महत्या का प्रयास

काशीपुर : संदिग्ध परिस्थितियों में एक व्यक्ति ने अज्ञात कारणों के चलते फांसी लगाकर आत्महत्या करने का प्रयास किया। जानकारी के अनुार ग्राम फिरोजपुर निवासी चंद्रपाल मजदूरी का काम करता है। मंगलवार की देर रात उसका किसी बात को लेकर घर में विवाद हो गया। जिसके बाद गुस्से में उसने फांसी लगाने का प्रयास किया। हालत बिगड़ती देख परिजनों ने उसे एलडी भट्ट राजकीय उप जिला चिकित्सालय पहुंचाया। जहां चिकित्सक ने उपचार के बाद छुट्टी दे दी है।

न्यूजीलैंड से गुरी ने फैलाया हथियारों का बड़ा नेटवर्क

डेढ़ साल पहले वर्क वीजा पर गया था, अब हो रहे सनसनीखेज खुलासे

अपराध

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचारः एसटीएफ और थाना आईटीआई पुलिस के ज्वाइंट ऑपरेशन में मंगलवार को दो ऑटोमैटिक पिस्टल व दो मैगजीन की बरामदगी और एक सप्लायर की गिरफ्तारी के मामले का खुलासा किया था। प्रकरण की तफ्तीश में पता चला है कि न्यूजीलैंड बैठा गुरविंदर सिंह उर्फ गुरी ही अपने गुर्गों से हथियारों की सप्लाई करवाता है और विदेश में बैठे-बैठे ही मुनाफा लेता है। जिसके साक्ष्य एसटीएफ को मिल चुके है और एसटीएफ व पुलिस ने अपनी तफ्तीश को तेज कर दिया है।

बताते चलें कि एसटीएफ व आईटीआई पुलिस ने आर्यनगर काशीपुर निवासी हर्ष शर्मा को .32 बोर की दो ऑटोमेटिक पिस्टल व दो मैगजीन बरामद की थी। पूछताछ में पता चला कि हथियार सप्लाई करने वाला हर्ष महज एक मोहरा है, जबकि इसका मास्टर माइंड न्यूजीलैंड बैठा काशीपुर निवासी गुरविंदर सिंह बाजवा उर्फ गुरी ही है। एसटीएफ प्रभारी एमपी सिंह ने बताया कि प्रारंभिक पड़ताल में पता चला कि डेढ़ साल पहले गुरविंदर सिंह वर्क वीजा पर न्यूजीलैंड गया था।

वर्तमान में वह न्यूजीलैंड में कीवी की खेती करने वाली एक फर्म में नौकरी करता है। बताया कि गुरी काशीपुर का ही रहने वाला है और उसकी इलाके में अच्छी खासी पैठ भी है। यही कारण है कि गुरी तराई भावर में अपना नेटवर्क खड़ा करके हथियार सप्लाई करवाकर मोटा मुनाफा कमाना चाहता है और एक कंपनी में नौकरी कर लोगों को भ्रमित करता है। पड़ताल में एसटीएफ को कई साक्ष्य मिले हैं जो यह दर्शाते हैं कि इंडिया से न्यूजीलैंड स्थित खाते में काफी पैसों का आदान प्रदान हुआ है।

ऊंचे ओहदे वालों ने भी खरीदे हथियार

रुद्रपुर : एसटीएफ की गिरफ्त में आए हथियार सप्लायर से हुई पूछताछ में पता चला कि पिछले आठ माह से गुरी तराई भावर में सक्रिय हुआ है। अब तक कई ऑटोमैटिक पिस्टल सप्लाई कर चुका है। जिसमें कई ऐसे ऊंचे औहदे या फिर शैक्षिक एवं धार्मिक संस्थानों से जुड़े लोग भी हैं, जिन्होंने अवैध पिस्टल खरीदे हैं। ऐसे लोगों को पुलिस एवं एसटीएफ ने चिह्नित भी कर लिया है।

यूपी से बनकर आते हैं असलहे

रुद्रपुर : एसटीएफ की तफ्तीश में पता चला है कि .32 बोर की ऑटोमेटिक पिस्टल कहीं विदेश नहीं, बल्कि यूपी से निर्मित होती है। यूपी में कई ऐसे अवैध हथियार बनाने वाले हैं जो आधुनिक एवं आकर्षक हथियार बनाने में एक्सपर्ट हैं। जांच में यह भी पता चला है कि हथियार सप्लायर हर्ष शर्मा प्रत्येक पिस्टल के डेढ़ लाख का बेचता था। जिसमें से 50 हजार रुपये गुरी को जाते थे।

पुलिस ने किया लावारिस शव का अंतिम संस्कार

काशीपुरः आईटीआई थाना क्षेत्र में बरामद हुए लावारिस शव की शिनाख्त नहीं होने पर पुलिस ने मृतक का अंतिम संस्कार कर दिया। बता दें कि बीते रविवार को आईटीआई थाना पुलिस को बहला पुल के पास एक शव बरामद हुआ था। आसपास लोगों से पूछताछ की, लेकिन शव की शिनाख्त नहीं हो पाई। पुलिस ने शव मोर्चरी में रखवा कर उसकी शिनाख्त के प्रयास किए। तीन दिन बाद भी शिनाख्त नहीं हो पाने के बाद बुधवार को पुलिस ने मृतक का अंतिम संस्कार कर दिया। पुलिस के अनुसार मृतक के शरीर पर किसी प्रकार की चोट या घाव के निशान नहीं थे।

पुलिस ने तीन वारंटी दबोचे

खटीमाः त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के दृष्टिगत पुलिस द्वारा चलाए जा रहे अभियान के तहत कोतवाली खटीमा न्यायालयों से जारी वारंट में लगातार फरार चल रहे आफताब निवासी दियूरी, विजय सिंह निवासी ग्राम भट्टा भूड़िया और राजेंद्र सिंह उर्फ़ राजू निवासी भड़ा भूड़िया को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया। पुलिस टीम में उपनिरीक्षक अशोक काण्डपाल, पंकज महर, दीपक, शहनवाज, मो मोहसिन और देवेंद्र सिंह शामिल रहे।

बहन के साथ जा रहे मासूम को कार ने कुचला, गई जान

- हादसे के बाद परिवार में कोहराम मचा
- पुलिस ने शव को कब्जे में ले पोस्टमार्टम के लिए भेजा

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचारः नैनीताल स्टेट हाईवे नमूना के नजदीक बुधवार की सुबह लगभग साढ़े ग्यारह बजे तेज रफ्तार कार चालक ने अपनी बहन के साथ पैदल जा रहे 8 वर्षीय बच्चे को अपनी चपेट में ले लिया। जिससे उसकी मौत हो गई। इस दौरान आसपास के लोग आनन-फानन बच्चे को लेकर बाजपुर के उप जिला चिकित्सालय पहुंचे। जहां चिकित्सकों ने जांच के उपरांत उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं घटना से परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया हैं।

मयंक (फाइल फोटो)।

जानकारी के अनुसार मूल रूप से गांव नंदरौली बबराला बदायूं उत्तर प्रदेश निवासी 8 वर्षीय मयंक पुत्र योगेंद्र अपनी बहन मन्नत के साथ जून माह की छुट्टियों में भट्टपुरी के बूढ़ी स्थित अपनी नानी के घर आया था। जो कि बुधवार को नमूना में स्थित एक गुरुद्वारा साहिब से कार्यक्रम से शामिल होकर पैदल अपने नानी के घर जा रहा था। कि इसी बीच नमूना के नजदीक तेज रफ्तार कार चालक ने मयंक को अपनी चपेट में ले लिया था। जिस कारण उसकी मृत्यु हो गई।

बाजपुर में सरकारी अस्पताल में रोते-बिलखते परिजन। ● अमृत विचार

रोड पार कर रही बालिका को बाइक ने मारी टक्कर

बाजपुर : सामने रोड पार कर रही छह वर्षीय बालिका को बाइक सवार ने टक्कर मार दी जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गई, जिसे उपचार के लिए निजी चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है। ग्राम बन्नाखेड़ा निवासी प्रियांशी (6) पुत्री शोर सिंह बुधवार को मंदिर के सामने रोड क्रास कर रही थी। इसी बीच तेज रफ्तार बाइक सवार ने बच्ची को जोरदार टक्कर मार दी जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना के बाद आसपास के व्यापारियों व राहगीरों की मदद से घायल को निजी चिकित्सालय में भर्ती कराया, जहां उसका उपचार चल रहा है। घटना के चलते मौके पर काफी देर तक अफरातफरी का माहौल बना रहा।

अब विसरा रिपोर्ट सुलझाएगी सुनीता मौत प्रकरण की गुत्थी

- 15 जुलाई की रात्रि हुई थी विवाहिता की मौत
- मुंह से निकल रहा था झाग, पुलिस ने शुरू की जांच

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचारः थाना ट्रांजिट कैंप में सुनीता मौत प्रकरण की गुत्थी सुलझाने के लिए पुलिस ने विसरा को जांच के लिए भेजने का निर्णय लिया है। कारण प्रारंभिक रिपोर्ट जहां मौत का कारण बीमारी बता रही है। मुंह से झाग निकलना हत्या या फिर सुसाइड की ओर इशारा कर रही है। घटनास्थल भी पति का नहीं, बल्कि देवर का घर था। बावजूद पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया और जांच शुरू कर दी है।

सुनीता (फाइल फोटो)।

जानकारी के अनुसार वार्ड-दो ट्रांजिट कैंप निवासी चंदन राजभर अपनी 37 वर्षीय पत्नी सुनीता के साथ रहता है। बताया जा रहा है कि 15 जुलाई की शाम को सुनीता अपने देवर शिवनगर निवासी राकेश के घर पर गई थी। जहां दोनों ने खिचड़ी बनाकर खाई और खाना खाकर राकेश सो गया, जबकि सुनीता कमरे से निकलकर जैसे ही मछली मार्केट स्थित दुकान पर पहुंची। अचानक सुनीता के मुंह से झाग निकलने लगा और आनन फानन में देवर द्वारा ही जिला अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं सूचना मिलने पर मृतका का पति चंदन भी अपने बेटे के साथ अस्पताल पहुंचा। सूचना मिलने पर पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना किया। पुलिस ने जब शव का पोस्टमार्टम कराया तो मौत का कारण टीवी होना निकला और फेफड़ों में डेढ़ लीटर पानी भी भरा पाया गया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में भी स्पष्ट है कि जहर के कारण मौत नहीं हुई है, लेकिन झाग आने को लेकर डॉक्टर भी असमंजस में है। थाना प्रभारी मोहन चंद्र पांडेय ने बताया कि बिसरा को सुरक्षित कर जांच के लिए भेजी जाएगी। उसके बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सौड़ में लगेगा फोर-जी टावर, मिली स्वीकृति

नैनीतालः नैनीताल के दूरस्थ क्षेत्र सौड़ में बीएसएनएल के फोर-जी टावर लगाने के प्रस्ताव को स्वीकृती मिल गई है। टावर स्थापित होने से सौड़ समेत बांसी, दौनियाखान, मणिया, लदवांसी आदि गांवों के लोगों को भी अब नेटवर्क की सुविधा मिल सकेगी।

जानकारी के मुताबिक दूरसंचार विभाग ने यहां अपना टावर स्थापित करने को भूमि का भी सर्वे कर लिया है। जल्द ही इसका कार्य शुरू कर दिया जाएगा। टावर सोलर एनर्जी से संचालित होगा। दूरसंचार विभाग के डिविजन इंजीनियर विकास कुमार मेहरा ने बताया कि सौड़ में सोलर पैनल वाले 4-जी टावर को स्थापित करने के प्रस्ताव को स्वीकृती मिल गई है।

कॉस्मेटिक की दुकान में लगी आग, सामान राख

- अग्निशमन के कर्मचारियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पाया काबू

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचारः निगम स्थित बाजार में एक दुकान की चौथी मंजिल पर स्थित एक दुकान में आग लग गई। धुआं उठता देख लोगों में अफरातफरी मच गई। सूचना पर आसपास के दुकानदार भी मौके पर पहुंच गए। फायर यूनिट ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया।

जानकारी के अनुसार मंगलवार रात नगर निगम बाजार स्थित लकी कार्नर की चौथी मंजिल पर कॉस्मेटिक की दुकान पर अचानक आग लग गई। वहां धुआं उठता देख लोगों ने फायर स्टेशन में सूचना दी। इसके बाद प्रभारी अग्निशमन अधिकारी चंदन सिंह बिष्ट के नेतृत्व में दो फायर यूनिट मौके पर पहुंची। यहां चौथी मंजिल में आग लगने से दुकान के अंदर धुआं ही धुआं फैल गया था। फायर यूनिट ने जीने के सहारे ऊपर जाकर हाई प्रेशर पंप से एक होज रील लगाकर पंपिंग कर आग बुझाना आरंभ किया। कड़ी मशक्कत के बाद आग को दुकान की अन्य तलों में फैलने से रोकते हुए पूर्ण रूप से बुझाया गया। अग्निशमन अधिकारी ने बताया कि आग से कोई जनहानि नहीं हुई है। बताया कि दुकान में रखा अधिकांश समान जल गया था। नुकसान का आंकलन अभी नहीं किया गया है। आग लगने का कारण शार्ट सर्किट बताया जा रहा है। टीम में चालक पंकज कुमार, सुमित पवार, फायरमैन प्रकाश चंद्र, अर्जुन सिंह, बीरबल सिंह, महिला फायरमैन कविता व राधिका रहे।

काशीपुर में कॉस्मेटिक की दुकान में लगी आग को बुझाते अग्निशमन कर्मचारी।

पुण्य का काम | इंस्पेक्टर किच्छा धीरेंद्र कुमार असहाय बच्चों की सेवा के लिए आगे आए

थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों के लिए किया रक्तदान

संवाददाता, किच्छा

अमृत विचारः श्री गुरु रामदास सेवा ट्रस्ट ने थैलेसीमिया रोग से पीड़ित बच्चों के लिए रक्तदान शिविर का आयोजन किया जिसमें कोतवाली प्रभारी निरीक्षक धीरेंद्र कुमार ने आगे आकर रक्तदान किया। कोतवाल धीरेंद्र कुमार द्वारा किए गए कार्य की तमाम लोगों ने सराहना की है।

शिविर आयोजक श्री गुरु रामदास सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष रक्तवीर हरविंदर सिंह चुघ ने बताया कि उनकी संस्था द्वारा विगत कई वर्षों से रक्तदान के क्षेत्र में जनमानस को जागरूक करने के उद्देश्य से रक्तदान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि मरीज को इमरजेंसी के समय ब्लड की तत्काल जरूरत पड़ने के चलते युवाओं को रक्तदान के लिए प्रेरित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि थैलेसीमिया रोग से पीड़ित बच्चों को इलाज के दौरान 15 दिनों के अंतराल में रक्त की जरूरत होती है, ऐसी स्थिति में पीड़ित बच्चों के लिए रक्त की व्यवस्था पूर्व में ही की जाती है।

उन्होंने बताया कि प्रभारी निरीक्षक धीरेंद्र कुमार द्वारा थैलेसीमिया पीड़ित बच्चे के लिए रक्तदान की इच्छा जाहिर कर उनसे संपर्क किया गया। इसके बाद उन्होंने रुद्रपुर चैरिटेबल ब्लड बैंक से संपर्क कर ब्लड डोनेट करने की व्यवस्था कराई। कोतवाल धीरेंद्र कुमार ने ब्लड बैंक पहुंचकर स्वेच्छा से रक्तदान किया और संस्था द्वारा रक्तदान के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की सराहना कर हर संभव मदद का भी भरोसा दिलाया। कोतवाल धीरेंद्र कुमार के रक्तदान करने पर ब्लड बैंक के प्रबंधक सत्यम शर्मा एवं लैब टेक्नीशियन दिव्यांशु विश्वकर्मा, संस्था अध्यक्ष हरविंदर सिंह चुग्घ ने सराहना कर उनका आभार जताया। इस मौके पर सन्नी गाबा, सिमरन चावला, नीरज उपाध्याय, पंडित जितेंद्र शर्मा, गुरनाम सिंह, लक्की चिलाना आदि लोग मौजूद रहे।

शिविर में रक्तदान करते कोतवाल धीरेंद्र कुमार एवं उपस्थित संस्था के सदस्य।

बुजुर्ग की हृदयगति रुकने से हुई मौत

नैनीतालः नैनीताल के मल्लीताल निवासी 65 वर्षीय अख्तर खान की बुधवार को हृदय गति रुकने से मौत हो गई। डॉ. मोनिका कांडपाल ने बताया कि अख्तर खान को पहले से ही हृदय संबंधी परेशानियां थीं। जिस कारण प्रथम दृष्टया हृदय गति रुकने से मृत्यु होने का अनुमान है। अस्पताल में शव को मृत अवस्था में ही लाया गया था।

कूड़े का निस्तारण

नैनीतालः नगर पालिका का विशेष सफाई अभियान तीसरे दिन बुधवार को भी जारी रहा। इस दौरान राजभवन वार्ड में झाड़ी कटान और सफाई कर एकत्र कूड़े का निस्तारण किया गया। अभियान के दौरान राजस्व, लोनिवि, संत निरंकारी मिशन के स्वयंसेवकों व पर्यावरण मित्रों ने अपनी सक्रिय भागीदारी निभाई।

पालिका में शामिल गांवों के बचे हुए लोग मताधिकार से हैं वंचित

- कई बार ज्ञापन देने के बावजूद नहीं हुई कार्रवाई

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचारः नगर पालिका सीमा वृद्धि में सम्मिलित दो ग्राम सभाओं के अवशेष भाग के मतदाता नगर पालिका के बाद अब त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में भी मताधिकार से वंचित हो रहे हैं। इस प्रकार के मतदाताओं की संख्या लगभग एक हजार से अधिक बतायी जा रही है।

नगर पालिका की सीमा वृद्धि में उम्रखुर्द एवं मुड़ेली ग्राम सभा का अधिकांश भू-भाग आबादी सहित सम्मिलित किया गया था। दोनों ग्राम सभाओं का कुछ भू-भाग आबादी सहित नगर पालिका में सम्मिलित नहीं हो सका। दोनों ग्राम सभाओं के शेष भाग के ग्रामीण नगर पालिका सहित ग्राम सभा से मिलने वाली सुविधाओं के साथ ही मताधिकार के प्रयोग से भी वंचित चल रहे हैं। इन ग्रामीणों की मौजूदा स्थिति का सत्यापन राजस्व विभाग सहित खंड विकास अधिकारी कार्यालय से हुआ था। एसडीएम, हल्का पटवारी, बीडीओ, ईओ एवं एडीओ पंचायत द्वारा उचित कार्रवाई के लिए एक संयुक्त रिपोर्ट शासन को भेजी थी। रिपोर्ट में दोनों ग्राम सभाओं के अवशेष भू-भाग में रहने वाली ग्रामीणों की अलग ग्राम सभा बनाने अथवा अवशेष भू-भाग को समीप की ग्राम सभाओं में जोड़ने का भी सुझाव दिया था। बीडीओ धर्मेन्द्र सिंह कन्याल ने बताया कि संयुक्त रिपोर्ट पर शासन स्तर पर शीघ्र ही उचित कार्रवाई हो सकेगी। वर्ष 1911 की जनगणना के अनुसार मतदाताओं की संख्या एक हजार से कम तथा आंगनबाड़ी स्तर पर हुई जनगणना के अनुसार इन अवशेष ग्राम सभा के भू-भाग पर एक हजार मतदाताओं से अधिक संख्या बताई जाती है। मुड़ेली ग्राम के पूर्व प्रधान रामरेशर सिंह राणा बताते हैं कि मताधिकार से वंचित ग्रामीणों के संबंध में कई बार ज्ञापन सौंपा। डीपीआरओ ने मौके पर पहुंचकर आश्वासन दिया कि एक संयुक्त टीम द्वारा सर्वे कर रिपोर्ट शासन को भेजी गई है। लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हो सकी।

न विना परवादेन रमते दुर्जनोजन:।
काक :सर्वरसान भुक्ते विनामध्यम न तृप्यति।।

लोगों की निंदा किये बिना दुष्ट व्यक्तियों को आनंद नहीं आता। जैसे कौवा सब रसों का भोग करता है। परंतु गंदगी के बिना उसकी तृप्ति नहीं होती।

संपादकीय

विकल्पों पर जोर

वैश्विक प्राथमिक ऊर्जा का लगभग 4/5वां हिस्सा कोयला, तेल और गैस से आता है। आने वाले दशकों में, हमें कम कार्बन वाले ऊर्जा स्रोतों को अपनाकर इस हिस्से को तेज़ी से कम करना होगा। ऊर्जा और जलवायु परिवर्तन राजनीतिक रूप से ध्रुवीकरण करने वाले मुद्दे बने हुए हैं। जबकि अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी ने कहा है कि शहरीकरण और औद्योगीकरण के कारण वर्ष 2030 तक भारत की ऊर्जा मांग प्रति वर्ष तीन प्रतिशत से अधिक तक बढ़ सकती है। तेजी से उभर रही अर्थव्यवस्था में परिवहन ईंधन के लिए भारत में मांग का बढ़ना जारी रहेगा। जबकि अन्य देशों में यह स्थिर है या इसमें गिरावट आ रही है। भारत अपनी तेल आवश्यकताओं के 80 प्रतिशत भाग का आयात करता है और दुनिया में तीसरा सबसे बड़ा तेल उपभोक्ता है। इसके साथ ही, भारत की ऊर्जा खपत के अगले 25 वर्षों तक प्रत्येक वर्ष 4.5 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान किया जाता है। यानि 2030 तक भारत दुनिया का सबसे बड़ा तेल आयातक बन सकता है। 2030 तक भारत में प्रतिदिन तेल की खपत 66 लाख बैरल हो जाएगी। कहा जा सकता है कि सरकार ने जीवाश्म ईंधन के विकल्पों पर जोर देकर सही किया है। गौरतलब है कि जी-20 शिखर सम्मेलन के मौके पर भारत के नेतृत्व वाले समूह, ग्लोबल बायोफ्यूल एलायंस ने पेट्रोलियम जैसे जीवाश्म ईंधन के विकल्प के रूप में जैव ईंधन के उत्पादन और उपयोग को बढ़ावा देने का निर्णय लिया था। जैव ईंधन बायोमास से बने ईंधन हैं, जैसे कि पौधे या अपशिष्ट पदार्थ जिन्हें ऊर्जा में परिवर्तित किया जा सकता है। जैव ईंधन के समर्थकों का तर्क है कि वे जीवाश्म ईंधन के विपरीत ऊर्जा का एक स्थायी और नवीकरणीय स्रोत हैं जो सीमित हैं और अंततः समाप्त हो जाएंगे। इसके अतिरिक्त, यह भी कहा जाता है कि जैव ईंधन जीवाश्म ईंधन की तुलना में कम ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन करता है, जिससे यह अधिक पर्यावरण-अनुकूल विकल्प बन जाता है। जीवाश्म ईंधन दुनिया भर में 70 प्रतिशत कार्बन डाई आक्साइड उत्सर्जन के लिए जिम्मेदार है। शोधकर्ताओं का अनुमान है कि वायु प्रदूषण प्रतिवर्ष होने वाली 80 लाख मौतों के लिए जिम्मेदार है।

इस परिदृश्य में ऊर्जा सुरक्षा के निरंतर जोखिमों को कम करने के लिए नवीकरणीय स्रोतों की ओर संक्रमण में तेजी लाना और जीवाश्म ईंधन की प्रमुखता को तेजी से समाप्त करना भारत की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक है। हालांकि सरकार का लक्ष्य तेल की खोज में निजी क्षेत्र का निवेश बढ़ाने का है। ऐसे में भारत घरेलू उत्पादन और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला मजबूत करने पर ध्यान दे। साथ ही जैव ईंधन के उत्पादन और उपयोग से जुड़ी पर्यावरणीय और आर्थिक चुनौतियों का समाधान करके स्वच्छ, टिकाऊ और अधिक सुरक्षित ऊर्जा के लिए जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता को कम करे।

शुभांशु की धरती पर वापसी बड़ी वैज्ञानिक उपलब्धि

सुनील कुमार महला
स्तंभकार

आज मानव अंतरिक्ष के क्षेत्र में लगातार आगे बढ़ रहा है, और इस मिशन ने मनुष्य सामर्थ्य का एक नया अध्याय खोलकर मानवता के समक्ष रख दिया है। कहना ग़लत नहीं होगा कि भारतीय अंतरिक्ष अभियानों के लिए यह अभियान मील का पत्थर साबित होगा।

भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला की धरती पर सकुशल वापसी हम सभी के लिए बहुत ही हर्ष और खुशी का विषय है। उनकी धरती पर सकुशल वापसी यह दिखाती है कि यदि मन में विश्वास, दृढ़ संकल्प, कुछ कर गुजरने की तमन्ना, समर्पण, साहस और जज्बा हो तो उसे सफलता जरूर हासिल होती है। शुभांशु 18 दिन अंतरिक्ष में बिताने के बाद धरती पर लौटे हैं और उन्होंने करोड़ों लोगों को प्रेरित और प्रोत्साहित किया है। कहना ग़लत नहीं होगा कि अंतरिक्ष में विभिन्न अध्ययनों के बाद शुभांशु की धरती पर वापसी भारत के लिए एक बड़ी वैज्ञानिक उपलब्धि है। शुभांशु शुक्ला और एक्सिओम-4 मिशन के तीन अन्य अंतरिक्ष यात्री इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (आइएसएस) से धरती पर लौटे तो यह हम सभी के लिए गर्व का क्षण बन गया।

शुभांशु व तीन अन्य अंतरिक्ष यात्रियों के इस मिशन की कामयाबी के लिए हम सब लगातार दुआएं मांग रहे थे, क्योंकि हमने यह देखा था कि किस प्रकार से सुनीता विलियम्स और बैरी बुच विल्मोर को नौ महीने तक अंतरिक्ष में रुकना पड़ा था। उसके कारण इस मिशन को लेकर भी कई तरह की आशंकाएं हमारे मन में थीं। वास्तव में, इस मिशन के लिए इसरो, नासा के साथ ही उनके वैज्ञानिक और तकनीशियन भूरि-भूरि प्रशंसा के हकदार हैं, जिन्होंने अपनी मेहनत, लगन से कामयाबी के शिखर को छुआ है।

आज मानव अंतरिक्ष के क्षेत्र में लगातार आगे बढ़ रहा है, और इस मिशन ने मनुष्य सामर्थ्य का एक नया अध्याय खोलकर मानवता के समक्ष रख दिया है। कहना ग़लत नहीं होगा कि भारतीय अंतरिक्ष अभियानों के लिए यह अभियान मील का पत्थर साबित होगा। भारत के लिए यह पल उपलब्धियों भरा इसलिए भी है, क्योंकि 41 साल बाद कोई भारतीय अंतरिक्ष में पहुंचा था। जिस ग्रेस यान से शुभांशु तीन अन्य सहयात्रियों के साथ धरती पर लौटे, वह 580 पाउंड (लगभग 263 किलोग्राम) सामान लेकर लौटा है, जिसमें नासा का हार्डवेयर, प्रयोगों का डेटा और इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (आइएसएस) का कुछ कचरा शामिल है। इंटरनेशनल स्पेस सेंटर यानी कि आइएसएस पर अपने प्रवास के दौरान शुभांशु ने कुछ ऐसे सैम्पल भी लिए हैं, जो भविष्य में बड़े अंतरिक्ष अभियानों के लिए भोजन, बॉयोफ्यूल व ऑक्सीजन का स्रोत बन सकते हैं। पाठकों को बताता चलूं कि अंतरिक्ष यात्री किस प्रकार से वातावरण के साथ सामंजस्य और तालमेल बिठाते हैं तथा अंतरिक्ष में रहकर वो कैसा महसूस करते हैं, वह भी इस मिशन में (एक्सिओम-4 मिशन) रिसर्च का विषय रहा है, जिसका फायदा अंतरिक्ष यात्रियों को भविष्य में मिलेगा।

शुभांशु व तीन अन्य अंतरिक्ष यात्रियों के इस मिशन की कामयाबी के लिए हम सब लगातार दुआएं मांग रहे थे, क्योंकि हमने यह देखा था कि किस प्रकार से सुनीता विलियम्स और बैरी बुच विल्मोर को नौ महीने तक अंतरिक्ष में रुकना पड़ा था। उसके कारण इस मिशन को लेकर भी कई तरह की आशंकाएं हमारे मन में थीं।

चाहे पृथ्वी से अंतरिक्ष में जाना हो अथवा अंतरिक्ष से पृथ्वी पर वापस लौटना हो, दोनों ही प्रक्रियाएं बहुत ही जटिल होतीं हैं, तथा जिसमें बाधाएं आने का खतरा सदैव बना रहता है। कहना ग़लत नहीं होगा कि स्पेसक्राफ्ट का आइएसएस से जुड़ना जितना जटिल है उतना ही जटिल उससे अलग होना भी है। वैसे भी जब भी कोई वस्तु पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश करती है तो गुरुत्वाकर्षण (ग्रेविटी) और प्रतिरोध (रेसिस्टेंस) समेत कुछ दूसरे बल भी काम करते हैं, ऐसे में बहुत दिक्कतें आतीं हैं। निश्चित ही यह मिशन भारत को अंतरिक्ष, विज्ञान के क्षेत्र में और तकनीक के क्षेत्र में नई उपलब्धियां दिलाने वाला साबित होगा और इससे अंतरिक्ष विज्ञान से जुड़े विभिन्न एक्सपेरिमेंट्स को निश्चित ही मजबूती भी मिल सकेगी।

सच तो यह है कि इस मिशन से भारत की अंतरिक्ष में बढ़ती भूमिका को मजबूती व एक नई दिशा मिली है। हमने संपूर्ण विश्व के समक्ष यह साबित कर दिया है कि अंतरिक्ष के क्षेत्र में हम वैश्विक स्तर पर एक सिरमौर देश बनने जा रहे हैं। हमने इससे पूर्व भी अंतरिक्ष के क्षेत्र में चांद पर उतरकर, सूर्य मिशन व अन्य मिशनों में अपनी श्रेष्ठता को साबित किया है। अगले लगभग हफ्ते के एकांतवास के बाद शुभांशु आम लोगों के बीच आएंगे और इसरो के वैज्ञानिक उनके प्रयोगों-अनुभवों से अंतरिक्ष में आगे की राह तलाशेंगे। हाल फिलहाल पाठकों को बताता चलूं कि भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने इस अभियान के लिए लगभग 550 करोड़ रुपये का योगदान किया है। उसकी भविष्य की योजनाओं में इस अभियान से अर्जित विभिन्न तथ्य व सूचनाएं बेहद कारगर साबित होने वाले हैं।

शुभांशु ने अंतरिक्ष में रहकर साठ से ज्यादा प्रयोग किए, जिनमें माइक्रोग्रैविटी में जैविक प्रक्रियाओं, रेडिएशन के प्रभाव, और मानव शरीर पर अंतरिक्ष के प्रभावों का अध्ययन शामिल था। वास्तव में, इन प्रयोगों से हासिल हुआ डेटा न सिर्फ गगनयान मिशन के लिए अहम है, बल्कि यह मेडिकल साइंस, खास तौर पर ब्लड ग्लूकोज प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में भी योगदान देगा और यह भविष्य की अंतरिक्ष यात्राओं के लिए उपयोगी होगा। शुभांशु ने आईएसएस पर रहते हुए कई महत्वपूर्ण वैज्ञानिक और तकनीकी अनुभव हासिल किए हैं। एक्सियम स्पेस के अनुसार, उन्होंने 'वॉयेजर डिस्प्ले' अध्ययन में हिस्सा लिया। इस स्टडी के जरिए यह समझा जाना था कि स्पेस में लंबे वक्त तक कंप्यूटर स्क्रीन को देखते रहने से आंखों पर और हैंड-आई को-ऑर्डिनेशन पर क्या असर पड़ता है। इसके अलावा शुभांशु ने इस सफर पर 'अक्वायर्ड इक्विवेलेंस टेस्ट' के जरिए से अंतरिक्ष में सीखने और अनुकूलन की क्षमता का अध्ययन भी किया गया। साथ ही इस मिशन पर रेड नैनो डोजीमीटर जैसे उपकरणों का उपयोग कर रेडिएशन के प्रभावों की निगरानी की गई, जो अंतरिक्ष यात्रियों की सुरक्षा के लिए अहम है। इतना ही नहीं, शुभांशु ने मेथी और मूंग की खेती जैसे प्रयोग भी किए, जो अंतरिक्ष में खाना उगाने की संभावनाओं को तलाशने के लिए बहुत ही अहम और महत्वपूर्ण हैं। कुल मिलाकर यह बात कही जा सकती है कि शुभांशु की इस अंतरिक्ष यात्रा से विशेषकर हमारे देश के 'गगनयान अभियान' को इससे बहुत बल मिलेगा और इस बात को स्वयं हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी रेखांकित किया है। यहां पाठकों को बताता चलूं कि भारत का पहला मानव अंतरिक्ष मिशन गगनयान 2027 में लॉन्च होने की संभावना है। अंत में यही कहूंगा कि शुमांशु की यह अंतरिक्ष यात्रा भारत के अंतरिक्ष इतिहास में एक महत्वपूर्ण अध्याय है। न सिर्फ शुभांशु राकेश शर्मा के बाद अंतरिक्ष जाने वाले दूसरे भारतीय हैं, बल्कि वह आईएसएस पर पहुंचने वाले पहले भारतीय भी हैं। स्वयं शुभांशु के शब्दों में 'आज का भारत स्पेस से निडर, कॉन्फिडेंट और गर्व से पूर्ण दिखता है।

व्यंग्य

हल्दी की खेती को बढावा देने का प्रयास

हल्दी की खेती आधुनिक तकनीकों से हो एवं इसकी कीमतें अधिक हों, इस प्रकार की मांग किसानों की ओर से लंबे समय से की जाती रही है। लिहाजा भारत में हल्दी की खेती को और पंख लगें, उत्पादक में वृद्धि हो, इन सभी तथ्यों को ध्यान में रखते हुए केंद्र सरकार ने पिछले सप्ताह एक ऐतिहासिक निर्णय लेकर 'राष्ट्रीय हल्दी बोर्ड' की स्थापना को हरी झंडी दिखाई है।

डॉ. रमेश ठाकुर
नई दिल्ली

हल्दी की आवश्यकता केवल सब्जी में उपयोग तक सीमित नहीं है, बल्कि औषधियों एवं परंपरागत रीति-रिवाजों में भी इसका उपयोग किया जाता है। हल्दी की खेती आधुनिक तकनीकों से हो एवं इसकी कीमतें अधिक हों, इस प्रकार की मांग किसानों की ओर से लंबे समय से की जाती रही है। लिहाजा भारत में हल्दी की खेती को और पंख लगें, उत्पादक में वृद्धि हो, इन सभी तथ्यों को ध्यान में रखते हुए केंद्र सरकार ने पिछले सप्ताह एक ऐतिहासिक निर्णय लेकर 'राष्ट्रीय हल्दी बोर्ड' की स्थापना को हरी झंडी दिखाई है। भारत की जीडीपी में संपूर्ण कृषि क्षेत्र का जितना योगदान रहता है, उसमें हल्दी की भूमिका अग्रणी होती है।

हल्दी पर वैज्ञानिक शोध का बड़ा हब तेलंगाना के निजामाबाद में बन रहा है। हल्दी आयोग भी वहीं स्थापित होगा। वैसे हल्दी की समृद्धि के लिए यह निर्णय बहुत पहले लिया जाना चाहिए था। अगर ऐसा होता तो हल्दी उत्पादन की दृष्टि से भारत केवल दक्षिण के राज्यों पर ही निर्भर नहीं रहता, बल्कि पूरे देश में इसका विस्तार हो चुका होता। वस्तुतः हल्दी उत्पादन में आधुनिक शोध की आवश्यकता बहुत पहले से महसूस हो रही है। आयोग अब नई-नई प्रजातियों की खोज करेगा। बदलती परिस्थितियों में हम अब इस सच्चाई से भलीभांति परिचित होते जा रहे हैं कि कृषि के वैश्विक बाजार पर पकड़ बनाने के लिए हमारे पास असीम संभावनाएं हैं।

इस मामले में सबसे अच्छी बात यह हुई है कि हल्दी के किसानों की मांग को जब पिछले दिनों केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने 'राष्ट्रीय हल्दी बोर्ड' बनाकर पूरा किया। देखा जाए तो भारतीय हल्दी का बड़े वैश्विक बाजार पर बीते कई दशकों से एकाधिकार है। यह कब्जा भविष्य में भी कायम रहे, इसके लिए केंद्रीय स्तर पर नई रणनीति बनी है। वैश्विक मांग को देखते हुए अफगानिस्तान, पाकिस्तान और कजाकिस्तान जैसे देश भी हल्दी के उत्पादन को तेजी से बढ़ाने में जुटे हुए हैं। पिछले कुछ वर्षों से इन देशों ने भी हल्दी का निर्यात अफ्रीकी देशों में थोड़ा बहुत करना आरंभ किया है। ऐसे में हल्दी व्यवसाय पर केंद्र सरकार इसलिए भी ज्यादा फोकस कर रही है, क्योंकि हल्दी का जितना विस्तार होगा, उतना ही विदेशी मुद्रा भंडार मजबूत होगा।

मोटे तौर पर देखा जाए तो भारत में सालाना करीब 165 लाख टन हल्दी का उत्पादन होता है। अब इस क्षेत्र में गठित किए जा रहे 'राष्ट्रीय हल्दी आयोग' के बाद और बढ़ोतरी होने की उम्मीद जगी है। कृषि विज्ञानियों को भी हल्दी अनुसंधान के लिए नए रिसर्च प्रोजेक्ट दिए गए हैं।

अधिक गुणवत्तायुक्त हल्दी की खेती कैसे की जाए, खाद एवं कीटनाशकों का प्रयोग किसान कैसे हो, इन सबके लिए भी नई रिसर्च पर विज्ञानी जोर देंगे। आयोग की कोशिश रहेगी कि भारत में हल्दी का अधिक से अधिक उत्पादन हो, ताकि अन्य देशों को इसे निर्यात किया जा सके।

खेल और खेल का व्यापार

अमरजीत सिंह
लखनऊ

खेलों में विज्ञापन, टीवी कवरेज, सट्टेबाज़ी खिलाड़ियों के लिए अधिक कमाई का जरिया बने। जो ज्यादा दिखेगा, वही ज्यादा बिकेगा।

अनादिकाल से मानव को जीवित रहने के लिए अपने शारीरिक बल पर निर्भर रहना पड़ता था। शिकार करने के लिए मानव के दौड़ना-भागना, तैरना, पेड़ों पर चढ़ना पड़ता ही था। खेती-किसानी भी बिना शारीरिक बल के नहीं हो सकती। व्यक्तिगत और सामूहिक सुरक्षा के लिए भी शारीरिक तौर पर सक्षम होना अनिवार्य है। शारीरिक-मानसिक क्षमता के विकास के लिए प्रयास मनोरंजन के लिए न हो कर जीवन की सुरक्षा का आधार थे। वही प्रजाति बच सकी जो सबसे अधिक शक्तिशाली थी। बाद में मानव विकास के अगले चरणों में शारीरिक क्षमताओं का प्रदर्शन और प्रतिस्पर्धा कुछ हद तक मनोरंजन और धनार्जन का विषय बनने लगा। प्राणी जगत में मादा को यह अधिकार होता है कि वह वंश वृद्धि के लिए शारीरिक रूप से मजबूत और सक्षम अल्फा नर का चयन करे। इस तरह से अल्फा नर को ही समूह के नेतृत्व का अधिकार मिलता है।

ईसा पूर्व से ओलंपिक के खेल चल रहें हैं। उस समय विजेताओं को ओलिव फूल का गुलदस्ता भेंट किया जाता था। विजेता उसी से संतुष्ट रहते थे। आधुनिक समय में ओलंपिक खेलों का स्वरूप बदला और धीरे-धीरे बहुत बड़े व्यापार में तब्दील हो गया। जीतने और हारने वालों के खेल का विशलेषण होने लगा। उसके आधार पर ट्रेनिंग इक्युपमेंट और टेक्नोलॉजी का विकास होने लगा।

1980 के ओलंपिक खेल नतीजों के विश्लेषण से एक चौंकाने वाली बात सामने आयी कि अविकसित देश जहां अश्वेत जनसंख्या ज्यादा थी और अश्वेत अमेरिकी, देशों के खिलाड़ी एथलेटिक्स जैसे दौड़ना, बॉक्सिंग और जहां मुख्यतः शारीरिक क्षमताओं पर निर्भर होना होता है उसमें पदक जीतने वाले अधिकतम थे। विकसित देशों के श्वेत खिलाड़ियों का वर्चस्व फेंसिंग, तैराकी, तीर-अदांजी, वेट-लिफ्टिंग, शूटिंग, पोलवाल्ट आदि खेलों में पाया गया। इनमें भी ज्यादातर कम्युनिस्ट देशों के खिलाड़ी बड़ी संख्या में पाए गए।

ओलंपिक खेल कहां होगें इसके लिए खेलों का व्यवसायिक पक्ष बहुत बारीकी से देखा जाता है। स्टेडियम, होटल, इंफ्रास्ट्रक्चर, एयरपोर्ट, सड़कें, कानून व्यवस्था, सुरक्षा और वित्तीय स्थिति। बात सिर्फ खर्च की ही नहीं आमदनी की भी होती है। टूरिज्म और टीवी राइट्स माध्यम से बहुत बड़ा खेल होता है। इसके लिए कुछ आर्थिक संसाधन संपन्न देश ही अपने देश में ओलंपिक खेल करवा सकते हैं।

खेलों में विज्ञापन, टीवी कवरेज, सट्टेबाज़ी खिलाड़ियों के लिए अधिक कमाई का जरिया बने। जो ज्यादा दिखेगा, वही ज्यादा बिकेगा। खेलों में महिला और पुरुष खिलाड़ियों के कपड़े शरीर का लोक दर्शन और नुमाइश पर आधारित होने लगे। महिला फील्ड एंड ट्रैक इवेंट के एथलीटों, लॉन टेनिस, जिम्नास्टिक, स्विमिंग और बैडमिंटन जैसे खेलों में कम से कम कपड़े पहनने पड़ते हैं। जब कि पुरुष खिलाड़ी नेकर, स्पोर्ट्स शर्ट पहनकर खेल सकते हैं।

भारत में तो अभी तक पढ़ने-लिखने पर ज्यादा ज़ोर है। खेलनेवाले होतें हैं ख़राब और पढ़ने वाले बनते हैं नव्वाब। लेकिन आजकल कुछ मामलों में विजेताओं को बहुत पैसा मिलने लगा है लेकिन इनकी संख्या नगण्य है। खिलाड़ियों का खेल जीवन वैसे ही पांच-छह साल का होता है और उसके बाद कहीं चपरासी या खलासी की नौकरी मिल जाए तो बहुत बड़ी बात है। दूसरी वजह यह है कि विजेता खिलाड़ियों को वर्षों की मेहनत, संघर्ष और जद्दोजहद के बाद सिर्फ पंद्रह-बीस मिनट की शोहरत मिलती है। उसके बाद वह खेल संघों, कोचिंग सेंटरों, आयोजकों और मैनेजरों के चुंगल में फंसे रहते हैं। महिला रेस्लर्स के साथ जो हो रहा है वह हमारे देश के खेल मैनेजमेंट करने वालों का नग्न सत्य है। यह सब सिर्फ कुश्ती तक ही सीमित नहीं है दूसरे खेलों में भी इस तरह के कुकृत्य होते हैं लेकिन शायद आवाज़ नहीं उठती या अभी सुनाई नहीं दे रही।

वैसे भारत जैसे यौन दमित समाज में पुरूष महिलाओं का यौन शोषण किसी भी जगह पर करते देखे गए हैं। चाहे शो-बिज़नेस हो, कार्यालय हों, बाज़ार-हाट हों, राह चलते हों या घर हों। सब जगह महिलाओं को इसका शिकार बनना होता है। कहीं मामला ढका रहता है तो कहीं उजागर हो जाता है। अब खेल सिर्फ खेल नहीं हैं बल्कि व्यापार की शक्ल अख्तियार कर चुके हैं इसलिए मुनाफा ही केन्द्रीय बिन्दु है।

सोशल फोरम

युद्ध और नरसंहार

रश्मि त्रिपाठी
गोरखपुर

मानवता युद्ध करके ही विकसित हुई है लेकिन जब युद्ध के नियम बनाए गए तो उसमें दोनों पक्षों का बराबर होना दोनों पक्षों का सहमत होना जैसे नियम थे। अब मैदान में आमने-सामने युद्ध नहीं होते हैं। सोते हुए लोगों पर मिसाइल और बम गिरा कर लोग खुद को विजेता घोषित करते हैं। जिसे नरसंहार कहा जाना चाहिए उसे हम युद्ध कहते हैं। क्या आपने कभी सुना है कि पिछली सदी में ही इंसानों ने किसी पक्षी से भी युद्ध लड़ा था? एमू (ईएमयू) आस्ट्रेलिया का राष्ट्रीय पक्षी जरुर है, लेकिन आस्ट्रेलिया की सरकार से इसका युद्ध हो चुका है। मैंने नब्बे के दशक में अखबारों में कई बार एमू पालन को प्रोत्साहित करने वाले विज्ञापन देखें हैं तब इसके अंडों की खूब बिशेषताएं बताई जाती थीं। लेकिन धीरे-धीरे सबको पता चल गया कि ये कुछ कंपनियों की चाल थी जिन्होंने एमू पालन के व्यवसाय का फायदा दिखाकर लोगों को लूटा जैसे उस समय बहुत सारी चिटफंड कंपनियों ने पैसे दुगने करने का लालच देकर लोगों को लूटा था। जबकि एमू यहां के वातावरण के लिए बने ही नहीं थे। प्रथम विश्व युद्ध के बाद सैनिकों को आस्ट्रेलियाई सरकार ने खेती करने के लिए जमीनें दी थीं। ज्यादातर रिटायर्ड सैनिक किसान बन गए लेकिन जब फसल पक गई तो हजारों की संख्या में एमू पक्षियों ने हमला कर दिया और फसल चौपट कर दी। बात जब सरकार तक पहुंची तो एमू के खिलाफ सरकार को ऑपरेशन करना पड़ा। लेकिन लगातार छह दिनों तक हजारों राउंड फायरिंग के बाद भी बमुश्किल बीस तीस एमू ही मारे जा सके। सरकार को सेना को वापस बुलाना पड़ा। अब बात मीडिया में चर्चा का केन्द्र बनी तो देश भर में आलोचना शुरू हो गई। लिहाजा सरकार को दोबारा ऑपरेशन शुरू करना पड़ा। लेकिन इस बार भी कुछ खास सफलता न मिली इस बार भी एमूओं ने सैनिकों को खूब छकाया। दरअसल एमू गजब के फुर्तीले थे उन्हें किसी मशीनगन या तोप से नहीं मारा जा सकता था। और उनकी संख्या लाखों के आसपास थी और एक हजार भी मारे नहीं जा सके? लिहाजा ये युद्ध लोगों में उपहास का बिषय बन गया। और सरकार की किरकिरी हुई। इसे ही "द ग्रेट एमु वार" कहा जाता है। इसलिए इंसान को याद रखना चाहिए कि युद्ध हमेशा बराबरी वालों से करें।

-फेसबुक वॉल से

उच्च शिक्षा को विकसित करेंगे रिसर्च एवं इनोवेशन

शिशिर शुक्ला
असिस्टेंट प्रोफेसर

अनुसंधान एवं नवाचार किसी भी विषय की सुंदरता एवं व्यापकता में चार चांद लगाने का कार्य करते हैं। फिर जब बात विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की हो तब शोध एवं नवाचार की महत्ता कहीं अधिक बढ़ जाती है।

हाल ही में अनुसंधान, विकास एवं नवाचार के लिए वित्तीय सहायता के रूप में एक लाख करोड़ रुपए की मंजूरी दी गई है। यह फैसला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में लिया गया। उल्लेखनीय है कि इस फंड के माध्यम से उन सभी इकाइयों एवं सेक्टरों को वित्तीय मदद दी जाएगी जो देश को आत्मनिर्भर बनाने के साथ-साथ आर्थिक सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे पर कार्य कर रहे हैं। योजना की विस्तृत रूपरेखा प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली अनुसंधान नेशनल रिसर्च फाऊंडेशन (एएनआरएफ) की गवर्निंग काउंसिल के द्वारा तैयार की जाएगी। योजना के अमल हेतु विज्ञान एवं तकनीकी विभाग नोडल एजेंसी के रूप में कार्य करेगा। निस्संदेह आज के बदलते हुए परिदृश्य में यह एक दूरदर्शितापूर्ण एवं बहुआयामी कदम है। आज तकनीकी अत्यंत द्रुत गति से प्रगति की ओर अग्रसर है।

विज्ञान एवं तकनीकी के अनेक ऐसे नए उभरते हुए क्षेत्र हैं जो आज के समय में शोध एवं नवाचार को नवीन आयामों तक पहुंचाने का कार्य कर रहे हैं। क्वांटम तकनीकी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, हरित ऊर्जा इत्यादि कुछ ऐसे ही अपार संभावनाओं से युक्त विषय हैं। एक बात स्पष्ट रूप से उल्लेखनीय है कि विज्ञान एवं तकनीकी विकास के शिखर तक तभी पहुंच सकती है जब निवेश के रूप में उसे पर्याप्त समय, परिश्रम एवं आर्थिक सहयोग भी प्राप्त हो। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, क्वांटम टेक्नोलॉजी एवं ग्रीन एनर्जी, ये ऐसे क्षेत्र हैं जो संभवतः हमारे भविष्य को नियंत्रित करेंगे। इसलिए यह आवश्यक है कि अभी से ही इनको गहराई के साथ समझने एवं विश्लेषण करने का प्रयास किया जाए। अनुसंधान एवं नवाचार किसी भी विषय की सुंदरता एवं व्यापकता में चार चांद लगाने का कार्य करते हैं। फिर जब बात विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की हो तब शोध एवं नवाचार की महत्ता कहीं अधिक बढ़ जाती है। किसी भी राष्ट्र की सामाजिक, आर्थिक एवं तकनीकी प्रगति के लिए यह नितांत आवश्यक है कि वह अपना एक महत्वपूर्ण निवेश अनुसंधान एवं नवाचार की दिशा में करे। आज के प्रतिस्पर्धात्मक परिदृश्य में शोध एवं नवाचार आत्मनिर्भरता, विकास एवं वैश्विक पटल पर अपना नाम अंकित करने का मार्ग खोलते हैं। यह निश्चित है कि आने वाला समय ग्रीन एनर्जी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं क्वांटम तकनीकी का है क्योंकि जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में जिस गति से इन प्रौद्योगिकियों का दखल बढ़ता जा रहा है उसे देखकर यही कहा जा सकता है कि आने वाला दौर पूर्णरूपेण इन्हीं क्षेत्रों से नियंत्रित होगा। आज एक बड़े वैज्ञानिक से लेकर एक छोटा बच्चा तक कृत्रिम बुद्धिमत्ता से परिचित हो चुका है। अपने-अपने स्तर से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को जीवन में प्रयोग करने की चेष्टा अनवरत जारी है। पर्यावरण प्रदूषण एवं ग्लोबल वार्मिंग जैसे ज्वलंत मुद्दों ने हरित ऊर्जा पर निर्भरता की आवश्यकता को काफी हद तक बढ़ा दिया है। इसके अतिरिक्त क्वांटम प्रौद्योगिकी ने अभूतपूर्व परिणामों को प्रस्तुत करके तकनीकी के स्वरूप में एक आमूलचूल परिवर्तन कर दिया है। इन सभी बिंदुओं के आधार पर यह दावे के साथ कहा जा सकता है कि अगर प्रौद्योगिकी के इन उभरते हुए क्षेत्रों को शोध एवं नवाचार के माध्यम से सतत रूप से विकसित करने का प्रयास न किया गया तो भविष्य में कहीं न कहीं हम इनके आगे बेबस महसूस करेंगे। वित्तीय सहायता ही एक ऐसी कुंजी है जिसके माध्यम से शोधार्थी अपनी कल्पनाओं एवं जिज्ञासाओं को व्यावहारिक धरातल पर उतारकर उसे एक व्यवस्थित रूप देने का प्रयास कर सकता है।

दूसरे नजरिए से देखें तो वित्तीय सहायता व्यस्ततम दिनचर्या वाले शोधार्थी को एक मानसिक प्रोत्साहन प्रदान करती है। शोध एवं नवाचार हेतु एक लाख करोड़ रुपए की वित्तीय सहायता निश्चित रूप से इन क्षेत्रों में भारत की प्रगति के लिए एक सुदृढ़ आधार निर्मित करेगी। यह इस बात का भी परिचायक है कि वर्तमान सरकार कहीं न कहीं इन क्षेत्रों में प्रगति को लेकर सजग, सतर्क एवं पूर्णतया प्रतिबद्ध है। योजना के माध्यम से निजी क्षेत्रों एवं स्टार्टअप्स को बहुत कम ब्याज पर आर्थिक सहायता देने का प्रावधान किया गया है। जाहिर सी बात है कि जब ये क्षेत्र आर्थिक समस्या को लेकर निश्चिंत हो जाएंगे तो इसका सकारात्मक परिणाम शोध व नवाचार के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति के रूप में सामने आएगा।

निष्कर्ष रूप में यह कहा जा सकता है कि शोध एवं नवाचार आज किसी भी देश के विकास हेतु आधारस्तंभ की भूमिका अदा करते हैं, लिहाजा इन क्षेत्रों की प्रगति हेतु विद्यार्थी से लेकर शासन तक प्रत्येक स्तर पर गंभीर एवं सकारात्मक प्रयास करते हुए इन्हें उन्नतोन्नत रूप दिया जाना चाहिए।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं मकान नं.197/1, समता आश्रम गली, रामपुर रोड, हल्द्वानी, जिला नैनीताल, उत्तराखंड-263139 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक - अमित शर्मा*** 05946292618 (कार्यालय), ईमेल-amritvicharhld@gmail.com, आर.एन.आई नं0-UTTHIN/2021/79698, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नैनीताल होगा)।

हर्षोल्लास से मना हरेला पर्व, जगी हरियाली की अलख

डीएम, सीडीओ, एडीएम समेत अन्य अधिकारियों ने लगाये पौधे, बोले डीएम-पौधरोपण और पर्यावरण संरक्षण में दें योगदान

- विभिन्न स्थानों पर संस्थाओं द्वारा किया गया पौधरोपण

संवाददाता, रुद्रपुर

टांडा रेंज में पौधरोपण करते रुद्रपुर विधायक शिव अरोरा। ● अमृत विचार

पौधरोपण करते जिला न्यायाधीश सिकंद कुमार त्यागी और अन्य। ● अमृत विचार

अमृत विचार : हरेला महापर्व पर स्पोर्ट्स स्टेडियम, कलेक्ट्रेट और कैंप कार्यालय परिसर में जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया, मुख्य विकास अधिकारी दिवेश शाशनी, अपर जिलाधिकारी पंकज उपाध्याय, कौस्तुभ मिश्र व अधिकारियों ने पौधरोपण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

बुधवार को कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी ने सभी को लोकपर्व हरेला की बधाई देते हुए कहा कि हरेला हरियाली व खुशहाली का त्यौहार है। पौधरोपण के साथ ही उसकी सुरक्षा अति आवश्यक है। उन्होंने जनमानस का आह्वान करते हुए कहा कि पौधरोपण एवं पर्यावरण संरक्षण में अपना महत्वपूर्ण योगदान दें। साथ ही सभी लोगों से कहा कि एक पेड़ मां के नाम अवश्य लगाएं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशानुसार सभी सरकारी, गैर सरकारी संस्थाओं द्वारा पौधरोपण अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हरेला पर्व जीवन व पर्यावरण से जुड़ा हुआ है। पेड़ नहीं तो जीवन नहीं इसलिए हम सभी को पौधे लगाने चाहिए व उनका संरक्षण भी करना चाहिए।

उन्होंने सभी लोगों से अपने घरों मां के नाम एक पौधरोपण करने व अधिकारियों व कर्मचारियों से अपने कार्यालय परिसर में पौधरोपण करने की अपील की। इस दौरान स्वीप कार्यक्रम के तहत सेल्फी प्वाइंट पर सेल्फी ली व सभी को मतदान की शपथ भी दिलाई।

इस अवसर पर नगर आयुक्त नरेश चंद्र दुर्गापाल, सीएमओ डॉ.केके अग्रवाल, एसडीएम मनीष बिष्ट, ओसी गौरव पांडेय, मुख्य उद्यान अधिकारी प्रभाकर सिंह, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. आशुतोष जोशी, जिला युवा कल्याण अधिकारी बीएस रावत, जिला क्रीड़ा अधिकारी जानकी कार्की, जिला समाज कल्याण अधिकारी अमन अनिरुद्ध, जिला प्रोवेशन अधिकारी व्योमा जैन, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी नंदनी तोमर, जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी उमाशंकर नेगी आदि मौजूद थे।

विधायक अरोरा ने टांडा रेंज में किया पौधरोपण

रुद्रपुर : उत्तराखंड के लोकपर्व हरेला के शुभ अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर विधायक शिव अरोरा ने एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत टांडा रेंज में पौधरोपण किया। इस दौरान विधायक अरोरा ने कहा कि हरेला केवल एक पर्व नहीं, बल्कि उत्तराखंड की सांस्कृतिक चेतना, हमारी पारंपरिक आस्था और प्रकृति के प्रति हमारे कर्तव्य का प्रतीक है। यह पर्व हमें न केवल पौधरोपण का संदेश देता है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और मातृभूमि के प्रति हमारी जिम्मेदारियों की भी याद दिलाता है। इस अवसर पर डीएफओ उमेश कुमार, एसडीओ मनेंद्र कौर, एसडीओ शशि, टांडा रेंजर रुपनारायण गौतम समेत कई लोग मौजूद रहे।

जिला जज ने न्यायालय परिसर में किया पौधरोपण

रुद्रपुर : उत्तराखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण नैनीताल एवं माननीय उत्तराखंड उच्च न्यायालय नैनीताल के निर्देश पर जनपद के विभिन्न क्षेत्रों, न्यायालय परिसरों एवं आसपास के क्षेत्रों में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। जिला न्यायाधीश व अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सिकंद कुमार त्यागी की अध्यक्षता में उत्तराखंड के लोक पर्व हरेला के शुभ अवसर पर पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान जिला न्यायाधीश कहा कि वन संपदा को संरक्षित रखने के लिए समय-समय पर पौधारोपण करते रहना चाहिए। जिससे हमारा राज्य पेड़ पौधों से हरा भरा रहे। सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण योगेंद्र कुमार सागर, अध्यक्ष जिला बार ऐसोसिएशन दिवाकर पांडेय, प्रधान परिवार न्यायाधीश मनीष मिश्रा, द्वितीय अपर जिला जज मीना देउपा, तृतीय अपर जिला जज मुकेश आर्या, हेमंत सिंह, संगीता रानी, अपर जिला जज एफटीएससी, अश्विनी गौड़, अपर जिला जज पोक्सो, सिविल जज, सीनियर डिविजन इंदु शर्मा, प्रथम अपर सिविल जज, सीनियर डिविजन शमा परवीन, पंचम अपर सिविल जज, सीनियर डिविजन, रिजवान अंसारी, सिविल जज, जूडि. चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल मो. मिराज समेत जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के स्टाफ व जिला न्यायालय स्टाफ एवं पुलिस कर्मी रहे।

खटीमा में हरेला पर पौधरोपण करते बच्चे और प्रबंधन। ● अमृत विचार

सिटी कॉन्वेंट में हरेला पर्व धूमधाम से मनाया

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचार : सिटी कॉन्वेंट स्कूल में हरेला पर्व का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रबंधक प्रवीण उपाध्याय, एजुकेशनल डायरेक्टर तिलक उपाध्याय, प्रधानाचार्य शुभ्रा सक्सेना संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।

बच्चों ने हरियाली और प्लेट को हर भरा रखने और पेड़ों के कटने से पर्यावरण को हो रहे नुकसान का संदेश नुक्कड़ नाटक के माध्यम से दिया। वहीं रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए, बाद में विद्यालय परिसर में बच्चों के द्वारा एडॉप्ट ए ट्री नाम का पौधरोपण अभियान चलाया गया। इसके साथ साथ विद्यालय के छोटे छोटे बच्चे हरियाली के प्रतीक हरेला के उपलक्ष्य में हरे रंग की वेशभूषा में उपस्थित रहे। वहीं दूसरी ओर कुछ बच्चों ने ड्राइंग और पेंटिंग के माध्यम से हरेला पर्व मनाया। प्रबंधक प्रवीण उपाध्याय ने कहा कि उत्तराखंड का पारंपरिक हरेला पर्व हरियाली, समृद्धि और धन-धान्य का प्रतीक है। जो प्रकृति के प्रति आस्था और सम्मान को दर्शाता है। प्रधानाचार्य सक्सेना ने विद्यार्थियों को हरेला पर्व के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने कहा हरेला हमें प्रकृति से सामंजस्य, पौधरोपण और पर्यावरण संरक्षण की प्रेरणा देता है। विद्यार्थियों ने पारंपरिक गीत, नृत्य, कुमाऊनी व्यंजनों के प्रदर्शन से पर्व की गरिमा को बढ़ाया।

सुल्तानपुर पट्टी में भी दिखा उत्साह

संवाददाता, सुल्तानपुर पट्टी

सुल्तानपुर पट्टी में हरेला पर्व पर पौधरोपण करते लोग। ● अमृत विचार

अमृत विचार : नगर में पर्यावरण संरक्षण और लोक परंपरा के संगम हरेला पर्व को बुधवार को हर्षोल्लास और सहभागिता के साथ मनाया गया। सरकारी कार्यालयों से लेकर स्कूल परिसरों और सार्वजनिक स्थलों तक, हर कोने में हरियाली की अलख जगाई गई। नगर पंचायत परिसर, रामलीला मैदान, विद्यालय परिसर, सड़क किनारे खाली भूखंडों सहित विभिन्न स्थलों पर सैकड़ों पौधे रोपे गए।

इस अवसर पर नगर पंचायत चेयरमैन राजीव सैनी, अधिशासी अधिकारी गीता चौधरी, पुलिस चौकी प्रभारी संदीप शर्मा, नगर की समाजसेवी महिलाएं ऋतु अग्रवाल, राधा मौर्य, आशा, कमलेश, ममता, सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। शैक्षिक संस्थानों की भूमिका भी उल्लेखनीय रही। राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रामजीवनपुर के प्रधानाचार्य सुंदरलाल, तथा सुल्तानपुर पट्टी के सरस्वती शिशु विधा मंदिर प्रधानाचार्य किशन सिंह बिष्ट की अगुवाई में छात्र-छात्राओं ने न सिर्फ पौधारोपण किया, बल्कि उनकी देखरेख की जिम्मेदारी भी स्वयं ली। चेयरमैन राजीव सैनी ने कहा हरेला सिर्फ एक पर्व नहीं, बल्कि भविष्य को हरित बनाने का संकल्प है। हर नागरिक अगर एक पौधे की जिम्मेदारी ले ले, तो आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ वातावरण दिया जा सकता है। ईओ गीता चौधरी ने बताया कि नगर पंचायत द्वारा हरेला पर्व पर विशेष अभियान चलाया गया है, जिसके तहत विभिन्न वार्डों में पौधारोपण के साथ-साथ नागरिकों को उनके संरक्षण के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

दुग्ध संघ ने बांटे मोरिंगा के पौधे

खटीमा, अमृत विचार : उधम सिंह नगर दुग्ध संघ द्वारा जनपद में अपने दुग्ध उत्पादकों को मोरिंगा सहजन पेड़ वितरित किए एवं हरेले के शुभ अवसर पर पौधरोपण किया गया।

इस अवसर पर दुग्ध संघ अध्यक्ष प्रभा रावत द्वारा सभी को हरेले की शुभकामनाएं दी गई। वहीं दुग्ध संघ के प्रधान प्रबंधक राजेश मेहता द्वारा हरेले के अवसर पर अधिक से अधिक पौधरोपण किया जाने हेतु दुग्ध उत्पादकों से अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि सहजन एक औषधीय पौधा है। जिसमें विटामिन ए, सी, ई और के के साथ-साथ कैल्शियम, आयरन और पोटैशियम जैसे मिनरल्स होते है। मोरिंगा न केवल पाचन तंत्र को स्वस्थ रखता है बल्कि त्वचा और बालों को स्वस्थ रखने में कारगर होता है।

प्रकृति के स्नेह के लिए पौधरोपण जरूरी

संवाददाता, काशीपुर

काशीपुर में हरेला पर्व के अवसर पर बुधवार को पौधे रोपते मेयर दीपक बाली व पार्षद। ● अमृत विचार

अमृत विचार : उत्तराखंड का लोक पर्व हरेला हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस दौरान विचार गोष्ठी का आयोजन कर जगह- जगह पौधरोपण किया गया।

बुधवार को मेयर दीपक बाली ने नगर निगम अधिकारियों, कर्मचारियों व पार्षदों के साथ मुरादाबाद रोड स्थित जल निगम के जल शोधन संयंत्र संस्थान परिसर में पौधरोपण किया। उन्होंने कहा कि धरती हरी भरी होगी तभी प्रकृति का स्नेह और सानिध्य और अनुकूल वातावरण हमें मिलता रहेगा। पेड़ धरा का श्रृंगार है उनका दोहन नहीं होना चाहिए। यहां नगर आयुक्त रविंद्र कुमार बिष्ट, जल निगम के सहायक अभियंता कमल किशोर, अपर सहायक अभियंता ज्योति रावत, प्लांट हेड विनया पंडित, नगर निगम के कार्यालय अधीक्षक विकास शर्मा, सहायक नगर आयुक्त कमल मेहता, डॉ. अमरजीत सिंह साहनी, सेनेटरी इंस्पेक्टर मनोज बिष्ट मौजूद रहे। वहीं नगर निगम में स्थित कारगिल पार्क में स्वयंसेवी समूह की महिलाओं एवं पार्षदों ने सहायक नगर आयुक्त संजय कापड़ी के नेतृत्व में पौधरोपण किया। जनजीवन उत्थान समिति के तत्वावधान में विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस दौरान समिति अध्यक्ष शैलेंद्र कुमार मिश्रा एडवोकेट ने कहा कि हरेला पर्व का इतिहास सैकड़ों वर्ष पुराना है। कहा कि हरेला प्रकृति और पर्यावरण के प्रति अटूट प्रेम और संरक्षण का संदेश देने वाला है। वहीं उदयराज हिंदू इंका में एनएसएस और एनसीसी कैडेट्स ने पौधरोपण कर गाजर घास उन्मूलन किया। प्रधानाचार्य बृजेश गुप्ता, मेजर मुनीशकांत शर्मा, कौशलेश गुप्ता, दीपक शर्मा, रोशनलाल वर्मा, विजयपाल चौहान रहे। राष्ट्रीय पर्यावरण प्रदूषण सुरक्षा समिति लोनिवि व लालपुर बक्सौरा में पौधरोपण किया गया। तुलाराम राजाराम सरस्वती विद्या मंदिर इंका में प्रबंधक जीडी मठपाल, प्रधानाचार्य त्रिवेंद्र सिंह ने पौधरोपण किया। श्रीराम इंस्टीट्यूट में संस्थान अध्यक्ष रविंद्र कुमार, पीसीयू चेयरमैन राम मेहरोत्रा, सीमा चौहान, पूनम मंझारिया, निदेशक डॉ. योगराज सिंह आदि ने पौधे रोपे। उधर राधेहरि डिग्री कॉलेज के प्रांगण में राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोष्ठ द्वारा 110 पौधे रोपे गये।

मोहम्मद अर्तजा का नवोदय में चयन

किच्छा : नगर के आवास विकास स्थित सेंट मैरी जूनियर हाई स्कूल के छात्र मोहम्मद अर्तजा का नवोदय विद्यालय में चयन होने से विद्यालय में खुशी की लहर है। विद्यालय में मिष्ठान वितरण कर छात्र के उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। विद्यालय के प्रबंधक एम रहमान अंसारी ने बताया कि वार्ड 7 निवासी मोहम्मद आसिम के होनहार पुत्र मोहम्मद अर्तजा ने कक्षा 5 तक की परीक्षाएं प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की हैं। पिता मोहम्मद आसिम ई-रिक्शा चलाकर परिवार का भरण पोषण करते हैं। विद्यालय की शिक्षिकाओं सीमा हसन, प्रियंका गोस्वामी, शाजिया, मोनिका, मंतशा अंसारी, सबीना, गुलिस्ता, फातिमा ने मेधावी छात्र को बधाई दी।

हरेला: पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया

- प्रगतिशील अकादमी बरहैनी में भी हुआ पौधरोपण
- राधाकृष्ण सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कालेज में संघ पदाधिकारियों ने पौधे रोपे

संवाददाता, बाजपुर

बाजपुर में राधाकृष्ण सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कालेज में पौधरोपण करते लोग। ● अमृत विचार

अमृत विचार : क्षेत्र में उत्तराखंड का लोक पर्व हरेला हर्षोल्लास से मनाया गया। पर्व के उपलक्ष्य में अनेक स्थानों पर पौधरोपण कार्यक्रम हुए। इस दौरान लोगों ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया।

पर्वतीय महासभा समिति द्वारा उत्तराखंड के लोकपर्व हरेला पर प्रगतिशील अकादमी बरहैनी में पौधरोपण किया गया।

इस मौके पर समिति अध्यक्ष सुरेश चंद्र पांडेय, सुभाष कांडपाल, वीरेंद्र सिंह बिष्ट, पूरन सिंह बिष्ट, एनडी जोशी, नीरज तिवारी, मोहन चंद्र पांडेय, किरन कुमार जोशी, हेमंत तिवारी, रौनिक शर्मा, नमन शर्मा आदि मौजूद रहे। राधाकृष्ण सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कालेज में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ उत्तराखंड के प्रांत प्रचारक शैलेंद्र, विभाग व्यवस्था प्रमुख अजय अग्रवाल, जिला प्रचारक सौरभ, विद्यालय के व्यवस्थापक अशोक कुमार मित्तल व उत्तराखंड अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व अध्यक्ष सुखदेव सिंह नामधारी ने विद्यालय परिसर में संयुक्त रूप से पौधरोपण किया।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ऊधम सिंह नगर के तत्वावधान में सिविल जज सुमन भंडारी की अगुवाई में कोर्ट परिसर में फलदार पौधों का रोपण किया गया।

वहीं एसडीएम डॉ.अमृता शर्मा की अगुवाई में मिल अधिकारियों-कर्मचारियों ने परिसर में फलदार पौधे लगाए। इसके अलावा पीएमश्री राजकीय बालिका इंटर कालेज, आदर्श कन्या इंटर कालेज आदि में हरेला पर्व धूमधाम से मनाया गया।

दिनेशपुर में लोक पर्व हरेला को लेकर उल्लास, किया पौधरोपण

संवाददाता, दिनेशपुर

लिटिल चैंपियन स्कूल मदनापुर में पौधरोपण करतीं प्रधानाचार्य अनीता त्रिपाठी व शिक्षक।

अमृत विचार : लिटिल चैंपियन स्कूल मदनापुर में आयोजित कार्यक्रम में लोक पर्व हरेला पर पर्यावरण को बचाने एवं क्षेत्र के विद्यालयों एवं भूकटाव को रोकने के लिए, सार्वजनिक स्थान पर पौधरोपण के साथ उनके संरक्षण का संकल्प लिया। इस दौरान नगर पंचायत कार्यालय में अध्यक्ष मनजीत कौर व सभासदों ने पौधरोपण किया।

बुधवार को लोक पर्व हरेला पर नगर पंचायत कार्यालय, लिटिल चैंपियन स्कूल मदनापुर, किड्स पैराडाइज पब्लिक स्कूल व होली कृष्णाज पब्लिक स्कूल दिनेशपुर, एसडीएसएन इंटर कॉलेज दुर्गापुर, न्यू एरा पब्लिक स्कूल दुर्गापुर, राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मदनापुर व लिटिल चैंपियन स्कूल मदनापुर में पौधा रोपकर संरक्षण का संकल्प लिया। इस मौके पर नगर पंचायत अध्यक्ष मनजीत कौर, प्रबंधक सुभाष व्यापारी, प्रबंधक सत्येंद्र सिंह मान, प्रबंधक रविंद्रपाल सिंह, प्रबंधक तरुण कुमार सिंह, प्रधानाचार्य अनीता त्रिपाठी, व्यापार मंडल अध्यक्ष राजेश नारंग, व्यापारी नेता विशंभर लाल मिगलानी, पंजाबी सभा अध्यक्ष केके गावा, गोपाल चक्रवर्ती, पंकज गोयल उर्फ सोनू, सुनील बंसल, अशोक कालड़ा, पवन अग्रवाल, दीपक मक्कड़, विजय ढाली आदि शिक्षक व अभिभावक मौजूद थे।

उत्सव

हरेला पर्व पर किच्छा के विभिन्न स्थानों पर किया गया पौधरोपण, लोगों को पौधे रोपने के लिए किया गया जागरूक

देवभूमि उत्तराखंड की लोक परंपराओं को समर्पित है हरेला पर्व

संवाददाता, किच्छा

किच्छा के सेंट मैरी स्कूल में पौधारोपण की तैयारी करते स्कूली बच्चे। ● अमृत विचार

किच्छा में महिलाओं को पौधे वितरित करते अलबेला फाउंडेशन के सदस्य। ● अमृत विचार

अमृत विचार : उत्तराखंड का लोक परंपराओं व प्रकृति के संरक्षण को समर्पित लोक पर्व हरेला हर्षोल्लास से मनाया गया। हरेला पर्व के अवसर पर नगर के विभिन्न क्षेत्रों में पर तमाम सामाजिक, राजनीतिक, संस्थाओं तथा तमाम विभागीय अधिकारियों द्वारा पौधरोपण कर पर्यावरण सुरक्षा का संकल्प लिया।

अलबेला फाउंडेशन की टीम ने नगर के तमाम क्षेत्रों में पौधरोपण कर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। इस मौके पर संस्था अध्यक्ष डॉ. शिवकुमार मित्तल के नेतृत्व में फाउंडेशन से जुड़े तमाम लोगों ने विभिन्न स्थानों में करीब 285 छायादार एवं फलदार पौधे लगाए। मौके पर जयंत मित्तल, कृष्ण गोयल, विवेक कोहली, धीरज यादव, दीक्षा सक्सेना, पूजा श्रीवास्तव, हरनीत कौर, मंजू श्रीवास्तव, सोनम मित्तल, पलक मित्तल, अंजना श्रीवास्तव, लक्ष्मी मित्तल, जया मिगलानी, शिव कुमार सक्सेना आदि मौजूद रहे। इधर कोतवाली परिसर में प्रभारी निरीक्षक धीरेंद्र कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने पौधरोपण किया। यहां वरिष्ठ उप निरीक्षक राजेंद्र प्रसाद, उप निरीक्षक ओम प्रकाश नेगी, उप निरीक्षक मनोज कुमार, उप निरीक्षक बसंत कुमार, पुलिस कर्मी राजीव चौधरी, कांस्टेबल देवराज सिंह, कांस्टेबल ब्रजमोहन सिंह, कांस्टेबल पूरन सिंह रहे। विद्युत वितरण खंड परिक्षेत्र में विद्युत विभाग ने 211 पौधों का रोपण करते हुए पर्यावरण सुरक्षा का संकल्प लिया गया। यहां एसडीओ डीसी गुरुरानी की अगुवाई में पौधरोपण किया गया। ईई संजय तिवारी, जेई ओम कुमार, जेई लालपुर सत्येंद्र जोगियाल, जेई पंतनगर प्रदीप सिंह खाती रहे। इधर नगर के आवास विकास एवं ग्राम छिनकी स्थिति सेंट मैरी जूनियर हाई स्कूल में विद्यालय के प्रबंधक एम रहमान अंसारी ने स्कूली बच्चों को हरेला पर्व के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए पौधरोपण किया। प्रबंधक अंसारी ने कहा कि सावन महीने की शुरुआत में मनाए जाने वाला हरेला पर्व खेती-बाड़ी, हरियाली और प्रकृति के संरक्षण से जुड़ा हुआ पर्व है। यहां गुलिस्ता, फातिमा, प्रियंका गोस्वामी, सीमा हसन, आलिया, मोनिका, मंतशा, शाजिया, शबीना सहित तमाम शिक्षिकाएं एवं स्कूली बच्चे मौजूद रहे।

सितारगंज में हरेला पर्व पर पौधरोपण करते लोग। ● अमृत विचार

हरेला पर्व बताता है भावी पीढ़ी को प्रकृति का महत्व

सितारगंज : हरेला पर्व के अवसर पर आज राजकीय बालिका इंटर कॉलेज सितारगंज में एक पौधा मां के नाम कार्यक्रम के तहत पौधरोपण किया गया। कार्यक्रम में बाराकोली रेंज के अंतर्गत विभिन्न प्रजातियों के कुल 350 पौधों का रोपण किया गया, जिसे पर्यावरण संरक्षण के प्रति स्थानीय समुदाय की जागरुकता बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष कमल जिंदल ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन से न केवल पर्यावरण बचाने की दिशा में महत्वपूर्ण हैं, बल्कि इसके माध्यम से आने वाली पीढ़ी को भी प्रकृति के महत्व का एहसास कराया जा सकता है। इस दौरान विधायक प्रतिनिधि उमा शंकर दूबे और प्रधानाचार्या डॉ. अर्चना पाठक ने भी पर्यावरणीय बदलाव लाने के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम के अंतर्गत लगाए गए पौधों में विभिन्न प्रजातियां शामिल थीं, जिन्हें छात्राओं और शिक्षकों ने उत्साह के साथ रोपा।

गूलरभोज नवोदय इंटर कॉलेज चक्कीमोड़ की ओर से हरेला पर्व पर पौधे वितरण करते प्रधानाचार्य श्रृषभ जोशी। ● अमृत विचार

खटीमा में हरेला पर पौधे वितरित करते पालिकाध्यक्ष रमेश जोशी। ● अमृत विचार

हरेला पर्व पर विद्यालय ने लोगों को फलदार पौधे बांटे

बच्चों ने पौधे रोपकर संरक्षण का लिया संकल्प, खटीमा में पालिकाध्यक्ष रमेश चंद्र जोशी के नेतृत्व में भाजपाइयों ने किया पौध वितरण

संवाददाता, गूलरभोज

अमृत विचार: नवोदय इंटर कालेज चक्कीमोड़ (कूल्हा) के प्रबंधक हरीश जोशी ने हरेला पर्व के उपलक्ष्य में सार्वजनिक स्थान में पौधारोपण कर लोगों को दो-दो फलदार पौधे वितरण किए। बच्चों ने पौधे रोपकर संरक्षण का संकल्प लिया।

बुधवार को नवोदय इंटर कॉलेज चक्कीमोड़ (कूल्हा) के प्रबंधक हरीश जोशी व प्रधानाचार्य ऋषभ जोशी के नेतृत्व में शिक्षकों व बच्चों ने सार्वजनिक स्थानों पर पौधरोपण कर संरक्षण का संकल्प लिया। इस दौरान अभिभावक व लोगों को दो-दो फलदार पौधे वितरण किए। प्रबंधक हरीश जोशी ने कहा कि अभियान से पर्यावरण संरक्षण होता है। यहां समाजसेवी महेश बुधौरी, चंचल सिंह देऊपा, ललित खोलिया, शिक्षिका चंपा पांडे, जानकी कुनियाल, तुलसी नेगी, विजय जोशी, कपिल मेहरा, मंजू बोरा, रेखा सुयाल, दान सिंह बड़ती, भगत सिंह धर्मशक्तू, सूबेदार भगवत सिंह पांगती, देव सिंह धर्मशक्तू, राजेंद्र सिंह पानू, कबीर राजपूत रहे।

बाराकोली रेंज के झाड़ी मंदिर परिसर मे आयोजित हरेला महोत्सव मे वन विभाग के कर्मचारी।

शक्तिफार्म में फलदार व छायादार पौधे रोपे

शक्तिफार्म : वन विभाग द्वारा बाराकोली रेंज के वन क्षेत्राधिकारी कैलाश चंद्र गुणवंत के अगुवाई मे झाड़ी मंदिर परिसर में हरेला महोत्सव मनाया गया। इस अवसर पर झाड़ी मंदिर परिसर मे आंवला, नीबू, अनार, अमरूद के 150 पौधरोपण किया गया। इस अवसर पर वन दरोगा रामचंद्र निषाद, रमेश राय, मयंक अग्रवाल, गोविंद तालुकदार, भवतोष आचार्य, नीरज खयानात, किरन भट्ट, स्वाति चौहान, जगदीश पन्त, ललित जोशी रहे। इधर बैकुंठपुर में श्री रामचंद्र सेवा संस्थान में हरेला पर्व मनाया गया। सेवा संस्थान के रामचंद्र राय ने कहा कि हर व्यक्ति को एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए। इस अवसर पर रामचंद्र राय व अन्यों ने शक्ति फार्म क्षेत्र में 86 छायादार, 38 फलदार, 34 औषधीय गुणों वाले पौधों का रोपण किया। इस अवसर पर सुजीत गोलदार, रामगोपाल सरकार, पिंटू बर्मन, मनोज डाकुआ व सुब्रत आदि मौजूद थे।

भाजपा ने दो सौ फलदार पौधे बांटे

खटीमा : हरेला पर्व पर भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने पीडब्लूडी गेस्ट हाउस के सामने फलदार पौधों का वितरण किया। पालिकाध्यक्ष रमेश चंद्र जोशी के नेतृत्व में जनता को दो सौ फलदार पौधे आम, अमरूद, नींबू, आंवला, नीम, पीपल, करौंदा, नाशपाती, अनार, आदि के पौधे वितरित किए गए। वृक्ष लगाओ पर्यावरण बचाओ धरती को हरा भरा बनाओ, एक वृक्ष मां के नाम हरेला पर्व के अवसर पर पर्यावरण बचाने के उद्देश्य के प्रण के साथ पौधे वितरण एवं उनकी रक्षा करने का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर नगर मंडल पूर्व महामंत्री मनोज वाधवा संतोष अग्रवाल, सूरज धामी, नवल वाल्मीकि, तरुण ठाकुर, विश्वनाथ यादव, मुन्ना आढ़ती, हाफिज रहमान, जफर खान, कमल चौहान, संतोष सक्सेना, अजहर सिद्दीकी, ललित जोशी, करण यादव, लक्ष्मण भंडारी, कुंदन बोरा, अमित शर्मा, मेहताब राजा, चार्ली पाण्डेय आदि उपस्थित थे।

किच्छा के देवरिया में कार्यक्रम प्रस्तुत करतीं महिलाएं। ● अमृत विचार

देवभूमि महिला उत्थान समिति ने पेश किए कार्यक्रम

किच्छा : देवभूमि महिला उत्थान समिति एवं पतंजलि योग समिति के तत्वावधान में निकटवर्ती ग्राम देवरिया वार्ड एक में हरेला पर्व हर्षोल्लास एवं धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर महिलाओं ने विभिन्न कार्यक्रम प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में समिति की अध्यक्ष हंसी बिष्ट, कमला पाठक, माया परिहार, खष्टी तिवारी, हेमा तिवारी, सुनीता पांडे, ललित बिष्ट, तनुजा बिष्ट, आरती शर्मा, आशा जोशी, हेमा, विनीता, गीता आदि मौजूद रहे। इधर वरिष्ठ भाजपा नेता संजीव कुमार सिंह के नेतृत्व में तमाम लोगों ने पौधरोपण कर हरेला पर्व मनाया। इस मौके पर ब्रह्मानंद पुरोहित, मनोज गुप्ता, विशाल, मोहर सिंह, धनंजय सिंह, राजपाल सिंह, राकेश कुमार, विनोद सिंह, संजय सिंह, कमलेश दुबे, मुन्ना चौबे, पवन शर्मा आदि मौजूद रहे।

हरेला पर्व पर उत्तराखंड का हर कोना हरियाली में रंगा

मुख्य संवाददाता, देहरादून

- 8 लाख 13 हज़ार से अधिक पौधे रोपे गए एक दिन में
- 13 जिलों में धूमधाम से मनाया गया लोकपर्व हरेला

अमृत विचार: उत्तराखंड की सांस्कृतिक पहचान और प्रकृति से जुड़ाव को दर्शाने वाला हरेला पर्व अब केवल एक परंपरागत आयोजन नहीं रहा, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और जनभागीदारी का एक सशक्त अभियान बन चुका है। इस वर्ष हरेला पर्व पर पूरे उत्तराखंड में एक नया इतिहास रच गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से शुरू किए गए 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान को मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने और व्यापक रूप देते हुए इसे 'हरेला का त्योहार मनाओ, धरती मां का ऋण चुकाओ' जैसे सार्थक जनसंदेश से जोड़ा।

सीएम ने देहरादून में स्वयं पौधारोपण कर इस अभियान की शुरुआत की और इसे केवल एक सरकारी कार्यक्रम के बजाय जन-जन की भागीदारी वाला हरित जनांदोलन बना दिया। प्रदेश के सभी 13 जिलों के गांवों, कस्बों, शहरों और स्कूलों में हजारों स्थानों पर पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किए गए। स्थानीय प्रशासन, वन विभाग, स्वयंसेवी संगठनों, स्कूलों, आंगनबाड़ी केंद्रों, महिला समूहों और युवाओं ने पूरे उत्साह के साथ भागीदारी की। अब तक पूरे राज्य में 8 लाख 13 हजार से अधिक पौधे रोपे जा चुके हैं, जो कि किसी एक पर्व के अवसर पर उत्तराखंड में अब तक का सबसे बड़ा पौधारोपण प्रयास है।

यह केवल पौधरोपण का कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक ऐसी पहल है जो प्रदेशवासियों में प्रकृति के प्रति आस्था, उत्तरदायित्व और संरक्षण की भावना को और गहरा कर रही है। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि यह पर्व दर्शाता है कि उत्तराखंड केवल एक हिमालयी राज्य नहीं, बल्कि जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए जागरूक और सक्रिय समाज का प्रतीक है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि राज्य सरकार विकास और आस्था, दोनों के संतुलन के साथ आगे बढ़ रही है और पर्यावरण संरक्षण सरकार की प्राथमिक नीति का अभिन्न हिस्सा है।मुख्यमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि हरेला पर्व अब केवल सांस्कृतिक पर्व नहीं रहा, बल्कि यह प्रदेशवासियों की सामूहिक चेतना का उत्सव बन गया है। पौधों के रूप में जो बीज धरती में रोपे जा रहे हैं, वे हरियाली, उम्मीद, आस्था और सतत विकास के प्रतीक हैं। आने वाले वर्षों में यही बीज हरित, समृद्ध व पर्यावरण-संवेदनशील उत्तराखंड के निर्माण में आधार बनेंगे।

हरेला पर्व पर आयोजित कार्यक्रम में डीएम विनोद गोस्वामी और एसपी रेखा यादव।

पिथौरागढ़ में आईटीबीपी के अधिकारी और सैनिकों ने हरेला पर्व पर पौधे लगाए।

फर्जी दस्तावेजों के जरिए जमीन बेची, पिता-पुत्र गिरफ्तार

देहरादून : पुलिस ने बैंक में गिरवी रखी अपनी भूमि को कथित तौर पर फर्जी दस्तावेजों के जरिए सवा करोड़ रुपये से अधिक में बेचने के आरोपी व्यक्ति और उसके पुत्र को बुधवार को गिरफ्तार कर लिया। एसएसपी देहरादून अजय सिंह ने बताया कि विकासनगर क्षेत्र के रहने वाले वर्णित अग्रवाल की शिकायत पर कार्रवाई करते हुए रेसकोर्स निवासी अमरीश कुमार ओबरॉय और उसके पुत्र प्रणव को गिरफ्तार किया गया। अग्रवाल ने अपनी शिकायत में कहा कि उसे अपना कारोबार स्थापित करने के लिए जमीन की आवश्यकता थी जिसके लिए उसके एक परिचित ने उसे कुआंवाला क्षेत्र में भूमि होने की बात बताते हुए उसकी मुलाकात उस भूमि के मालिक अमरीश कुमार ओबरॉय और प्रणव से कराई। शिकायत के अनुसार, ओबरॉय ने उन्हें उक्त भूमि की एक फर्द उपलब्ध करते हुए भूमि पर किसी प्रकार का बैंक ऋण अथवा विवाद न होने की बात बताई और उनके बीच उस भूमि का सौदा एक करोड़ 26 लाख 50 हजार रुपये में तय हुआ। इसके बाद ओबरॉय ने अग्रवाल से तय रकम प्राप्त करते हुए उसके पक्ष में भूमि की रजिस्ट्री करा दी। वर्णित अग्रवाल ने आरोप लगाया कि जब उन्होंने भूमि के दाखिल-खारिज के लिए आवेदन किया तो उसे पता चला कि उस भूमि पर ओबरॉय ने बैंक से ऋण लिया है। शिकायत में कहा कि आरोपियों ने भूमि की फर्जी फर्द उपलब्ध कराई तथा रकम हड़पी। पुलिस ने शिमामला दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान आवश्यक साक्ष्य एकत्र किए गए और आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। एसएसपी ने बताया कि आरोपियों को अदालत में पेश किया गया है।

पिथौरागढ़ में उत्साह के साथ मना हरेला

संवाददाता, पिथौरागढ़

- पौधरोपण कर धरा को हरा भरा करने का संकल्प लिया

अमृत विचार: सीमांत जिले में हरेला पर्व उत्साह के साथ मनाया गया। लोगों ने घरों में उगाए हरेले से अपने आराध्य की पूजा-अर्चना की। इस दौरान लोगों ने मंदिरों में पहुंचकर पूजा-अर्चना की।

वहीं हरेला पर्व पर जिले भर में पौधरोपण हुआ। विभिन्न विभागों के साथ ही संगठनों और आईटीबीपी ने जगह-जगह पौधरोपण कर धरा को हरा भरा करने का संकल्प लिया।

मुख्य कार्यक्रम जिला मुख्यालय के नजदीक चंडाक रोड पर वरदानी मंदिर के पास इको पार्क में हुआ। डीएम विनोद गोस्वामी के नेतृत्व में वन विभाग, इको टास्क फोर्स, पुलिस विभाग ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। जिला मुख्यालय में यक्षवती नदी के किनारे भी विभिन्न प्रजाति के 10,000 पौधे रोपे गए। इस मौके पर एसपी रेखा यादव, डीएफओ आशुतोष सिंह, सीडीओ डॉ. दीपक सैनी, एडीएम योगेंद्र सिंह सहित अन्य अधिकारी और विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थी शामिल रहे। वहीं, आईटीबीपी की 14 वीं वाहिनी के कमांडेंट राम भरत कुशवाहा के नेतृत्व में जवानों ने मड़ और तड़ीगांव के साथ ही वाहिनी परिसर में पौधरोपण किया। इसमें स्थानीय विद्यालयों के विद्यार्थी और लोग भी शामिल हुए। कमांडेंट कुशवाहा ने कहा कि हमें अधिक पेड़ लगाकर पर्यावरण की रक्षा के लिए आगे आना चाहिए। इस मौके पर धवल जोशी, आनंद दिक्षित, प्रमिल उपाध्याय सहित अन्य अधिकारी और जवान शामिल रहे।

डॉ. तृप्ता ठाकुर बनीं कुलपति

देहरादून : वर्तमान में राष्ट्रीय विद्युत प्रशिक्षण प्रतिष्ठान (एनपीटीआई), फरीदाबाद की महानिदेशक डॉ. तृप्ता ठाकुर को वीर माधो सिंह भंडारी उत्तराखंड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय का कुलपति नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति राज्यपाल एवं कुलाधिपति गुरमीत सिंह द्वारा की गई है। उनकी नियुक्ति उत्तराखंड तकनीकी विश्वविद्यालय अधिनियम 2005 की धारा-9 की उपधारा (1) के तहत की गई है। नियुक्ति का कार्यकाल तीन वर्ष या आगामी आदेश तक मान्य रहेगा। इस संबंध में राजभवन उत्तराखंड से बुधवार को आदेश जारी किया गया है।

अनियमितता में जेई सस्पेंड

देहरादून : विद्युत वितरण खंड कोटद्वार के अंतर्गत कुम्भीचौड़ क्षेत्र में खुले खेतों में 10 विद्युत खम्बों में करीब 375 मीटर अनियमित विद्युत लाइन बनाए जाने के फलस्वरूप अवर अभियंता स्वप्निल जोशी को प्रथम दृष्टया दोषी मानते हुए तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। अधिशासी अभियंता रवि कुमार राजौरा द्वारा जारी पत्र में कहा गया कि निलंबन की अवधि में जेई जोशी को विद्युत वितरण खंड पौड़ी गढ़वाल से संबद्ध किया गया है।

वर्ग पहेली-34

बाएं से दाएं

1. मुंह से थूक या रखी वस्तु को निकालना।
2. 1. तले हुए मांस के टुकड़े 2. मांस के कीमे का बना हुआ कबाब 3. मछली की टिकिया 4. उबले आलू में प्याज़
4. किसी भारी
6. चेहरे पर होने वाली फुंसी या फुड़िया, मुंहासा।
9. बूढ़े होने की अवस्था या भाव, वृद्धावस्था, बुढ़ापा।

ऊपर से नीचे

2. 1. अलमारी 2. आधरण, फलक 3. धानी।
3. 1. आय-व्यय का हिसाब 2. स्थिति का आकलन।
5. 1. बढ़ने की क्रिया या भाव 2. दाम या मूल्य में बढ़त, वृद्धि 3. विस्तार, फैलाव।
6. शत्रु का नाश करने वाला; शत्रुनाशक।
7. गंगा नदी का जल, गंगाजल, गंगोदक, ब्रह्मद्रव।
8. 1. सिर के बाल जो लपेटकर गोलाई में बांधे गए हों, खोपा, जूट 2. मूंज का पूला 4. कलगी।

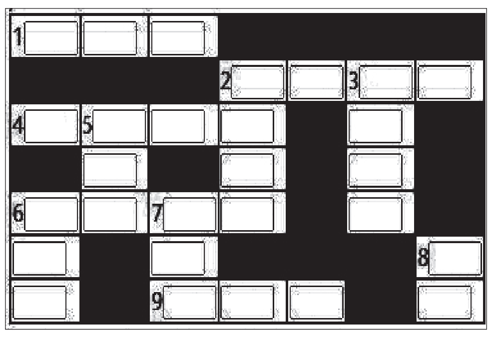

वर्ग पहेली -33 का हल

1 अं	दु	■	■	2 सं	पु	3 ट
■	■	4 व	■	पो	■	ख
5 मिं	6 ब	र	■	ष	■	ना
■	7 हि	म	क	ण	■	■
■	रं	■	■	■	■	8 ठ
9 मु	ग	ल	ई	■	■	ह
■	■	■	■	10 फ़	सा	ना

सुडोकू -41

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

		7		2			1	
		9			8			3
		4	9		6			5
2			5	3	7			6
		1				7		
6			1	9	2			4
4			7		1	5		
5			8			9		
	8			5		6		

सुडोकू - 40 का हल

6	9	8	5	4	7	3	2	1
4	2	3	9	6	1	7	8	5
5	1	7	8	2	3	6	4	9
3	4	9	2	7	5	8	1	6
2	5	6	3	1	8	9	7	4
7	8	1	4	9	6	5	3	2
8	7	4	6	5	2	1	9	3
1	6	2	7	3	9	4	5	8
9	3	5	1	8	4	2	6	7

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 17 जुलाई, गुरुवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-श्रावण, पक्ष-कृष्ण पक्ष, सप्तमी-19 .08 तक तत्पश्चात अष्टमी।

आज का पंचांग

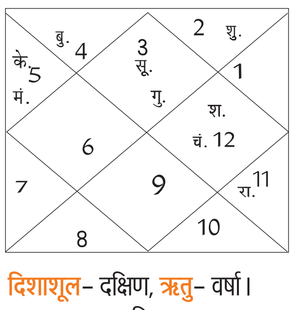

दिशाशूल- दक्षिण, **ऋतु**- वर्षा।
चन्द्रबल-वृषभ, मिथुन, कन्या, तुला, मकर, मीन।
ताराबल-अश्विनी, भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-रेवती 18 जुलाई 03 .39 तक तत्पश्चात अश्विनी।

मेष — आज आपके ऊपर मानसिक दबाव बढ़ सकता है। ससुराल पक्ष के लोगों को परेशानी हो सकती है। अपनी बुद्धि का उचित प्रयोग नहीं कर पा रहे हैं। आपको सिरदर्द की समस्या हो सकती है। माइग्रेन के रोगियों को भोजन और नींद का विशेष ध्यान रखना चाहिए।

वृष — आज व्यापार को लेकर बड़ी डील हो सकती है। जीवनसाथी की भावनाओं का ध्यान रखें। सामाजिक कार्यों में आपकी रुचि बढ़ेगी। प्रियजनों के साथ आप समय बिताना पसंद करेंगे। आय के नए स्रोत बनेंगे लेकिन आपके खर्च भी बढ़ेंगे।

मिथुन — आज कार्यक्षेत्र में उच्च अधिकारियों से सराहना प्राप्त होगी। धन की कमी से रुके कार्य प्रारम्भ हो सकते हैं। आपको व्यापार में बड़े अवसर मिल सकते हैं। अपनी पुरानी गलतियों का विश्लेषण करेंगे। मानसिक समस्याओं का अंत होगा।

कर्क — आज यदि आपका वजन बढ़ा हुआ है तो आपको इस पर नियंत्रण करना चाहिए। लोग आपकी आलोचना करेंगे। जीवनसाथी के साथ नोक-झोंक होने की आशंका है। गरिष्ठ भोजन का सेवन आपको नहीं करना चाहिए।

सिंह — आज विज्ञान और तकनीक के प्रति अत्यंत आकर्षित रहेंगे। घर में आपका मन नहीं लगेगा। तीर्थ स्थल की यात्रा हो सकती है। हिसाब-किताब में आपको पारदर्शिता रखनी चाहिए। अपने स्वाभिमान से समझौता न करें।

कन्या — आज आपकी आय में वृद्धि होगी। बच्चे अत्यंत अनुशासित रहेंगे। रिश्तेदारों के घर जाने का अवसर मिलेगा। धार्मिक प्रवृत्ति के लोगों से मुलाकात होगी। पुराना रोग कष्ट दे सकता है।

तुला — आज विरोधी आपके प्रति सक्रिय रहेंगे। समाज में आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। परीक्षा परिणाम आपके पक्ष में होने की संभावना है। पिताजी के साथ महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हो सकती है। अति-उत्साह में आपके काम बिगड़ सकते हैं।

वृश्चिक — आज नई नौकरी के अवसर आपको प्राप्त हो सकते हैं। आपकी दिनचर्या काफी व्यवस्थित रहेगी। पारिवारिक तनाव दूर होगा। मन में अज्ञात कारणों से चिन्ता रहेगी। करियर को लेकर आप पूरी तरह से एकाग्रचित्त रहेंगे। व्यवसाय में आपको शानदार धन लाभ मिलेगा।

धनु — आज नए प्रेम संबंध विकसित हो सकते हैं। संतान की उन्नति से आप अत्यधिक प्रसन्न रहेंगे। पूर्व में किया गया निवेश लाभप्रद रहेगा। आपकी प्रतिभा और योग्यता की प्रशंसा होगी। पति-पत्नी के आपसी सम्बन्ध प्रगाढ़ होंगे।

मकर — आज राजनीति से जुड़े लोगों को सावधान होकर वक्तव्य देने चाहिए। कार्यक्षेत्र का वातावरण आपके अनुकूल रहेगा। आज आपका मन अत्यन्त प्रसन्न रहेगा। बढ़ते खर्चों को लेकर निराशा होने की सम्भावना है। बच्चों के स्वास्थ्य की समस्या हो सकती है।

कुंभ — आज अटके हुए काम दोबारा शुरू होंगे। वाहन चलाते समय नियमों का पालन करें। शारीरिक पीड़ा हो सकती है। माता-पिता के स्वास्थ्य की चिंता होगी। ससुराल पक्ष से धन लाभ होगा। अति उत्साह में कोई नया काम आरम्भ न करें।

मीन — आज आपको कार्यक्षेत्र में नकारात्मक परिस्थितियों का सामना करना पड़ेगा। अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण रखें। प्रेम संबंधों में थोड़ी अनबन हो सकती है। कड़वे वचन बोलने से आपको बचना चाहिए। ससुराल पक्ष के साथ अपने सम्बन्ध खराब न करें।

जागेश्वर धाम में श्रावणी मेले का सांस्कृतिक आगाज

मुख्यमंत्री धामी ने किया वर्चुअल संबोधित, केंद्रीय राज्य मंत्री अजय टम्टा ने किया मेले का शुभारंभ, स्कूली बच्चों ने दी प्रस्तुति

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार : सुप्रसिद्ध जागेश्वर धाम में श्रावणी मेले का बुधवार को हरेला पर्व पर सांस्कृतिक रूप से आगाज हुआ। एक माह तक चलने वाले मेले का शुभारंभ केंद्रीय राज्य मंत्री अजय टम्टा और विधायक मोहन सिंह मेहरा ने संयुक्त रूप से किया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने समारोह को वर्चुअली संबोधित किया।

श्रावणी मेले को लेकर प्रशासन और मंदिर समिति ने पुख्ता व्यवस्था की हुई थी। सुबह विधिवत पूजा-अर्चना के बाद केंद्रीय राज्य मंत्री और विधायक ने रिबन काटकर मेले का शुभारंभ किया। इस दौरान केंद्रीय मंत्री टम्टा ने सभी को हरेला पर्व की शुभकामनाएं दीं। कहा कि जागेश्वर धाम राज्य ही नहीं पूरे देश में सुप्रसिद्ध है। देश-विदेश से लोग यहां आकर पूजा-अर्चना करते हैं। मेले को भव्य बनाने के लिए जिला प्रशासन और मंदिर समिति के प्रयास सराहनीय हैं। विधायक मेहरा ने कहा कि जागेश्वर धाम सबकी श्रद्धा का केंद्र है। इससे पूर्व स्कूली बच्चों ने एक से बढ़कर एक रंगारंग सांस्कृतिक कार्यकम पेश किए। इस मौके पर सीडीओ रामजी शरण शर्मा, पुजारी प्रतिनिधि पंडित नवीन चंद्र भट्ट, कार्यवाहक प्रबंधक जागेश्वर मंदिर प्रबंधन समिति बरखा जलाल समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

जागेश्वर में बुधवार को श्रावणी मेले का शुभारंभ करते केंद्रीय राज्य मंत्री अजय टम्टा। ● अमृत विचार

सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने बांधा समां

जागेश्वर धाम में श्रावणी मेले के शुभारंभ मौके पर स्कूली बच्चों ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। इस मौके पर छात्राओं ने कुमाऊनी-गढ़वाली गीतों में कार्यक्रमों की प्रस्तुति देकर दर्शक दीर्घा में बैठे लोगों में खूब तालियां बटोरी।

लोकपर्व पर पौधे रोपकर किया धरती का श्रृंगार

अल्मोड़ा : जिले भर में आस्था और श्रद्धा का प्रतीक लोकपर्व हरेला धूमधाम से मनाया गया। जगह-जगह फलदार और छायादार पौधों का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। वहीं, मंदिरों में भी सुबह से ही पूजा-अर्जना के लिए भक्तों की लंबी कतार लगी रही। बुधवार को लोगों ने गणेश पूजन के साथ घरों में आठ दिन पूर्व बोया हरेला काटा और मंदिरों में अर्पित किया। जी रया, जागि रया, यो दिन और यो मास भेंटनै रया, आशीष वचनों के साथ बच्चों को आशीर्वाद दिया। विवाहित महिलाओं ने मायके पहुंचकर भाई व परिवार के अन्य परिजनों को हरेला चढ़ाकर आशीर्वाद लिया। इस दौरान घरों में विशेष पकवान बनाए गए। बच्चों में पर्व को लेकर विशेष उत्साह देखने को मिला। इधर, हरेला पर्व के अवसर पर जिलेभर में वृहद पौधरोपण हुआ और लगभग 25 हजार पौधे रोपे गए। मुख्य कार्यक्रम आरतोला जागेश्वर में हुआ, जहां केंद्रीय राज्य मंत्री अजय टम्टा ने पौधरोपण किया। उन्होंने राज्य वासियों को हरेला पर्व की शुभकामनाएं दी और लोगों से अधिक से अधिक पेड़ लगाकर प्रकृति संरक्षण की अपील की। डीएम ने आलोक कुमार पांडेय ने भी जनपद वासियों को हरेला पर्व की शुभकामनाएं देते हुए आव्हान किया कि हमें प्रकृति से जुड़कर रहना चाहिए। इसका संरक्षण करना चाहिए एवं इसके संवर्धन के लिए हर संभव प्रयास करने चाहिए।

जागेश्वर धाम पौराणिक सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक

देहरादून, अमृत विचार : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जागेश्वर मंदिर समिति द्वारा आयोजित श्रावणी मेले के शुभारंभ अवसर पर वर्चुअल माध्यम से प्रतिभाग करते हुए सभी श्रद्धालुओं एवं आयोजकों को मेले की शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि जागेश्वर धाम देवभूमि उत्तराखंड की पौराणिक सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है।

श्रावणी मेला न केवल एक धार्मिक आयोजन है, बल्कि यह हमारी लोक आस्था, परंपराओं एवं सांस्कृतिक मूल्यों का जीवंत प्रतीक भी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारी सांस्कृतिक विरासत के पुनरुत्थान का अमृतकाल चल रहा है। अयोध्या में श्रीराम मंदिर, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर, महाकाल लोक तथा केदारनाथ-बद्रीनाथ धाम के पुनर्निर्माण इसके उत्कृष्ट उदाहरण हैं। राज्य सरकार मानसखंड मंदिर माला मिशन के अंतर्गत कुमाऊं के प्रमुख धार्मिक स्थलों के संरक्षण एवं विकास के लिए प्रतिबद्ध है। जागेश्वर मास्टर प्लान के प्रथम चरण में 146 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी जा चुकी है। दूसरे चरण की विकास परियोजनाएं भी स्वीकृत हो चुकी हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनपद अल्मोड़ा में कोसी नदी के किनारे 40 किमी का साइकिल ट्रैक, शीतलाखेत को ईको टूरिज्म, द्वाराहाट और बिनसर को आध्यात्मिक पर्यटन के रूप में विकसित किया जा रहा है। राज्य सरकार उत्तराखंड को अग्रणी राज्य बनाने के लिए कार्यरत है। नीति आयोग की रिपोर्ट के अनुसार उत्तराखंड ने सतत विकास लक्ष्यों में देश में पहला स्थान प्राप्त किया है। राज्य में बेरोजगारी दर राष्ट्रीय औसत से कम हुई है। पिछले चार वर्ष में 24 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी प्रदान की गई है।

जौरासी रेंज में किया गया पौधरोपण

वन प्रभाग अल्मोड़ा के जौरासी रेंज की ओर से बुधवार को हरेला पर्व पर पौधारोपण का आयोजन किया गया। इस दौरान विभिन्न प्रजाती के पौधों का रोपण कर इनको बचाने का संकल्प लिया गया। यहां वन क्षेत्राधिकारी उमेश चंद्र पांडे समेत अन्य मौजूद रहे। उधर, शीतलाखेल अनुभाग में भी पौधारोपण किया गया। यहां डिप्टी रेंजर हेम चंद्र, वन आरक्षी प्रकाश कुमार, दीवान सिंह आदि मौजूद रहे।

एसएसबी मुख्यालय में हरेला पर्व पर पौधरोपण करते अधिकारी और जवान।

एसएसबी मुख्यालय में मनाया गया हरेला पर्व

रानीखेत : सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के सीमांत मुख्यालय मे उत्तराखंड का लोकपर्व हरेला धूमधाम से मनाया गया| इस अवसर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें बल कार्मिकों और उनके परिजनों ने विभिन्न प्रजाति के पौधों का रोपण किया जिसमें अनार, देवदार, बांझ, पुतली, कनौल व अन्य प्रजाति के कुल 180 पौधे शामिल थे। कार्यक्रम ने, परीक्षित बेहेरा, उप-महानिरीक्षक सीमांत रानीखेत, डॉ ओ .बी . सिंह उप-महानिरीक्षक (चिकित्सा) व डॉ जयंत कुमार शर्मा, कमांडेंट (पशु चिकित्सक), प्रभाकर , उप- कमांडेंट, अनिल कुमार जोशी, उप-कमांडेंटकमांडेंट व पलके अधिकारी कर्मचारी तथा परिजन मौजूद रहे।

पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

अल्मोड़ा : जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से हरेला महोत्सव का आयोजन किया गया। इस दौरान सिमकनी खेल मैदान के आसपास विभिन्न फलदार पौधों का रोपण किया गया। इस मौके पर सचिव विधिक सेवा प्राधिकरण शचि शर्मा, पार्षद गीता बिष्ट, संदीप नयाल, नरेंद्र बगड़वाल, राजेश अल्मियां, मनोहर सिंह, भुवन भाष्कर राठौर, नंदन सिंह दसौनी, गुड्डू बिष्ट, प्रेम सिंह सांगा, मंजू धर्मशत्तू, प्रकाश लसपाल, सुरेश चंद्र गुणवंत, अनुज जोशी, गणेश नयाल, खुशाल सिंह, प्रकाश अल्मियां आदि मौजूद रहे।

हर्षोल्लास से मनाया लोकपर्व हरेला

बैरती (अल्मोड़ा) : गेवाड़घाटी क्षेत्र में भी लोकपर्व हरेला हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कर्क संक्रांति पर आयोजित होने वाले इस लोकपर्व की समूचे इलाकों में धूम रही। परंपरानुसार लोगों ने घरों में पांच या सात अनाजों की बोई गयी बालियां हरेला को घरों व मंदिरों में चढ़ाने उपरांत सिरोधार्य किया। अच्छी फसल, स्वस्थ्य व सुखी दीर्घ जीवन एवं पर्यावरण संरक्षण की मनोकामना के आदान- प्रदान के साथ त्यौहार मनाया गया। आतिथ्य सत्कार के साथ हरेला व विविध पकवानों का आदान- प्रदान किया गया।

झोड़ा गीतों का गायन कर लगाए गए पौधे

संवाददाता, लोहाघाट

अमृत विचार : सरकारी विभागों, विभिन्न संगठनों और स्थानीय लोगों ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। बाराकोट ब्लाक में खंड विकास अधिकारी मोनिका पाल के नेतृत्व में पौधारोपण के साथ पारंपरिक झोडा गायन किया गया। पाटी ब्लाक के अमोली गांव में महिलाओं और पुरुषों ने हरेला पर्व के अवसर पर पारंपरिक गीतों का गायन कर पौधे लगाए।

जीजीआईसी लोहाघाट में राजू गड़कोटी और अन्य लोगों ने स्मार्ट ईको क्लब के माध्यम से पौधारोपण किया। वन विभाग ने गुमदेश के खिलपति, रुदमाली, पोखरी बोरा और मढ़ क्षेत्र में बड़े पैमाने पर पौधे रोपे। इस दौरान रेंजर नारायण दत्त पांडेय, लक्ष्मण नयाल, भास्कर नैनवाल, पियूष बिष्ट, रोहित मेहता, कल्याण सामंत सहित कई लोग मौजूद रहे। राइकोट महर में अश्व कल्याण परियोजना की भागीदारी राईकोट महर में ब्रुक इंडिया की अश्व कल्याण परियोजना के तहत तेजपात और नींबू के पौधों का रोपण किया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय सहायक करन सिंह, गिरीश राम, सुंदर राम, सुरेश राम, रमेश राम, अनीता देवी सहित समूह की महिलाएं शामिल रहीं। सहकारिता विभाग ने मानेश्वर मंदिर प्रांगण में पौधारोपण किया। इस दौरान सहकारिता सहायक विकास अधिकारी लीला बोहरा, सचिव महेश बोहरा, मठाधीश श्री 108 धर्मराज पुरी महाराज, प्रेम सिंह, हरीश सिंह आदि मौजूद थे।

पुलिस लाइन व थाना परिसरों में भी चला पौधरोपण अभियान

चम्पावत, अमृत विचार : हरेला पर्व पर पुलिस लाइन परिसर व जनपनद के समस्त थाना परिसरों में 250 से अधिक फलदार व औषधीय पौधे लगाए गए।

पुलिस लाइन में एसपी अजय गणपति ने क्रेप मर्टल का पौधा लगाकर पुलिस कर्मियों को पौधारोपण के धार्मिक एवं वैज्ञानिक महत्व की जानकारी दी। साथ ही रोपित पौधों की सुरक्षा का आह्वान किया। कहा कि प्रकृति से सामंजस्य बैठाने के लिए यह एक बेहतरीन त्योहार है। सभी को कम से कम एक पौधा लगाकर प्रकृति संरक्षण में अपना योगदान देना चाहिए। विभिन्न परिसरों में पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों ने पदम, देवदार, माल्टा, नींबू, जामुन, अमरुद के पौधे लगाए गए।

चम्पावत में एक लाख से भी अधिक पौधे रोपित

- जिले में धूमधाम से मनाया गया हरेला पर्व, वन पंचायत पुनेठी में आयोजित हुआ मुख्य कार्यक्रम
- जिलाधिकारी, एसपी सहित अधिकारियों व कर्मचारियों ने किया पौधरोपण

संवाददाता, टनकपुर/चम्पावत

अमृत विचार : पर्यावरणीय चेतना का प्रतीक हरेला पर्व जिले में धूमधाम मनाया गया। विभिन्न स्थानों पर पौधरोपण कर प्रकृति को हरा भरा रखने का संकल्प लिया गया। टनकपुर के नेहरू पार्क में पालिका अध्यक्ष विपिन कुमार व ईओ भूपेंद्र प्रकाश जोशी की देखरेख में पौधे लगा कर उन्हें संरक्षित करने का भी संकल्प लिया गया। इस मौके पर सभासद व पालिका कर्मचारी मौजूद रहे।

बूम वन रेंज के रेंजर गुलजार हुसैन के नेतृत्व में तलियाबांज, नौलापानी, पोथ व बस्तिया अनुभाग के पूर्वी छीनी कक्ष संख्या आठ के साथ-साथ रेंज के विभिन्न स्थानों में वृहद स्तर पर पौधरोपण किया गया। इस मौके पर वन दरोगा महेश सिंह अधिकारी, वन दरोगा भरत सिंह नेगी, मनोज राय, रिशिपाल जोशी, हयाद सिंह, भूपाल सिंह रावत, हेमा धोनी, योगेश जोशी आदि मौजूद रहे। मुख्य कार्यक्रम जिला मुख्यालय के वन पंचायत पुनेठी में आयोजित हुआ, जहां शंख ध्वनि के साथ उत्तराखंड राज्य वन एवं पर्यावरण सलाहकार समिति के उपाध्यक्ष श्याम नारायण पांडे ने पौधोरोपण कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

उन्होंने ग्रामीणों, जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के साथ मिलकर पौधारोपण किया। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी जयवर्धन शर्मा ने जिलाधिकारी मनीष कुमार को तथा स्वीप समन्वयक जीवन कलौनी ने मुख्य अतिथि श्याम नारायण पांडेय को हरेला भेंट किया गया। मुख्य अतिथि पांडेय ने कहा कि हरेला केवल एक पर्व नहीं, बल्कि हमारी धरती से जुड़ाव और हरियाली के प्रति हमारी जिम्मेदारी का प्रतीक है। जिम्मेदारी पौधा लगाने तक सीमित नहीं है, बल्कि उसे संरक्षित करना और बड़ा करना भी हमारी ज़िम्मेदारी है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'एक पेड़ मां के नाम' संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के इस पर्व को जन आंदोलन के रूप में विकसित करने के प्रयासों की सराहना की। विधायक प्रतिनिधि प्रकाश तिवारी, नगर पालिका अध्यक्ष प्रेमा पांडे, सीडीओ डा. जीएस खाती, एसएसबी कमांडेंट संजय कुमार, सीईओ मेहरबान सिंह बिष्ट, डीडीओ दिनेश दिगारी सहित जन सामान्य, छात्र-छात्राएं, महिला समूह, मंगल दल की महिलाओं ने उतिश, बांज, अकेशिया, देवदार सहित अन्य प्रजातियों के पौधे लगाए गए।

चम्पावत में पौध रोपित करते डीएम, एसपी व अन्य। ● अमृत विचार

उद्यान सचल दल केंद्र ने बांटे फलदार पौधे

लोहाघाट, अमृत विचार : उद्यान सचल दल केंद्र रौंशाल की ओर से राजकीय इंटर कालेज दिगालीचौड़ व रौंशाल सहित अन्य विद्यालयों में नींबू वर्गीय पौधे बांटकर उनका रोपण किया गया। उद्यान सचल दल प्रभारी राकेश चतुर्वेदी, इंटर कालेज दिगालीचौड़ के प्रधानाचार्य डा. सुधाकर जोशी आदि ने स्कूली बच्चों के साथ पौधे लगाकर हरेला पर्व और पौधारोपण के महत्व की जानकारी दी।

अनिश्चितकालीन हड़ताल खत्म अब काम पर लौटे पर्यावरण मित्र

संवाददाता, बनबसा

अमृत विचार : नगर पंचायत बनबसा में देवभूमि उत्तराखंड स्थाई कर्मचारी संघ, शाखा बनबसा द्वारा अपनी विभिन्न लंबित मांगों को लेकर चल रही अनिश्चितकालीन हड़ताल समाप्त कर दी गई है।

अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत दीपक चंद्र बुढलाकोटी ने जानकारी दी कि जिलाधिकारी मनीष कुमार के निर्देशानुसार संगठन के प्रतिनिधियों के साथ सकारात्मक वार्ता के उपरांत अधिकतर मांगों पर सहमति बन गई, जिसके बाद पर्यावरण मित्रों अपने कार्य पर लौट आए हैं। संघ की मुख्य मांगों में स्वच्छता समिति के अंतर्गत कार्यरत कार्मिकों का मानदेय सीधे उनके बैंक खातों में हस्तांतरित करना और ईपीएफ भुगतान की व्यवस्था सुनिश्चित करना शामिल था। इस संबंध में पर्यावरण मित्रों को अवगत कराया गया है कि निदेशालय स्तर पर निर्णय के अनुसार आगामी माह से मानदेय सीधे संबंधित कर्मचारियों के बैंक खातों में भेजा जाएगा तथा ईपीएफ भी नियमानुसार जमा किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, पर्यावरण मित्रों के लिए पृथक आवास सुविधा की मांग पर भी कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है। अधिशासी अधिकारी ने बताया कि इस हेतु आवश्यक योजना बनाई जा रही है, जिससे पर्यावरण मित्रों को दीर्घकालिक सुविधा मिल सके। पूर्व ठेकेदार के माध्यम से कार्यरत कर्मचारियों के दो माह के लंबित मानदेय के भुगतान को लेकर भी शीघ्र कार्रवाई की जाएगी। ठेकेदार को वार्ता के लिए आमंत्रित किया जाएगा, ताकि बकाया भुगतान की प्रक्रिया को शीघ्र पूरा किया जा सके।

सफाई करतीं पर्यावरण मित्र।

स्नातकोत्तर में प्रवेश के लिए आवेदन शुरू

- एसएसजे, कुविवि और श्रीदेव सुमन में प्रवेश को एक साथ आवेदन
- समर्थ पोर्टल के माध्यम से 26 जुलाई तक पंजीकरण करेंगे छात्र

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार : सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय अल्मोड़ा समेत अन्य विश्वविद्यालयों में स्नातकोत्तर में प्रवेश के लिए पंजीकरण शुरू हो गए हैं। छात्र छात्राएं समर्थ पोर्टल के माध्यम से 26 जुलाई तक आवेदन कर सकते हैं।

एसएसजे विवि, कुमाऊं विश्वविद्यालय और श्रीदेव सुमन विश्वविद्यालय में इस बार भी स्नातकोत्तर में प्रवेश के लिए पंजीकरण समर्थ पोर्टल पर ही किए जा रहे हैं। पंजीकरण के लिए शासन की ओर से पोर्टल खोल दिया गया है। पोर्टल खुलने से पंजीकरण शुरू हो गए हैं। पंजीकरण के बाद प्रवेश प्रक्रिया शुरू होगी। संबंधित कॉलेजों में मैरिट के आधार पर छात्रों के प्रवेश किए जाएंगे। एसएसजे विवि में समर्थ पोर्टल के नोडल अधिकारी डॉ. मनोज कुमार बिष्ट ने बताया कि पंजीकरण शुरू हो गए हैं।

पंजीकरण के लिए अंतिम तिथि 26 जुलाई रखी गई है। छात्र छात्राएं अंतिम तिथि से पहले पंजीकरण कर लें। ताकि वह प्रवेश से वंचित ना रह सकें। वहीं, एसएसजे परिसर में स्नातक प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश प्रक्रिया भी जारी है।

अभियान में रोपे गए 600 पौधे

रानीखेत : हरेला पर्व के अवसर पर बुधवार को रानीखेत वन प्रभाग के तीन प्रमुख स्थलों-सोनी सेक्शन (कम्पार्टमेंट 23), गणियाद्योली सेक्शन (कम्पार्टमेंट 6) और द्वारसों सेक्शन (कम्पार्टमेंट 2)-में पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। अभियान के दौरान कुल 600 पौधे रोपे गए। वन क्षेत्राधिकारी तापस मिश्रा ने कहा कि हरेला पर्व के इस अवसर पर आयोजित यह अभियान न केवल हरित क्षेत्र बढ़ाने की दिशा में एक सार्थक कदम है, बल्कि यह लोगों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने का भी प्रतीक है। वन दरोगा होशियार नाथ एवं संजय मेहरा, वन आरक्षी भूपाल मेहता, नवीन चंद्र तिवारी, दिनेश चौहान, रजत नाथ गोस्वामी, नंदन सिंह अधिकारी आदि मौजूद रहे।

सार-संक्षेप

पौधारोपण करते एसएसबी व वन विभाग के जवान।

पौधरोपण करने के लिए किया गया प्रेरित

बनबसा : 57 वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, द्वारा लोकपर्व हरेला के उपलक्ष्य में वृहद पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन कमान्डेंट मनोहर लाल के नेतृत्व में किया गया। कार्यक्रम का आयोजन बूम, बनबसा एवं धनुषपुल समवायो द्वारा सीमावर्ती क्षेत्रों में किया गया | कार्यक्रम में वन विभाग, ग्रामीणों एवं एसएसबी के जवानों ने सक्रिय भागीदारी की। समवाय प्रभारियों द्वारा मानव जीवन में वृक्षों के महत्व को रेखांकित करते हुए सभी उपस्थित लोगों को एक पेड़ अपनी मां के नाम लगाने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर सभी प्रतिभागियों ने अपनी माताओं के नाम पर पौधरोपण का संकल्प भी लिया। पौधरोपण कार्यक्रम में एसएसबी की ओर से हरिमोहन मीणा, सहायक कमांडेंट, निरीक्षक अमरेश कुमार, कमलेश कुमार उपस्थित रहे | इस अवसर पर वन विभाग के संयुक्त प्रयास से 600 पौधे लगाए गए | 57 वाहिनी एसएसबी का यह प्रयास पर्यावरण संरक्षण, सामुदायिक सहभागिता एवं लोक संस्कृति के संवर्धन की दिशा में एक सराहनीय पहल है। इस दौरान सभी को पौधरोपण करने के लिए प्रेरित किया गया।

धौलछीना में शराब की तस्करी का आरोपी गिरफ्तार

अल्मोड़ा : त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को लेकर पुलिस की सख्ती जारी है। मादक पदार्थों की तस्करी करने वालों की धरपकड़ को पुलिस ने अभियान तेज कर दिया है। अब धौलछीना पुलिस ने शराब की तस्करी कर रहे एक आरोपी को धर दबोचा। धौलछीना थानाध्यक्ष विजय नेगी की अगुवाई में पुलिस टीम ने बाड़ेछीन कस्बे में चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान पालिटेक्निक तिराहे के एक व्यक्ति शक होने पर रोककर चेक किया गया। चेक करने पर आरोपी पुष्कर सिंह सिराड़ी निवासी सिराड़ के कब्जे से 16 बोतल अंग्रेजी शराब बरामद हुई। जिसके बाद आरोपी को गिरफ्तार करते हुए थाना धौलछीना में आबकारी अधिनियम के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया। एसएसपी देवेंद्र पींचा ने बताया कि पंचायत चुनाव को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने को पुलिस की संदिग्धों पर नजर है। अराजकता फैलाने वालों और मादक पदार्थों की तस्करी करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस की गिरफ्त में आरोपी।

हादसा

डीएम ने उपजिला मजिस्ट्रेट डीडीहाट को जांच अधिकारी नामित किया, घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए प्रस्तुत किए जाएंगे ठोस सुझाव

एक साथ जलीं छह चिताएं, मुवानी घाटी में रहा शोक व्याप्त

- जीप हादसे में हुई थी 8 लोगों की मौत, छह लोग हुए थे गंभीर घायल

संवाददाता, पिथौरागढ़

अमृत विचार : तहसील देवथल क्षेत्र में मंगलवार शाम हुए जीप हादसे की जिलाधिकारी विनोद गोस्वामी ने के कारणों की मजिस्ट्रियल जांच के आदेश जारी किए हैं। जांच के लिए उपजिला मजिस्ट्रेट, डीडीहाट को जांच अधिकारी नामित किया गया है। इस भीषण हादसे में आठ लोगों की मौत हो गई थी जबकि छह लोग गंभीर रूप से घायल हुए थे।

बुधवार को जारी आदेश के अनुसार, उपजिला मजिस्ट्रेट घटना से संबंधित सभी तथ्यों की निष्पक्ष जांच कर मजिस्ट्रियल जांच आख्या प्रस्तुत करेंगे। साथ ही, यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो, इसके लिए ठोस सुझाव भी प्रस्तुत किए जाएंगे। उधर, इस हादसे के बाद से मुवानी घाटी में शोक व्याप्त है। बुधवार को सभी आठ शवों का अंतिम संस्कार किया गया। इनमें दो सगी बहनों के साथ एक महिला सहित गांव के ही छह लोगों के शवों की चिता एक साथ जलीं।

सात वर्ष की मासूम का शव दफनाया गया जबकि गांव की विवाहिता बेटी का शव उसके घर चंडाक भेजा गया। डीएम विनोद गोस्वामी और एसपी रेखा यादव ने मुवानी पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया। इसके बाद उन्होंने बोकटा पहुंचकर मृतकों के परिजनों से मुलाकात की। घटना पर दुख जताते हुए उन्होंने उन्हें हरसंभव मदद का भरोसा दिया। कहा कि घटना दुर्भाग्यपूर्ण है। प्रशासन और सरकार मृतकों के परिजनों के साथ खड़ी है।

उधर, विधायक मयूख महर ने जिला अस्पताल पहुंचकर मरीजों का हाल जाना। सीएमओ डॉ. एसएस नबियाल के मुताबिक योगेश कुमार, श्याम सिंह मनोला, दीवान सिंह, सुमित सिंह, पूजा मनोला, वीणा का अस्पताल में उपचार चल रहा है। विधायक ने हरसंभव मदद का आश्वासन दिया। इस दौरान भुवन पांडे, गौरव महर, संतोष गोस्वामी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

निरीक्षण के दौरान निर्देश देते डीएम विनोद गोस्वामी, साथ में एसपी रेखा यादव।

जीप हादसे का कारण मैकेनिकल फाल्ट

पिथौरागढ़, अमृत विचार : पिथौरागढ़-थल जीप हादसे में जिलाधिकारी विनोद गोस्वामी और पुलिस अधीक्षक रेखा यादव ने बुधवार को घटना स्थल का स्थलीय निरीक्षण किया। प्राथमिक तौर पर हादसे का कारण मैकेनिकल फाल्ट होना बताया जा रहा है। इस दौरान डीएम ने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को मोटरपुल के दोनों ओर क्रैश बैरियर लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने उरेडा विभाग को भी मोटरपुल की दोनों ओर सोलर लाइट लगाने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त राजस्व निरीक्षक को घटना स्थल की फोटोग्राफी कर आवश्यक कार्यवाही करने के भी निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने बोकटा गांव पहुंचकर मृतकों के परिजनों से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना व दुख की इस घड़ी में ढांढस बंधाते हुए मुख्यमंत्री एवं जिला प्रशासन की ओर से गहरी शोक संवेदना व्यक्त की। कहा कि, जिला प्रशासन द्वारा उनको हरसंभव सहायता दी जाएगी। उत्तराखंड सड़क परिवहन दुर्घटना राहत निधि में अनुमन्य राहत सहायता मृतकों के परिजनों को दी गई। इस दौरान उप जिलाधिकारी डीडीहाट खुशबु आर्या, उपजिलाधिकारी आशीष जोशी, एआरटीओ शिवांश कांडपाल एवं संबंधित विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

2025-26 में खुदरा महंगाई औसतन 4%

क्रिसिल के अनुसार, बेहतर मानसून से खाद्य मुद्रास्फीति कम रहने की उम्मीद

कोलकाता, एजेंसी

- क्रिसिल ने कहा- चालू वित्त वर्ष में जीडीपी 6.5% रहने का अनुमान
- मानसून एवं रेपो दर में कटौती जैसे घरेलू कारक वृद्धि के लिए साबित होंगे मददगार

रेटिंग एजेंसी क्रिसिल ने चालू वित्त वर्ष में खुदरा महंगाई औसतन चार प्रतिशत रहने की उम्मीद जताई है, जबकि पिछले वित्त वर्ष में यह 4.6 प्रतिशत थी। क्रिसिल ने अपनी नवीनतम अध्ययन रिपोर्ट में कहा है कि भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के सामान्य से बेहतर मानसून के पूर्वानुमान को देखते हुए वित्त वर्ष 2025-26 में खाद्य मुद्रास्फीति कम रहने की उम्मीद है।

रिपोर्ट के मुताबिक, जिंस उत्पादों के दाम कम होने से गैर-खाद्य मुद्रास्फीति भी इस दौरान कम रहेगी। भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) प्रमुख ब्याज दर के संबंध में कोई भी निर्णय करते समय खुदरा मुद्रास्फीति को ही आधार बनाती है।

क्रिसिल ने कहा कि चालू वित्त वर्ष में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर 6.5 प्रतिशत रहने का अनुमान है। हालांकि, इसमें गिरावट का जोखिम बना हुआ है। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि अमेरिका में सीमा शुल्क बढ़ाए जाने को निर्यात के लिए जोखिम के रूप में देखा जा रहा है, जबकि बढ़िया मानसून एवं रेपो दर में कटौती जैसे घरेलू कारक वृद्धि के लिए मददगार साबित होंगे। प्रणाली में सहयोगी तरलता होने से अर्थव्यवस्था की वित्तीय स्थिति में मदद मिलनी चाहिए, लेकिन रुपये के साथ पूंजी प्रवाह में भी उतार-चढ़ाव की आशंका है। बैंक ऋण वृद्धि कमजोर बनी हुई है। मई, 2025 तक उपलब्ध आंकड़े पहली तिमाही में बैंक ऋण वृद्धि में नरमी का संकेत देते हैं।

वैश्विक अनिश्चितताओं से कच्चे तेल की कीमतों में आया उछाल

क्रिसिल ने कहा कि मुद्रास्फीति में नरमी मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) को इस वित्त वर्ष में एक बार फिर रेपो दर में कटौती करने और फिर कुछ समय के लिए विराम देने की गुंजाइश देगी। हालांकि, वैश्विक अनिश्चितताएं पूंजी प्रवाह और मुद्रा की गतिविधियों में अस्थिरता जारी रख सकती हैं। एमपीसी ने अपनी जून की बैठक में रेपो दर में 0.50 प्रतिशत की कटौती की थी, जिससे यह घटकर 5.5 प्रतिशत हो गई थी। वैश्विक अनिश्चितताओं से कच्चे तेल की कीमतों में उछाल आया है, जो जनवरी, 2025 के बाद पहली बार जून में 80 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया था। इससे बॉन्ड प्रतिफल, शेयर बाज़ार और रुपये पर दबाव देखने को मिला।

पर्याप्त नगदी बनाए रखने की आरबीआई की प्रतिबद्धता: फिच

नई दिल्ली। फिच रेटिंग्स ने बुधवार को कहा कि आरबीआई के 2025 की शुरुआत से बैंकिंग प्रणाली में पर्याप्त नगदी डालने और प्रणाली में पर्याप्त नगदी बनाए रखने की प्रतिबद्धता से 2025 में ब्याज दरों में 1 प्रतिशत की कटौती का लाभ ग्राहकों तक पहुंचाने में मदद मिलेगी। आरबीआई ने सरकारी प्रतिभूतियों की खरीद से 2025 में 5.6 लाख करोड़ रुपये (परिसंपत्तियों का 2 प्रतिशत) का टिकाऊ वित्तपोषण किया है, जिसके परिणामस्वरूप मार्च से प्रणाली में अधिशेष नगदी हो गई है। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि नकद-आरक्षित अनुपात (सीआरआर) में 1 प्रतिशत की कटौती करने के उसके निर्णय से चरणबद्ध तरीके से 2.7 लाख करोड़ की नगदी जारी होगी। जनवरी 2025 से बैंकिंग प्रणाली में आरबीआई द्वारा पर्याप्त नगदी डाले जाने तथा नगदी उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता से वित्तपोषण आसान हो गया है।

इक्विटी-कमोडिटी : पारदर्शी व विविधीकृत निवेश

इक्विटी-आधारित कमोडिटी वह निवेश विकल्प है, जिसमें निवेशक सीधे कमोडिटी जैसे सोना, चांदी, तेल, या कृषि उत्पादों में निवेश न करके संबंधित कंपनियों के शेयरों में निवेश करते हैं। ये कंपनियां कमोडिटी उत्पादक, प्रोसेसर या वितरक होती हैं। ऐसे निवेशक स्टॉक एक्सचेंज के माध्यम से इन कंपनियों के शेयर खरीदते हैं और कमोडिटी की कीमतों में उतार-चढ़ाव से अप्रत्यक्ष लाभ प्राप्त करते हैं। यह तरीका पारंपरिक कमोडिटी ट्रेडिंग की तुलना में अधिक सुविधाजनक, पारदर्शी और विविधीकृत निवेश विकल्प प्रदान करता है, विशेष रूप से उन लोगों के लिए जो शेयर बाजार में सक्रिय हैं।

क्या है इक्विटी कमोडिटी

यह ऐसा निवेश है जिसमें आप कमोडिटी की कीमतों से संबंधित कंपनियों के शेयरों में निवेश करते हैं। उदाहरण के लिए, अगर आप गोल्ड में निवेश नहीं करना चाहते लेकिन उससे लाभ लेना चाहते हैं, तो आप गोल्ड माइनिंग कंपनियों जैसे हिंदुस्तान ज़िंक, वेदांता या न्यूमॉन्ट के शेयर खरीद सकते हैं।

ध्यान देने योग्य

- कमोडिटी की कीमतें वैश्विक घटनाओं से प्रभावित होती हैं।
- संबंधित कंपनियों के कर्ज, मैनेजमेंट और नीतियों का भी प्रभाव होता है।
- निवेश से पहले जोखिम सहने की क्षमता और समयावधि का मूल्यांकन करें।

कैसे करें निवेश

- **शेयर बाजार में खाता खोलें :** पहले एक डीमैट और ट्रेडिंग खाता बनाएं। **कमोडिटी कंपनियां पहचाने :** तेल कंपनियां (ओएनजीसी), धातु कंपनिया (हिंडाल्को, वेदांता), कृषि कंपनियां (यूपीएल)।
- **शोध करें :** कंपनियों के वित्तीय प्रदर्शन, कमोडिटी की वैश्विक मांग-आपूर्ति को समझें। **लंबी अवधि का दृष्टिकोण रखें :** कमोडिटी में उतार-चढ़ाव से मुनाफे पर असर पड़ता है, जिससे मूल्य प्रभावित होता है।

निवेश से होने वाले लाभ

- **विविधीकरण :** यह पारंपरिक इक्विटी पोर्टफोलियो से अलग एक्सपोज़र देता है।
- **लिक्विडिटी :** शेयर कभी भी बेचे या खरीदे जा सकते हैं।
- **कम लागत :** फिजिकल कमोडिटी रखने की तुलना में इसमें भंडारण, बीमा जैसी लागतें नहीं होतीं।
- **आय स्रोत :** कुछ कंपनियां लाभांश (डिविडेंड) भी देती हैं।

चिली और पेरू के साथ प्रस्तावित व्यापार समझौतों पर अगले दौर की वार्ता अगस्त में

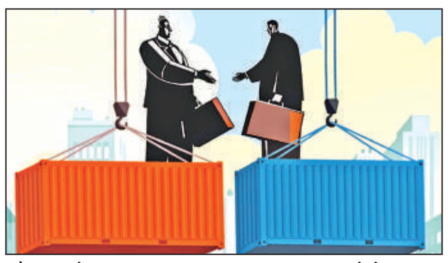

नई दिल्ली। भारत और दो दक्षिण अमेरिकी देशों चिली और पेरू के बीच प्रस्तावित व्यापार समझौतों पर अगले दौर की वार्ता अगस्त में होगी। एक अधिकारी ने बुधवार को बताया कि दोनों देशों से अलग-अलग बातचीत जारी है।

अधिकारी ने बताया कि भारत-चिली के बीच दूसरे दौर की वार्ता जबकि भारत-पेरू के बीच आठवें दौर की वार्ता अगस्त में होगी। भारत और चिली ने मई में प्रस्तावित व्यापक मुक्त व्यापार समझौते पर पहले दौर की वार्ता की थी। दोनों देशों ने 2006 में एक तरजीही व्यापार समझौता (पीटीए) लागू किया था और अब एक व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) के लिए इसके दायरे को बढ़ाने पर बातचीत जारी है। इसके बाद सितंबर, 2016 में एक विस्तारित पीटीए पर हस्ताक्षर किए गए। यह 16 मई, 2017 को प्रभावी हो गया।

सीईपीए का उद्देश्य दोनों देशों के बीच मौजूदा पीटीए को आगे बढ़ाना है और डिजिटल सेवाओं, निवेश संवर्धन और सहयोग, एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम) और महत्वपूर्ण खनिजों सहित क्षेत्रों की व्यापक श्रृंखला को शामिल करना है। चिली लैटिन अमेरिकी क्षेत्र में भारत का पांचवां सबसे बड़ा साझेदार है। दूसरी ओर, पेरू लैटिन अमेरिका और कैरेबियाई क्षेत्रों में भारत का तीसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बना है। चिली को भारत का मुख्य रूप से वाहनों और दवाओं का निर्यात करता है।

एसबीआई जारी करेगा निवेशकों को 20,000 करोड़ का बॉण्ड

नई दिल्ली। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने बुधवार को कहा कि वह चालू वित्त वर्ष 2025-26 में घरेलू निवेशकों को बॉण्ड जारी कर 20,000 करोड़ रुपये तक जुटाएगा।

एसबीआई ने शेयर बाजार को बताया कि उसके निदेशक मंडल ने 2025-26 में घरेलू निवेशकों को 20,000 करोड़ तक की राशि के लिए 'बेसल III' अनुरूप अतिरिक्त टियर-1 बॉण्ड (इक्विटी पूंजी) और टियर दो बॉण्ड (तय अवधि के लिए जुटाई जाने वाली राशि) जारी करके रुपये में धन जुटाने की मंजूरी दे दी है। इसके लिए जहां भी आवश्यक हो भारत सरकार से मंजूरी लेनी होगी। 'बेसल III' बैंकिंग विनियमन का अंतर्राष्ट्रीय ढांचा है जिसे बैंकिंग पर्यवेक्षण पर बेसल समिति द्वारा विकसित किया गया है। यह 2008 के वैश्विक वित्तीय संकट के बाद लाया गया था, जिसका उद्देश्य भविष्य में ऐसे संकटों को रोकने के लिए बैंकिंग प्रणाली को मजबूत और लचीला बनाना है।

कटौती से पहले स्थिति पर आरबीआई की नजर

नई दिल्ली, एजेंसी

- गवर्नर मल्होत्रा बोले- कटौती से पहले देखो और इंतजार करो का अपनाएंगे रुख

भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि केंद्रीय बैंक नीतिगत दर में आगे किसी भी कटौती का फैसला लेने से पहले उभरती स्थिति पर नजर रखते हुए 'देखो और इंतजार करो' का रुख अपनाएगा।

उन्होंने कहा कि आर्थिक वृद्धि और मूल्य स्थिरता दोनों समान रूप से महत्वपूर्ण हैं। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) मुद्रास्फीति में गिरावट के साथ मानक रेपो दर में कटौती कर रही है। साथ ही तटस्थ रुख अपनाया है। तटस्थ रुख का मतलब है, रिजर्व बैंक जरूरत के मुताबिक प्रमुख ब्याज दर में घट-बढ़ कर सकता है। केंद्रीय बैंक फरवरी से अबतक रेपो दर में कुल 1% की कटौती कर चुका है। मल्होत्रा ने कहा कि मुद्रास्फीति के अनुमान पर आंतरिक आकलन किया जा रहा है और उन्हें नहीं पता कि यह 3% होगी या नहीं। इसका कारण ये आकलन अभी चल रहा है। उन्होंने कहा, हम निश्चित रूप से अपना नवीनतम अनुमान जारी करेंगे और एमपीसी हमेशा की तरह, भविष्य के अनुमान को लेकर उभरती स्थिति को ध्यान में रखेगी। उसके आधार पर यह निर्णय लेगी कि अर्थव्यवस्था को वास्तव में किस प्रकार की नीतिगत दर की जरूरत है।

मल्होत्रा ने कहा, अगर मुद्रास्फीति कम है... या वृद्धि दर कम है, तो निश्चित रूप से नीतिगत दर में कटौती हो सकती है, लेकिन हमें इस पर नजर रखनी होगी। गवर्नर के अनुसार, यह नहीं कहा जा सकता कि मुद्रास्फीति वृद्धि दर के आंकड़ों से ज्यादा महत्वपूर्ण है। जैसा कि आप जानते हैं, हम मुख्य रूप से मूल्य स्थिरता पर ध्यान देते हैं। यही हमारा मुख्य कार्य है, हमारा प्राथमिक उद्देश्य है। और फिर हम वृद्धि दर पर भी ध्यान देते हैं। दोनों ही समान रूप से महत्वपूर्ण हैं। मैं यह नहीं कहूंगा कि हम अभी किसी भी आंकड़े पर ज्यादा जोर दे रहे हैं।

धर्मांतरण के संशोधित कानून पर उप्र से जवाब-तलब

राज्य सरकार को नोटिस, समान याचिकाओं पर होगी एक साथ सुनवाई

नई दिल्ली, एजेंसी

- लखनऊ के शिक्षाविद व अन्य की याचिका पर हो रही थी सुनवाई

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को उत्तर प्रदेश सरकार से गैरकानूनी तरीके से धर्म परिवर्तन पर 2024 में संशोधित कानून के कुछ प्रावधानों के खिलाफ याचिका पर जवाब मांगा। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और संदीप मेहता की पीठ ने राज्य सरकार को नोटिस जारी कर जवाब मांगा।

उसने इस याचिका को अन्य समान याचिकाओं के साथ सुनवाई के लिए संलग्न कर दिया। शीर्ष अदालत लखनऊ निवासी शिक्षाविद रूप रेखा वर्मा और अन्य की संशोधित कानून के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी। याचिकाकर्ताओं ने 2024 में संशोधित उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम के कुछ प्रावधानों को अस्पष्ट और अत्यधिक व्यापक बताया है और तर्क दिया है कि उनकी अस्पष्टता अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और धार्मिक प्रचार-प्रसार का उल्लंघन करती है। राज्य सरकार के वकील ने कहा कि कानून को चुनौती देने वाली ऐसी ही याचिकाएं भारत के प्रधान न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष लंबित हैं। याचिकाकर्ताओं के वकील ने कहा कि याचिका में 2024 में कानून में किए संशोधनों को चुनौती दी गई है। शीर्ष अदालत ने दो मई को याचिका पर विचार करने पर सहमति जताई।

अधिवक्ता पूर्णिमा कृष्णा के माध्यम से दायर याचिका में दलील दी गई है कि कानून संविधान के अनुच्छेदों 14 (समानता), 19 (अभिव्यक्ति की आजादी), 21 (जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता) तथा 25 (धर्म की आजादी) पर अतिक्रमण करता है। इसमें दावा किया कि कानून की धारा 2 और 3 अस्पष्ट, अत्यधिक व्यापक और मानदंडों के अभाव वाली हैं जिससे यह तय करना मुश्किल हो गया है कि अपराध कैसे हुआ।

फिल्म 'उदयपुर फाइल्स' पर सुनवाई 21 तक टली

सुप्रीम कोर्ट ने उदयपुर फाइल्स – कन्हैया लाल टेलर मर्डर मामले पर सुनवाई बुधवार को 21 जुलाई तक टाल दी और फिल्मकारों से फिल्म के खिलाफ आपत्तियों पर सुनवाई के लिए केंद्र द्वारा नियुक्त समिति का फैसला आने तक इंतजार करने को कहा। समिति बुधवार को अपराह्न ढाई बजे इस मामले में सुनवाई करेगी। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और जे. बागची की पीठ ने फिल्मकारों से कहा कि फिल्म निर्माताओं को आर्थिक रूप से क्षतिपूर्ति तो दी जा सकती है लेकिन कन्हैया लाल दर्जी हत्याकांड के आरोपियों की छवि को नुकसान पहुंचने की भरपाई नहीं की जा सकती। फिल्म निर्माताओं ने फिल्म की रिलीज पर रोक लगाने संबंधी दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती दी थी। पीठ ने केंद्र की समिति से सभी पक्षों को सुनने के बाद बिना समय गंवाए तुरंत निर्णय लेने को कहा और हत्या के मामले में अभियुक्तों का पक्ष भी सुनने का निर्देश दिया।

प्रो. महमूदाबाद के खिलाफ एसआईटी जांच पर उठाए सवाल

सुप्रीम कोर्ट ने ऑपरेशन सिंदूर पर सोशल मीडिया पोस्ट के आरोप में अशोका यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर के खिलाफ दर्ज मामले में बुधवार को हरियाणा एसआईटी की जांच पर सवाल उठाते हुए कहा कि यह गलत दिशा में जा रही है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और जे. बागची की पीठ ने वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के नेतृत्व वाले हरियाणा के विशेष जांच दल (एसआईटी) से कहा कि वह अली खान महमूदाबाद के खिलाफ उनके विवादास्पद पोस्ट को लेकर दर्ज दो प्राथमिकियों तक ही सीमित रहे और यह देखे कि क्या कोई अपराध हुआ है और 4 हफ्तों में रिपोर्ट पेश करे। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा, हम जानना चाहते हैं कि एसआईटी खुद को गलत दिशा में क्यों ले जा रही है। पीठ ने कहा कि वह जांच में हस्तक्षेप नहीं करना चाहती, लेकिन उसने मोबाइल फोन और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को जब्त किए जाने पर सवाल उठाया।

राहुल को विदेश नीति का पता नहीं फिर भी उठाते हैं सवाल : भाजपा

नई दिल्ली, एजेंसी

- सशस्त्र बलों के अनादर के मामले में झूठा व अपराधी होने का राहुल पर लगाया आरोप

भाजपा ने बुधवार को राहुल गांधी पर सशस्त्र बलों का अनादर के मामले में आदतन झूठा और अपराधी होने का आरोप लगाया। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता अजय आलोक ने कहा कि उन्हें विदेश नीति (फॉरेन पॉलिसी) का एफ नहीं पता, लेकिन वह सवाल उठाते रहते हैं। उन्होंने विदेश मंत्री एस जयशंकर की चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात के बाद चीन मुद्दे से निपटने के सरकार के तरीके पर कांग्रेस नेता के सर्कस वाले कटाक्ष पर पलटवार किया।

आलोक ने कहा, जब हमारे विदेश मंत्री एससीओ की बैठक के लिए चीन जाएंगे तो वह चीन के विदेश मंत्री और राष्ट्रपति से नहीं मिलेंगे, तो वह किससे मिलेंगे। क्या वह इटली के प्रधानमंत्री से मिलेंगे। राहुल गांधी ने जिनपिंग के साथ जयशंकर की मुलाकात पर मंगलवार को एक्स पर पोस्ट किया, अब चीनी विदेश मंत्री आएंगे और प्रधानमंत्री मोदी को चीन-भारत संबंधों में हाल के घटनाक्रमों से अवगत कराएंगे। विदेश मंत्री अब भारत की विदेश नीति को नष्ट करने के उद्देश्य से पूरा सर्कस चला रहे हैं।

सशस्त्र बलों पर टिप्पणी को लेकर दायर मानहानि में लखनऊ की अदालत द्वारा गांधी को जमानत देने के दो दिन बाद आलोक ने राहुल पर आदतन झूठ बोलने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि गांधी अक्सर सशस्त्र बलों के खिलाफ टिप्पणियां करते हैं। संविधान की प्रस्तावना में धर्मनिरपेक्ष व समाजवादी शब्द जोड़े जाने पर पुनर्विचार के आरएसएस के आह्वान पर आलोक ने कहा कि इस पर बहस होनी चाहिए क्योंकि यह संशोधन आंबेडकर का अपमान है और यह तब हुआ जब विपक्ष जेल में था।

एक नजर

असम में भूस्खलन से दो की मौत, कई घायल

हाफलोंग। असम के दीमा हसाओ जिले में बुधवार को राजमार्ग निर्माण स्थल पर हुए भूस्खलन में दो लोगों की मौत हो गयी जबकि पांच लोग घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि मलबे में 10 लोगों के फंसे होने की आशंका है और उन्हें बचाने के लिए बचाव अभियान जारी है। मंगलवार रात से हो रही भारी बारिश से माहुर थाना क्षेत्र के हंगरम गांव में पहाड़ी का एक बड़ा हिस्सा निर्माण स्थल पर गिर गया।

आतंकियों के मददगारों की संपत्तियां कुर्क

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के बडगाम जिले में आतंकियों और उनके मददगारों पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने आज तीन लोगों की सपंत्तियां कुर्क कीं। कुर्क संपत्तियां में हरवानी खानसाहिब में मंजूर अहमद चोपन उर्फ रईस का दो मंजिला मकान, चेवा बडगाम में यूसुफ मलिक उर्फ मोलवी की पांच कनाल जमीन व एक इमारत और बिलाल अहमद वानी उर्फ उमर की जमीन है।

फौजा सिंह को टक्कर मारने वाला चालक गिरफ्तार

चंडीगढ़। दुनिया के सबसे उम्रदराज मैराथन धावक 114 वर्षीय फौजा सिंह को वाहन से टक्कर मारने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है जो 3 हफ्ते पहले ही कनाडा से पंजाब में अपने पैतृक गांव लौटा था। जालंधर ग्रामीण के एसएसपी हरविंदर सिंह ने बताया कि अमृतपाल सिंह ढिल्लों को मंगलवार रात गिरफ्तार किया गया और उसकी गाड़ी भी जब्त कर ली गई है। पुलिस ने 30 घंटे में मामले को सुलझा लिया।

रंगों से उगती शांति की किरणें

जम्मू-कश्मीर के बारामूला में शांति दीवार पहल के तहत स्थानीय स्वयंसेवक दीवारों पर रंग-बिरंगे भित्ति चित्र बना रहे हैं। यह कला अभियान न केवल शहर को सजा रहा है, बल्कि सामाजिक समरसता और शांति का संदेश भी फैला रहा है। पहाड़ी नगर में कला की नई पहचान बन रही है। एजेंसी

गायकवाड़ के खिलाफ विपक्ष ने किया तौलिया लपेटकर प्रदर्शन

मुंबई। विपक्षी गठबंधन महा विकास आघाडी (एमवीए) के विधानमंडल सदस्यों ने विधायकों की कैंटीन के कर्मचारी पर हमले के लिए शिवसेना विधायक संजय गायकवाड़ के खिलाफ विधान भवन के बाहर प्रदर्शन किया। बनियान पहने और कमर पर तौलिया लपेटे विधानमंडल सदस्यों ने सत्तारूढ़ गठबंधन के गुंडा राज के खिलाफ नारे लगाए। नेता प्रतिपक्ष अंबादास दानवे ने कहा, विधायकों की कैंटीन में गायकवाड़ द्वारा किया गया हमला दर्शाता है कि सरकार भी ऐसे तत्वों का समर्थन कर रही है।

भ्रष्टाचार में हिमंत को जनता पहुंचाएगी जेल

गुवाहाटी, एजेंसी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को दावा किया कि असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा खुद को राजा समझते हैं, लेकिन जनता भ्रष्टाचार के लिए उन्हें जेल पहुंचा देगी। असम के चायगांव में कांग्रेस की बैठक में राहुल गांधी ने कहा कि शर्मा और उनके परिवार को भ्रष्टाचार के लिए जवाबदेह ठहराया जाएगा।

राहुल ने उन्होंने आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग और भाजपा साथ काम कर रहे हैं। भाजपा ने मतदाता सूची संशोधन के जरिए धांधली करके महाराष्ट्र विस चुनाव जीता है। गांधी ने कहा, ''वे बिहार में भी यही हथकंडे अपना रहे हैं और असम में भी यही करेंगे। हमें सावधान रहना होगा।

राहुल गांधी भूल गए वह स्वयं कई मामलों में जमानत पर हैं : हिमंत

असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने दावा किया कि राहुल गांधी ने कहा है कि मुख्यमंत्री को जेल भेजा जाएगा। कांग्रेस नेता भूल गए कि वह स्वयं देश भर में दर्ज कई आपराधिक मामलों में जमानत पर हैं। मुख्यमंत्री ने एक्स पर कहा, लिखित में ले लीजिए, हिमंत विश्व शर्मा को जेल भेजा जाएगा- राहुल गांधी ने असम में कांग्रेस समिति की बंद कमरे में हुई बैठक में बिल्कुल यही शब्द कहे। शर्मा ने कहा, वह सिर्फ यही कहने के लिए असम आए हैं। राहुल जी, आपको मेरी शुभकामनाएं। दिन में बाकी समय असम के आतिथ्य का आनंद लीजिए।

बांग्ला भाषियों को प्रताड़ित करने के विरोध का ममता ने किया नेतृत्व

- प्रधानमंत्री के राज्य के दौरे से एक दिन पहले किया गया विरोध प्रदर्शन

कोलकाता। प. बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भाजपा शासित राज्यों में बांग्ला भाषियों को प्रताड़ित करने के विरोध में बुधवार दोपहर कोलकाता की सड़कों पर प्रदर्शन किया। मध्य कोलकाता के कॉलेज स्क्वायर से दोपहर पौने दो बजे शुरू हुए मार्च में बनर्जी ने हजारों लोगों का नेतृत्व किया। इस मार्च का समापन धर्मतला के 'डोरीना क्रॉसिंग' पर होगा। तीन किलोमीटर लंबे मार्ग पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी की गई है, सड़क किनारे फुटपाथ की तरफ और आसपास की इमारतों के बाहर अवरोधक लगाकर 1,500 पुलिसकर्मी मोर्चा संभाले हुए हैं। मार्च के कारण शहर के मध्य हिस्सों में कई मुख्य सड़कों पर मार्ग परिवर्तन किया गया है। ये विरोध प्रदर्शन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के राज्य के निर्धारित दौरे से एक दिन पहले हो रहे हैं।

हिमाचल में भूस्खलन से एनएच अवरुद्ध

शिमला। हिमाचल के सिरमौर जिले में शिलाई के पास बुधवार को हुए भूस्खलन से पहाड़ का बड़ा हिस्सा गिरने से एनएच 707 (हाटकोटी से पांवटा) अवरुद्ध हो गया और वाहनों की आवाजाही बाधित हो गई है।

अधिकारियों ने बताया कि यातायात को बहाल करने का कार्य किया जा जा रहा है, लेकिन पहाड़ से गिर रहे मलबे के कारण काम में बाधा उत्पन्न हो रही है। राज्य आपातकालीन संचालन केंद्र के अनुसार राज्य में राष्ट्रीय राजमार्ग 707 सहित लगभग 260 सड़कें अवरुद्ध हैं, जिनमें आपदा प्रभावित मंडी जिले में 140, सिरमौर में 55 और कुल्लू में 35 सड़कें शामिल हैं।

ओडिशा में छात्रा की मौत: प्रदर्शन के दौरान अफरा-तफरी, पुलिस ने की पानी की बौछार

भुवनेश्वर, एजेंसी

छात्रा की मौत पर प्रदर्शन कर लोगों पर पानी की बौछार करती पुलिस।

बालासोर में छात्रा के आत्मदाह को लेकर बुधवार को बीजू जनता दल (बीजद) के विरोध प्रदर्शन के दौरान दो पूर्व मंत्री समेत कई नेता घायल हो गए। एक अधिकारी ने कहा कि लोअर पीएमजी स्क्वायर के पास प्रदर्शन उस समय हिंसक हो गया जब बीजद नेताओं ने राज्य सचिवालय लोक सेवा भवन की ओर मार्च करते हुए अवरोधकों को पार करने का प्रयास किया और पुलिसकर्मियों से झड़प हो गई।

उन्होंने बताया कि पुलिस ने आंदोलन कर रहे लोगों को तितर-बितर करने के लिए पानी की बौछार और आंसू गैस के गोले छोड़े। घायलों में पूर्व मंत्री प्रणब प्रकाश दास और प्रीति रंजन घराई हैं। पार्टी के एक नेता ने बताया कि घराई को शुरू में यहां कैपिटल अस्पताल ले जाया गया और बाद में भुवनेश्वर के आईसीयू में भर्ती कराया गया।

गुजरात: पांच खतरनाक पुल बंद 4 पर भारी वाहनों की अनुमति नहीं

अहमदाबाद। गुजरात में नर्मदा नदी की नहरों पर बने 5 पुलों को बंद कर दिया है, क्योंकि निरीक्षण के दौरान इन्हें खतरनाक पाया गया। राज्य सरकार ने कहा कि इसके अलावा, 4 अन्य पुलों पर भारी वाहनों के आवागमन पर रोक लगाई गई है, जबकि संबंधित जिला प्रशासन को मरम्मत कार्य के लिए 36 अन्य पुलों को बंद करने के निर्देश दिए गए हैं। ये नर्मदा नहर नेटवर्क का हिस्सा हैं।

बारिश से क्षतिग्रस्त हुई सड़कों और पुलों की मरम्मत का काम मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के निर्देश पर जारी है। राज्य सरकार ने व्यापक नर्मदा नहर नेटवर्क पर स्थित विभिन्न पुलों का तकनीकी निरीक्षण भी किया है। सरदार सरोवर नर्मदा निगम लिमिटेड के अनुसार, इस नहर से गुजरने वाले राष्ट्रीय और राज्य राजमार्गों और ग्रामीण सड़कों को जोड़ने वाले 2,110 पुल हैं। इनकी स्थिति का आकलन करने, क्षति रोकने के लिए निरीक्षण अभियान चलाया गया था।

दो स्तरीय टेस्ट प्रणाली, टी-20 के विस्तार पर विचार

24 टीमें हो सकती हैं आईसीसी टी20 विश्व कप में

- **चार दिवसीय वार्षिक आम बैठक में आईसीसी क्रिकेट के विकास पर करेगा गहन मंथन**
- **नए सदस्यों को स्वीकृति देने पर भी बनेगी रणनीति, हाल में इटली ने किया है क्वालीफाई**

सिंगापुर, एजेंसी

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की बृहस्पतिवार से यहां शुरू हो रही चार दिवसीय वार्षिक आम बैठक (एजीएम) के दौरान बहुचर्चित दो स्तरीय टेस्ट प्रणाली, टी20 विश्व कप का विस्तार और नए सदस्यों को स्वीकृति देने जैसे विषयों पर गहन चर्चा की जाएगी।

नया विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) चक्र (2025-27) शुरू हो चुका है और ऐसे में दो स्तरीय टेस्ट प्रणाली पर चर्चा धन आवंटन और प्रमोशन (निचली से शीर्ष लीग में जाना) तथा रेलीगेशन (शीर्ष लीग से निचली में खिसकना) से संबंधित प्रावधानों के इर्द-गिर्द घूमने वाली है। हालांकि यह सामान्य रूप से स्वीकार किया गया है कि मौजूदा डब्ल्यूटीसी चक्र में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा और नई प्रणाली संभावित रूप से 2027 के बाद लागू होगी। आईसीसी चेयरमैन जय शाह और नवनियुक्त सीईओ संजोग गुप्ता की अध्यक्षता में होनी वाली एजीएम में इस पद्धति पर गंभीरता से विचार होगा क्योंकि क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड इसके प्रमुख समर्थक हैं। हालांकि 50 ओवर के विश्व कप में और टीम जोड़ने का कोई इरादा नहीं है लेकिन आईसीसी टी20 विश्व कप में और टीम शामिल करने पर विचार कर सकता है जिससे संभावित रूप से इसमें 24 प्रतिभागी शामिल हो सकते हैं।

अगले साल से पहले कोई ठोस निर्णय लिए जाने की उम्मीद नहीं है। पिछले साल के विश्व कप से चार और टीम के जुड़ने के बाद वर्तमान में 20 टीम इस प्रतियोगिता में प्रतिस्पर्धा कर रही हैं और यह मॉडल कम से कम 2026 के टूर्नामेंट तक जारी रहेगा। लेकिन 2028 के लॉस एंजिलिस खेलों के जरिए ओलंपिक में क्रिकेट की वापसी और अगले साल भारत तथा श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए इटली के क्वालीफाई करने से इस विस्तार के विचारों को बल मिला है।

इस घटनाक्रम की जानकारी रखने वाले एक सूत्र ने पीटीआई को बताया इटली के विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने को नए देशों में क्रिकेट की लोकप्रियता बढ़ने के संकेत के रूप में देखा जा रहा है और वैश्विक संचालन संस्था व्यापक दर्शकों से जुड़ने के लिए उत्सुक है। दिसंबर 2024 में आईसीसी के शीर्ष पद पर काबिज होने के बाद से शाह कई हाई-प्रोफाइल मुलाकातों का हिस्सा रहे हैं जिसमें मार्च में यूनान के कोस्टा नवारिनो में आईओसी के 144वें सत्र के दौरान फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो और जनवरी में पूर्व आईओसी प्रमुख थॉमस बाक के साथ मुलाकात शामिल है। इस बीच आईसीसी को पिछले साल हुए टी20 विश्व कप के आयोजन की जांच पर अंतिम अपडेट मिलने की संभावना है।

टूर्नामेंट के दौरान खर्चों में भारी वृद्धि के आरोप लगे थे। हालांकि इसकी आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है लेकिन माना जा रहा है कि अमेरिका और वेस्टइंडीज में आयोजित इस टूर्नामेंट के दौरान धन के दुरुपयोग ने जनवरी के अंत में पूर्व सीईओ ज्योफ एलार्डिस के इस्तीफे में भूमिका निभाई थी।

सितारों की मुलाकात

भारतीय क्रिकेट खिलाड़ी स्मृति मंधाना और जसप्रीत बुमराह, लंदन के क्लेरेंस हाउस में किंग चार्ल्स तृतीय के साथ भारतीय पुरुष और महिला क्रिकेट टीमों के सदस्यों की बैठक के दौरान कुछ इस अंदाज में नजर आए। ● एजेंसी

एक नजर

इंग्लैंड ने भारत को पहले महिला वनडे में 259 रन का लक्ष्य दिया

साउथम्प्टन : युवा तेज गेंदबाज क्रांति गौड़ ने दो विकेट झटककर प्रभावित किया, लेकिन सोफिया डंकले की 92 गेंद में नाबाद 83 रन की पारी की मदद से इंग्लैंड ने बुधवार को यहां भारत के खिलाफ पहले महिला वनडे में छह विकेट पर 258 रन का सम्मानजनक स्कोर खड़ा किया। गौड़ (नौ ओवर में 55 रन देकर दो विकेट) और ऑफ स्पिनर स्नेह राणा (10 ओवर में 31 रन देकर दो विकेट) ने दो दो विकेट झटके। इंग्लैंड ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने का फैसला किया जिसके बाद टीम ने 97 रन पर चार विकेट गंवा दिए थे लेकिन एलिस डेविडसन रिचर्ड्स ने डंकले के साथ मिलकर पांचवें विकेट के लिए 106 रन की भागीदारी निभाई और 73 गेंद में 53 रन की अर्धशतकीय पारी खेली। डंकले ने अपनी पारी के दौरान नौ चौके लगाए। भारत ने एमी जोन्स को आउट कर पहली सफलता हासिल की जब गौड ने एक शानदार गेंद पर उन्हें बोल्ड कर अपने दूसरे वनडे में पहला अंतरराष्ट्रीय विकेट लिया।

धीमी ओवर गति के कारण इंग्लैंड डब्ल्यूटीसी तालिका में फिसला

लंदन : इंग्लैंड की टीम बुधवार को विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) तालिका में एक पायदान नीचे तीसरे स्थान पर खिसक गई क्योंकि लॉर्ड्स में भारत के खिलाफ तीसरे टेस्ट मैच में धीमी ओवर गति के कारण उसके दो अंक काट दिए गए। बेन स्टोक्स की अगुवाई वाली टीम पर टेस्ट के बाद मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना भी लगाया गया है। इंग्लैंड ने यह मैच 22 रन से जीता था। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अनुसार मैच रेफरी रिची रिचर्डसन ने इंग्लैंड पर यह जुर्माना लगाया, क्योंकि उसकी टीम ने निर्धारित समय में दो ओवर कम किए थे। भारत अभी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की अंक तालिका में चौथे स्थान पर है। आईसीसी ने एक बयान में कहा खिलाड़ियों और उनके सहयोगी स्टाफ के लिए आईसीसी आचार संहिता की न्यूनतम ओवर गति से जुड़ी धारा 2.22 के अनुसार खिलाड़ियों पर उनके द्वारा निर्धारित समय में प्रत्येक ओवर कम फेंकने पर मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है।

ब्रिटिश टेनिस खिलाड़ी तारा मूर पर डोपिंग मामले में लगा प्रतिबंध

लंदन : खेल पंचाट ने डोपिंग के एक मामले में ब्रिटिश टेनिस खिलाड़ी तारा मूर पर चार साल का प्रतिबंध लगा दिया गया है। खेल पंचाट ने अंतर्राष्ट्रीय टेनिस इंटीग्रिटी एजेंसी (आईटीआईए) के साथ सहमति व्यक्त की है कि प्रदर्शन बढ़ाने वाली दवाओं के सेवन के लिए उन्हें निलंबित किया जाना चाहिए। मूर को अप्रैल 2022 में एनाबॉलिक स्टेरॉयड बोल्डेनोन और नैंड्रोलोन के सेवन के लिए पॉजिटिव पाया गया था, लेकिन दिसंबर 2023 में उन्हें खेलने की मंजूरी दे दी गई थी, जब एक स्वतंत्र पंचाट ने फैसला दिया कि कोलंबिया में एक प्रतियोगिता में भाग लेने के दौरान दूषित मांस खाने के कारण ऐसा हुआ था।

एआईसीएफ 2025 में 10 फिडे ट्रेनर सेमिनार की मेजबानी करेगा

नई दिल्ली : अखिल भारतीय शतरंज महासंघ (एआईसीएफ) इस साल 10 और जनवरी 2026 में एक फिडे ट्रेनिंग सेमिनार की मेजबानी करेगा। ट्रेनर सेमिनार का उद्देश्य भारतीय शतरंज प्रशिक्षकों को सभी स्तरों की उभरती प्रतिभाओं को प्रशिक्षित करने के लिए सशक्त बनाना है। इसकी शुरुआत अगस्त में विजयवाड़ा में होगी और अंतिम सेमिनार जनवरी 2026 में रांची में होगा। देश के अन्य शहरों में भी सेमिनार का आयोजन किया जाएगा। टीआरजी (फिडे प्रशिक्षक आयोग) के अध्यक्ष सामी खादर ने कहा पहली बार हम एक राष्ट्रीय महासंघ को एक ही कैलेंडर वर्ष में 10 फिडे ट्रेनर सेमिनार आयोजित करते हुए देख रहे हैं और 11वें सेमिनार का प्रस्ताव जनवरी के लिए पहले ही प्रस्तुत किया जा चुका है।

भारत अंडर-19 टीम को इंग्लैंड ने पहले युवा टेस्ट में ड्रा पर रोका

बेकेनहम (इंग्लैंड) : इंग्लैंड अंडर 19 ने कप्तान हमजा शेख के जुझारू शतक की बदौलत भारत अंडर 19 टीम की जीत की उम्मीदों पर पानी फेरते हुए उसे पहले युवा टेस्ट क्रिकेट मैच के चौथे और अंतिम दिन ड्रॉ पर रोक दिया। भारतीय टीम ने इंग्लैंड के सामने 350 रन का लक्ष्य रखा था। इंग्लैंड ने 63 ओवर में सात विकेट पर 270 रन बनाकर भारत को दो मैचों की शृंखला में 1-0 की बढ़त हासिल नहीं करने दी। शेख ने मंगलवार को यहां 140 गेंदों पर 11 चौकों और दो छक्कों की मदद से 112 रन बनाए।

पंत और नायर के विकेट बने इंग्लैंड की जीत का आधार

पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने बताए मैच के टर्निंग प्वाइंट

ऋषभ पंत।

लंदन, एजेंसी

भारत के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने कहा कि पहली पारी में ऋषभ पंत के आउट होने और दूसरी पारी में करुण नायर के विकेट से लॉर्ड्स में खेले गए तीसरे टेस्ट मैच में इंग्लैंड के लिए जीत का रास्ता खुला। इंग्लैंड ने 193 रन के लक्ष्य का पीछा कर रहे भारत को 170 रन पर आउट करके 22 रन से जीत हासिल की और इस तरह से पांच मैचों की शृंखला में 2-1 की बढ़त बना ली।

शास्त्री ने 'द आईसीसी रिव्यू' में कहा इस टेस्ट मैच में मेरे लिए पहला टर्निंग प्वाइंट ऋषभ पंत का आउट होना (पहली पारी में) था। शास्त्री ने इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स की सूझबूझ की सराहना की, जिन्होंने तीसरे दिन लंच के समय पंत को 74 रन पर रन आउट किया। उन्होंने कहा बेन स्टोक्स ने पंत को रन आउट करने के लिए अद्भुत सूझबूझ का परिचय दिया। अगर यह विकेट नहीं गिरता तो भारत अच्छी स्थिति में पहुंच जाता।

करुण और केएल राहुल ने चौथे दिन दूसरी पारी में भारत का स्कोर एक विकेट पर 41 रन तक पहुंचाया था, लेकिन तेज गेंदबाज ब्रायडन कार्स की गेंद पर करुण ने कोई शॉट नहीं खेला और पगबाधा आउट करार दे दिए गए।

इससे भारतीय आपरी लड़खड़ा गई और इंग्लैंड को वापसी करने का मौका मिल गया। शास्त्री ने कहा करुण नायर की एकाग्रता को लेकर यह बहुत बड़ी चूक थी। उन्होंने एक सीधी गेंद को छोड़ दिया और इंग्लैंड के लिए रास्ता खोल दिया। मैच का वह महत्वपूर्ण दौर था और मुझे लगता है कि इससे मैच की स्थिति बदल गई। पूर्व भारतीय कप्तान ने यह भी कहा कि भारतीय शीर्ष क्रम को दूसरी पारी में थोड़ी अधिक समझदारी दिखानी चाहिए थी। शास्त्री ने कहा क्योंकि हमने देखा कि जब सिराज ने बल्लेबाजी की, जब बुमराह ने बल्लेबाजी की, जब जडेजा ने बल्लेबाजी की, एक बार जब गेंद 40 ओवर पुरानी हो गई, तो उन्होंने शायद ही कोई गलती की। उन्होंने कहा उनका डिफेंस काफी मजबूत था और पांचवें दिन लंच के समय लग रहा था कि मैच अगले 10 मिनट में समाप्त हो जाएगा। ऐसे में 82 या 83 रन के अंतर को 22 रन पर लाना बड़ी उपलब्धि थी। इससे पता चलता है कि यदि चौथे दिन शीर्ष क्रम ने थोड़ी दृढ़ता दिखाई होती तो यह मैच भारत जीत जाता।

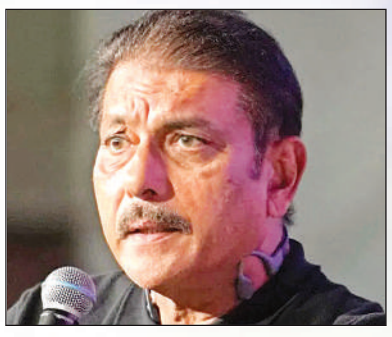

रवि शास्त्री। ● एजेंसी

रूट फिर बने दुनिया के नंबर एक टेस्ट बल्लेबाज, जडेजा पांच पायदान ऊपर चढ़े

दुबई : इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज जो रूट ने एक सप्ताह के अंदर फिर से अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की पुरुष टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है जबकि भारत के ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा बुधवार को जारी नवीनतम सूची में 34वें स्थान पर पहुंच गए। लॉर्ड्स में भारत के खिलाफ पांच मैचों की सीरीज के तीसरे टेस्ट में रूट ने 104 और 40 रन बनाए थे, जिसे इंग्लैंड ने 22 रन से जीता। इस शानदार प्रदर्शन से वह अपने करियर में आठवीं बार दुनिया के नंबर एक बल्लेबाज बने। रूट अभी 34 साल के हैं और वह दिसंबर 2014 में कुमार संगकारा के बाद सबसे उम्रदराज नंबर एक टेस्ट बल्लेबाज हैं। श्रीलंका के खिलाड़ी ने 37 साल की उम्र में यह उपलब्धि हासिल की थी। रूट ने अपना शीर्ष स्थान हमवतन हैरी ब्रुक से खो दिया था, जो अब केन विलियमसन से पीछे तीसरे स्थान पर खिसक गए हैं। भारतीय बल्लेबाजों में सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और उपकप्तान ऋषभ पंत एक-एक पायदान नीचे क्रमशः पांचवें और आठवें स्थान पर खिसक गए हैं। कप्तान शुभमन गिल भी तीन पायदान गिरकर नौवें स्थान पर आ गए हैं। लॉर्ड्स में 72 और नाबाद 61 रन की पारी खेलने वाले जडेजा पांच पायदान ऊपर चढ़कर 34वें स्थान पर आ गए हैं। इसी मैच में 100 और 39 रन की पारी खेलने वाले केएल राहुल भी पांच पायदान ऊपर चढ़कर जडेजा से एक पायदान पीछे 35वें स्थान पर हैं। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने लॉर्ड्स में 77 रन और पांच विकेट लेकर 'मैन ऑफ द मैच' का पुरस्कार जीता, जिससे वह बल्लेबाजों की सूची में दो स्थान ऊपर 42वें और गेंदबाजों की सूची में एक स्थान ऊपर 45वें स्थान पर पहुंच गए हैं। भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग में अपना दबदबा बनाए हुए हैं और दक्षिण अफ्रीका के कागिसो रबाडा पर 50 अंकों की बढ़त के साथ शीर्ष स्थान पर बरकरार हैं।

सिंधू पहले दौर में बाहर, सात्विक चिराग और लक्ष्य सेन आगे बढ़े

जापान ओपन

टोक्यो, एजेंसी

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू एक बार फिर पहले दौर से आगे बढ़ने में नाकाम रही लेकिन लक्ष्य सेन पुरुष एकल तथा सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष युगल जोड़ी बुधवार को यहां जापान ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट में आसान जीत के साथ दूसरे दौर में पहुंच गए।

पूर्व विश्व चैंपियन 30 वर्षीय सिंधू को इस सुपर 750 टूर्नामेंट में कोरिया की सिम यू जिन के हाथों 15-21, 14-21 से हार का सामना करना पड़ा। यह इस वर्ष पांचवां अवसर है जबकि सिंधू पहले दौर की बाधा पार नहीं कर पाई। सिंधू ने पहले गेम में थोड़ी चुनौती पेश की लेकिन इस बीच उन्होंने काफी गलतियां भी की जिसका फायदा उठाकर सिम यह गेम जीतने में सफल रही। दूसरे गेम में सिंधू जल्दी ही 1-6 से पीछे हो गईं। वह हालांकि स्कोर 11-11 से बराबर करने में कामयाब रहीं, लेकिन कोरियाई खिलाड़ी ने आसानी से बढ़त बनाकर सीधे गेम में मैच अपने नाम कर लिया। सिम ने इस तरह से भारतीय खिलाड़ी के खिलाफ अपने करियर की पहली जीत हासिल की। इससे पहले पुरुष युगल में वर्तमान में विश्व रैंकिंग में 15वें स्थान पर काबिज सात्विक और चिराग ने कांग मिन ह्युक और किम डोंग जू की कोरियाई जोड़ी को केवल 42 मिनट में 21-18, 21-10 से हराया।

दीपिका ने मैजिक स्किल पुरस्कार जीता

- **नीदरलैंड के खिलाफ किए गए जादुई मैदानी गोल का मिला इनाम**

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय महिला हॉकी टीम की स्ट्राइकर दीपिका ने एफआईएच प्रो लीग 2024-25 सत्र के भुवनेश्वर चरण के दौरान नीदरलैंड के खिलाफ किए गए अपने मैदानी गोल के लिए पोलिग्रास मैजिक स्किल पुरस्कार जीता है। एफआईएच हॉकी प्रो लीग के 2024-25 सत्र के लिए पोलिग्रास मैजिक स्किल अवार्ड के विजेता का फैसला विश्व भर के हॉकी खेल प्रेमियों के मतदान के आधार पर किया गया।

दीपिका ने यह गोल फरवरी 2025 में प्रो लीग के भुवनेश्वर चरण के दौरान किया था। कलिंग स्टेडियम में खेला गया यह मैच निर्धारित समय में 2-2 से बराबर रहा था जिसके बाद भारत ने शूटआउट में नीदरलैंड को हराया। भारतीय टीम जब दो गोल से पीछे चल रही थी तब दीपिका ने 35वें मिनट में यह अविश्वसनीय गोल किया। उन्होंने नीदरलैंड की रक्षा पंक्ति को भेदते हुए बाईं ओर से शानदार तरीके से ड्रिबल किया, बेसलाइन को छुआ और एक डिफेंडर की स्टिक के ऊपर से गेंद को आगे निकालकर गोलकीपर को छकाते हुए गेंद को नेट में पहुंचाया। दीपिका ने कहा यह पुरस्कार पाकर मैं सचमुच सम्मानित महसूस कर रही हूं। नीदरलैंड जैसे कड़े प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ गोल करना मेरे लिए सचमुच में विशेष पल था और अब यह सम्मान पाना मेरे लिए बहुत मायने रखता है। मैं अपने साथियों, कोचों, परिवार और दोस्तों का शुक्रिया अदा करती हूं जो हर दिन मेरा हौसला बढ़ाते रहते हैं। दीपिका को इस पुरस्कार के लिए स्पेन की पैट्रिशिया अल्वारेज के ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ किए गए गोल तथा ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम के इंग्लैंड के खिलाफ सामूहिक प्रयास से किए गए गोल के साथ नामांकित किया गया था।

अमेरिकी ओपन में भाग्य आजमाएंगे 10 पूर्व चैंपियन

यानिक सिनर।

एरीना सबालेंका।

न्यूयॉर्क : गत चैंपियन यानिक सिनर और एरीना सबालेंका उन 10 पूर्व अमेरिकी ओपन विजेताओं में शामिल हैं, जो अगले महीने होने वाले वर्ष के इस अंतिम ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट में अपना भाग्य आजमाएंगे। अमेरिकी टेनिस एसोसिएशन ने 24 अगस्त से शुरू होने वाले इस टूर्नामेंट में भाग लेने वाले खिलाड़ियों की प्रवेश सूची जारी की है जिसमें 18 पूर्व ग्रैंड स्लैम एकल चैंपियन शामिल हैं। अमेरिकी ओपन में सीधा प्रवेश 14 जुलाई तक की रैंकिंग पर आधारित था। पुरुषों के लिए कटऑफ 101 और महिलाओं के लिए 99 नंबर था। विश्व के नंबर एक खिलाड़ी सिनर ने हाल में विंबलडन फाइनल में दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज को हराकर अपना चौथा ग्रैंड स्लैम खिताब जीता था। दुनिया की नंबर एक महिला खिलाड़ी सबालेंका विंबलडन के सेमीफाइनल में अमांडा अनिसिमोवा से हार गईं, जो सातवें नंबर पर हैं और शीर्ष आठ में शामिल चार अमेरिकी महिला खिलाड़ियों में से एक हैं।

भारतीय फुटबॉल अनिश्चितता, चिंताजनक और दहशत में

- **आईएसएल स्थगित किए जाने पर छेत्री का छलका दर्द**
- **खिलाड़ी, स्टाफ सदस्य और फिजियो सभी डरे हुए हैं**

नई दिल्ली, एजेंसी

पूर्व कप्तान और शीर्ष स्ट्राइकर सुनील छेत्री ने बुधवार को कहा कि भारतीय फुटबॉल में अनिश्चितता की मौजूदा स्थिति काफी चिंताजनक है और शीर्ष स्तर के फुटबॉल टूर्नामेंट इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित किये जाने से खेल जगत चिंतित, आहत और डरा हुआ है।

लीग में बेंगलुरु एफसी की ओर से खेलने वाले छेत्री ने कहा कि उन्हें देश में इस खेल के भविष्य को लेकर आशंकाएं व्यक्त करने वाले फोन कॉल और संदेशों की बाढ़ आ गई है। इस 40 वर्षीय खिलाड़ी ने एक्स पर लिखा मुझे सबसे पहले यह चिंता हुई कि मेरे पास खेल का जो समय बचा है उसको मैं कैसे बिताऊंगा। लेकिन विभिन्न क्लबों के खिलाड़ियों से बात करने के बाद मुझे एहसास हुआ कि मेरी समस्या उतनी महत्वपूर्ण नहीं है।

सुनील छेत्री।

छेत्री ने कहा भारतीय फुटबॉल की वर्तमान स्थिति बहुत चिंताजनक है। मुझे न केवल मेरे क्लब से, बल्कि अन्य क्लबों से भी खिलाड़ियों, स्टाफ सदस्यों, फिजियो, मालिश करने वालों से ढेर सारे संदेश मिले हैं। उन्होंने कहा भारतीय फुटबॉल पारिस्थितिकी तंत्र में अभी जो अनिश्चितता की स्थिति बनी हुई है उससे हर कोई चिंतित, आहत और डरा हुआ है। आईएसएल ने आयोजकों और अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के बीच मास्टर राइट्स एग्रीमेंट (एमआरए) के नवीनीकरण को लेकर अनिश्चितता के कारण 2025-26 के सत्र को स्थगित कर दिया है। लीग सामान्यतः सितम्बर से अप्रैल तक चलती है। इस प्रतियोगिता के आयोजक फुटबॉल स्पोर्ट्स डेवलपमेंट लिमिटेड (एफएसडीएल) तथा एआईएफएफ के बीच वर्तमान एमआरए आठ दिसम्बर, 2025 को समाप्त होने वाला है। उस समय तक आईएसएल अपने तीसरे महीने में प्रवेश कर चुका होगा। यह निर्णय उच्चतम न्यायालय द्वारा एआईएफएफ को दिए गए निर्देश के बाद लिया गया है, जिसमें एआईएफएफ से कहा गया था कि वह आईएसएल का संचालन करने वाली सर्वोच्च शासी संस्था के वाणिज्यिक साझेदार एफएसडीएल के साथ एमआरए की नई शर्तों पर तब तक बातचीत न करे, जब तक एआईएफएफ मसौदा संविधान मामले में अंतिम निर्णय नहीं आ जाता। एफएसडीएल एआईएफएफ का वाणिज्यिक साझेदार भी है और उन्होंने 2010 में 15 साल के एमआरए पर हस्ताक्षर किए थे। छेत्री ने कहा कि जब उन्हें पहली बार लीग स्थगित होने की जानकारी मिली तो वह छुट्टियों पर थे।

एआईएफएफ के पतन की दशा बताती एक नयी किताब

नई दिल्ली : पिछले 24 महीनों में भारतीय फुटबॉल की दशा बद से बदतर हो गई है और हाल में आई एक नयी किताब में अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) और उसके अध्यक्ष कल्याण चौबे के कथित तौर पर राह से भटक जाने का सिलसिलेवार ब्यौरा दिया गया है। भारतीय पुरुष टीम फीफा रैंकिंग में गिरकर 133वें स्थान पर आ गई है जो पिछले नौ साल में सबसे खराब रैंकिंग है। वहीं कुछ महीनों में शुरू होने वाली शीर्ष स्तरीय इंडियन सुपर लीग का आगामी सत्र भी अधर में लटका हुआ है। खेल पत्रकार जयदीप बासु ने अपनी किताब 'हू स्टोल माई फुटबॉल' में चौबे के नेतृत्व में भारतीय फुटबॉल के प्रणालीगत पतन का अंदरूनी विवरण दिया है जिसमें वित्तीय कुप्रबंधन भी शामिल है।

जम्मू-कश्मीर में आतंकियों के लिए ड्रोन नए ओवर ग्राउंड वर्कर

श्रीनगर, एजेंसी

जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी समूहों के लिए ड्रोन नए ओवर ग्राउंड वर्कर्स (ओजीडब्ल्यू) के रूप में उभरे हैं, जिससे सुरक्षा एजेंसियों के बीच चिंता पैदा हो गई है क्योंकि निगरानी और रसद के लिए मनुष्यों के नेटवर्क से मानव रहित वायु यानों की ओर यह बदलाव क्षेत्र के सुरक्षा परिदृश्य में एक नई चुनौती पैदा कर रहा है।

अधिकारियों ने बुधवार को कहा कि ओजीडब्ल्यू की मानव नेटवर्क पर निर्भरता काफी कम हो गई है क्योंकि सुरक्षा बलों के बढ़ते दबाव से उनमें से कई गिरफ्तार हो गए हैं या छुप गए हैं। मानव नेटवर्क से ड्रोन तकनीक की ओर यह बदलाव असमान युद्ध में एक नया आयाम है, क्योंकि पाकिस्तान की

आईएसआईएस ड्रोन के जरिए पार करा रही आतंकियों को एलओसी

एजेंसी आईएसआई ड्रोन की मदद से आतंकवादियों को एलओसी के पार भेजने के प्रयासों को तेज कर रही है। उन्होंने कहा कि कश्मीर क्षेत्र के साथ किश्तवाड़ और राजौरी में ऊंचाई वाले इलाकों में छुपे कुछ आतंकवादी अपनी ओर आने वाले सैनिकों पर निगरानी के लिए ड्रोनों का इस्तेमाल कर रहे हैं। उन्होंने इसे पिछले कुछ आतंकवाद-रोधी अभियानों में सफलता की दर कम रहने का एक कारण बताया।

बी 787 विमानों के फ्यूल स्विच के तंत्र में कोई समस्या नहीं

नई दिल्ली। एअर इंडिया ने अपने बोइंग 787 विमानों में ईंधन नियंत्रण स्विच को 'लॉक' करने के तंत्र का निरीक्षण बुधवार को पूरा कर लिया और इसमें कोई समस्या नहीं पाई गई।

डीजीसीए ने सोमवार को विमानन कंपनियों से उनके बोइंग 787 और 737 विमानों में 'ईंधन स्विच लॉकिंग' प्रणाली की जांच करने को कहा था। यह अहमदाबाद विमान दुर्घटना की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट आने के बाद दिया गया। एक अधिकारी ने कहा, हमारे सभी बोइंग 787 विमानों के ईंधन नियंत्रण स्विच को 'लॉक' करने के तंत्र का निरीक्षण शुरू किया। निरीक्षण पूरा हो गया है और कोई समस्या नहीं पाई गई।

दुनिया भर में बढ़ रहा है

अंडाणुओं का अवैध व्यापार

महिलाओं के अंडाणुओं का अवैध व्यापार और तस्करी अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हो रही है। हाल ही में नेपाल में जिस तरह किशोरियों को पैसों का लालच देकर उनके अंडाणु हासिल करने वाला रैकेट गिरफ्तार किया गया है, वैसे रैकेट कई देशों में फैले हुए हैं। संयुक्त राष्ट्र, डब्ल्यूएचओ और यूरोपोल की रिपोर्ट के अनुसार महिलाओं के अंडाणुओं का अवैध व्यापार धीरे-धीरे एक गुप्त प्रजनन उद्योग बनता जा रहा है जो मुख्यतः अंतरराष्ट्रीय सरोगेसी और आईवीएफ बाजार की मांग पर टिका हुआ है। खासतौर पर भारत, नेपाल, नाइजीरिया, यूक्रेन, कंबोडिया और थाईलैंड जैसे गरीब और विकासशील देशों में यह व्यापार बढ़ रहा है।

ये हैं जोखिम

ओवेरियन हाइपरस्टिम्युलेशन सिंड्रोम जानलेवा हो सकता है। इसके अलावा हार्मोनल असंतुलन, बांझपन और मानसिक समस्याएं।

अंडाणुओं का उपयोग

आईवीएफ यानी टेस्ट ट्यूब बेबी और सरोगेसी के लिए मुख्य इस्तेमाल होता है। इसके अलावा प्रजनन अनुसंधान और जीन चयन के लिए इनका प्रयोग होता है। हाल ही में डिजाइनर बेबी जैसी अवधारणाओं में भी जोर पकड़ा है।

- वर्ष 2010 में दिल्ली, गुजरात, आंध्र में अंडाणु दान के 10,000 से ज्यादा रजिस्ट्रेशन हुए। गैरकानूनी दान की घटनाएं 5,000 से ज्यादा हुईं। वर्ष 2015 में मुंबई, पंजाब, तमिलनाडु में 18000 से ज्यादा रजिस्ट्रेशन हुए थे।

अंतर्राष्ट्रीय तस्करी

- यूरोप, अमेरिका और खाड़ी देशों में अमीर जोड़ों के लिए विदेशी महिलाओं को बुलाकर अंडाणु निकलवाने का प्रचलन है।
- कई एजेंसियां और दलाल इसमें लिप्त हैं। अक्सर महिलाओं को गलत जानकारी देकर या लालच देकर अंडाणु निकलवाए जाते हैं।
- कुछ मामलों में फर्जी मेडिकल दस्तावेज और नकली पहचान के जरिए यह काम होता है। नेपाल में इसी तरह का मामला पकड़ा गया है।

पकड़े गए प्रमुख मामले

- भारत में 2015 से पहले कई आईवीएफ और सरोगेसी क्लीनिक में विदेशी जोड़ों के लिए महिलाओं के अंडाणु बेचने के मामले सामने आए थे। इस पर सरकार ने 2015 में विदेशियों के लिए वाणिज्यिक सरोगेसी पर रोक लगा दी थी।
- यूक्रेन में 2019 में आईवीएफ क्लीनिकों के सैकड़ों महिलाओं के गैरकानूनी रूप से अंडाणु निकालने का मामला सामने आया। जांच में पता चला कि कई महिलाएं धोखे से लाई गई थीं और उन्हें भारी दवाएं देकर उनके अंडाणु लिए गए थे।
- इजराइल में कुछ दलाल पकड़े जा चुके हैं जो रोमानिया से महिलाओं को बुलाकर अंडाणु निकलवाते थे और उसे आईवीएफ बाजार में बेचते थे। इसके अलावा अफ्रीकी-अमेरिकी और एशियाई महिलाओं के भी धोखे से अंडाणु लेने की घटनाएं हुई हैं।

भारत में है कानून

- भारत में सरोगेसी रेग्युलेशन एक्ट 2021 के तहत वाणिज्यिक सरोगेसी यानी अंडाणुओं की खरीद-फरोख्त पर प्रतिबंध लगाया गया है। असिस्टेड रिप्रोडेक्टिव टेक्नोलॉजी एक्ट के तहत नियम बनाया गया है कि कोई महिला जीवन में सिर्फ एक बार अंडाणु दान कर सकती है।
- यूरोपियन यूनियन ने भी अंडाणुओं के अवैध व्यापार पर सख्त नियम बनाए हैं लेकिन पूर्वी यूरोप में इस पर अभी भी शिथिलता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन और संयुक्त राष्ट्र की ओर से भी मानव और प्रजनन अंगों के व्यापार को रोकने के लिए वैश्विक गाइड लाइन जारी की गई है।

एक नजर

ब्रिटेन में लहजों की सटीक नकल को नया एआई टूल

लंदन। ब्रिटेन की एक कंपनी ने एक नया आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) वॉयस-क्लोनिंग टूल विकसित किया है जो विभिन्न लहजों को अपने अमेरिकी और चीनी प्रतिद्वंद्वियों की तुलना में अधिक सटीकता से नकल कर सकता है। परंपरागत रूप से एआई उत्पादों को आवाजों के साथ प्रशिक्षित करने के लिए उपयोग किया जाने वाला अधिकांश डेटा उत्तरी अमेरिकी या दक्षिणी अंग्रेजी भाषी स्रोतों से आता है, जिससे कृत्रिम आवाजें एक जैसी लगती हैं। इससे निपटने के लिए ब्रिटिश कंपनी सिंथेसिया ने लोगों की रिकॉर्डिंग और ऑनलाइन सामग्री एकत्र कर एक साल तक क्षेत्रीय लहजे वाली ब्रिटिश आवाजों का डेटाबेस तैयार किया।

बच्चों समेत रूसी महिला को हिरासत केंद्र में भेजा

तुमकुरु। कर्नाटक के तटीय शहर गोकर्ण में रामतीर्थ पहाड़ी पर एक गुफा में पायी गयी रूसी नागरिक नीना कुटीना और उनके दो नाबालिग बच्चों प्रेमा और ऐमा को तुमकुरु के डिबूर स्थित विदेशी हिरासत केंद्र में भेज दिया गया है। यह परिवार एक आध्यात्मिक गुरु के मार्गदर्शन में कई हफ्तों से गुफा में रह रहा था। उनकी उपस्थिति ने स्थानीय निवासियों और अधिकारियों का ध्यान आकर्षित किया, जिसके बाद आव्रजन अधिकारियों को हस्तक्षेप करना पड़ा। सत्यापन के बाद पाया गया कि परिवार वीजा अवधि समाप्त होने के बाद भी यहां रह रहा था, जिसके कारण उन्हें हिरासत में लिया गया।

बसंतगढ़ में मारा आतंकी जैश का शीर्ष कमांडर था

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के डीजीपी नलिन प्रभात ने कहा कि उधमपुर जिले के डुडु-बसंतगढ़ जंगल में मुठभेड़ में मारा गया आतंकवादी पाकिस्तान स्थित जैश-ए-मोहम्मद संगठन का शीर्ष कमांडर था, जो चार वर्षों से इस क्षेत्र में सक्रिय था। उन्होंने जोर दिया कि सुरक्षा बल आतंकवादियों को निष्क्रिय करने के लिए अभियान जारी रखे हुए हैं। उन्होंने पुलिस और जनता के बीच अच्छे संबंधों पर प्रकाश डाला। कहा कि जनता के समर्थन के बिना पुलिस सफल नहीं हो सकती।

पंचायत चुनाव: 24 व 28 को नेपाल सीमा बंद रहेगी

काठमांडू। उत्तराखंड में आगामी पंचायत चुनावों के मद्देनजर बैतड़ी और दार्चुला जिलों में नेपाल-भारत सीमा चौकियां 24 और 28 जुलाई को अस्थायी रूप से बंद रहेंगी। बैतड़ी के मुख्य जिला अधिकारी पुण्य बिक्रम पौडेल ने बताया कि पड़ोसी भारतीय राज्य में आगामी पंचायत चुनावों के कारण 24 जुलाई और 28 जुलाई को बैतड़ी और दार्चुला में सीमा चौकियों को बंद करने का निर्णय लिया गया है।

इंडोनेशिया से किए करार की तरह होगा भारत के साथ समझौता: ट्रंप

अमेरिकी उत्पादों को अपने बाजार में पूरी पहुंच देने का इंडोनेशिया ने किया है करार

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि भारत के साथ प्रस्तावित व्यापार समझौता इंडोनेशिया के साथ किए गए करार के अनुरूप होगा। अमेरिका-इंडोनेशिया व्यापार समझौते के तहत, दक्षिण-पूर्व एशियाई देश अमेरिकी उत्पादों को अपने बाजार में पूरी पहुंच प्रदान करेगा, जबकि इंडोनेशिया की वस्तुओं पर अमेरिका में 19 प्रतिशत शुल्क लगेगा।

इसके अलावा, इंडोनेशिया ने अमेरिका से 15 अरब डॉलर की ऊर्जा खरीदने, 4.5 अरब डॉलर के कृषि उत्पाद और 50 बोइंग जेट खरीदने की प्रतिबद्धता जताई है। ट्रंप ने कहा, भारत मूलतः उसी दिशा में काम कर रहा है। हमें भारत में प्रवेश मिलेगा। आपको समझना होगा कि इनमें से किसी भी देश में हमारी पहुंच नहीं थी। हमारे लोग वहां नहीं जा सकते थे और अब हमें वहां प्रवेश मिल रहा है। यही हम शुल्क के जरिये कर रहे हैं। भारतीय दल प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर पांचवें दौर की वार्ता के लिए, वाशिंगटन में है।

भारतीय वाणिज्य मंत्रालय के दल की अमेरिका यात्रा महत्वपूर्ण है क्योंकि दोनों पक्षों को कृषि और वाहन जैसे क्षेत्रों में समस्याओं का समाधान करना है। यह इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि अमेरिका ने भारत सहित कई देशों पर अतिरिक्त शुल्क को एक अगस्त तक के लिए टाल दिया है। भारत और अमेरिका के बीच वार्ता चल रही है।

भारत को महंगा पड़ेगा ऐसा असंतुलित समझौता

शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने ट्रंप के बयान पर टिप्पणी करते हुए कहा कि अगर भारत ऐसे असंतुलित समझौते को स्वीकार करता है तो उसके घरेलू क्षेत्र, खासकर डेयरी और कृषि, शुल्कमुक्त अमेरिकी वस्तुओं के संपर्क में आ सकते हैं, जबकि बदले में उसे बहुत कम लाभ होगा। जीटीआरआई के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा, पारस्परिक लाभ के बिना भारत के साथ एक खराब समझौता, किसी भी करार के न होने से भी बदतर हो सकता है, इसलिए भारत को पारदर्शी तरीके से बातचीत करनी चाहिए, एकतरफा नतीजों से बचना चाहिए और दीर्घकालिक आर्थिक हितों से समझौता करने वाले प्रतीकात्मक समझौतों के दबाव में नहीं आना चाहिए।

कृषि और डेयरी उत्पादों पर भारत का रुख कड़ा

भारत ने कृषि और डेयरी उत्पादों पर शुल्क में रियायत की अमेरिकी मांग पर अपना रुख कड़ा किया हुआ है। भारत ने अबतक डेयरी क्षेत्र में मुक्त व्यापार समझौते में अपने किसी भी व्यापारिक साझेदार को शुल्क के स्तर पर कोई रियायत नहीं दी है। भारत इस अतिरिक्त शुल्क (26%) को हटाने की मांग कर रहा है। वह स्टील और एल्युमीनियम (50%) और वाहन (25%) क्षेत्रों पर शुल्क में ढील की भी मांग कर रहा है। भारत ने इसके खिलाफ विश्व व्यापार संगठन के मानदंडों के तहत जवाबी शुल्क लगाने का अधिकार सुरक्षित रखा है। ट्रंप ने दो अप्रैल को भारत सहित कई देशों पर शुल्क लगाने की घोषणा की थी। हालांकि, बाद में इसे 90 दिन के लिए नौ जुलाई और फिर एक अगस्त तक के लिए टाल दिया गया। अमेरिका कुछ औद्योगिक वस्तुओं, वाहन, खासकर इलेक्ट्रिक वाहनों, शराब, पेट्रोरसायन उत्पादों और डेयरी समेत कुछ कृषि उत्पादों पर शुल्क में छूट चाहता है।

ब्रिटेन: तीन गुना कीमत में नीलाम हुआ महात्मा गांधी का तैल चित्र

लंदन। महात्मा गांधी का एक दुर्लभ तैल चित्र लंदन में बोनहम्स नीलामी में अनुमानित कीमत से लगभग तीन गुना अधिक 1,52,800 पाउंड में बिका। माना जाता है कि यह एकमात्र ऐसा चित्र है जिसे महात्मा गांधी ने कलाकार के सामने बैठकर बनवाया था।

- कलाकार के सामने बैठकर बनवाया था एकमात्र चित्र

पहली बार यह पेंटिंग ऑनलाइन नीलामी के लिए रखी गई थी। इसकी अनुमानित कीमत 50,000 से 70,000 पाउंड के बीच थी। यह 'ट्रैवल एंड एक्सप्लोरेशन सेल' की सबसे बड़ी बोली थी, जो मंगलवार को समाप्त हुई। चित्रकार क्लेयर लीटन का गांधी से परिचय तब हुआ जब वह 1931 में द्वितीय गोलमेज सम्मेलन में भाग लेने लंदन गए थे। नीलामी घर 'बोनहम्स' के बिक्री विभाग की प्रमुख रियानोन डेमेरी ने कहा, माना जाता है कि यह महात्मा गांधी का एकमात्र तैल चित्र है, जिसे उन्होंने कलाकार के सामने बैठकर बनवाया था।

पाकिस्तान में फिर चली जरदारी की जगह मुनीर को राष्ट्रपति बनाने की हवा

इस्लामाबाद, एजेंसी

- फील्डमार्शल आसिम मुनीर से मुलाकात के बाद जरदारी से मिले प्रधानमंत्री शरीफ

पाकिस्तान के शीर्ष असैन्य और सैन्य नेतृत्व के बीच हाल में हुई बैठक ने एक बार फिर देश के राजनीतिक परिदृश्य में संभावित बदलाव की अफवाहों को हवा दे दी है तथा ऐसी अटकलें हैं कि सेना प्रमुख संभवतः अगला राष्ट्रपति बनने की आकांक्षा रखते हैं।

प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने पिछले सप्ताह इन अफवाहों को खारिज कर दिया था कि राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी को पद छोड़ने के लिए मजबूर किया जा सकता है और सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर उनका पदभार ग्रहण करेंगे। 'एक्सप्रेस ट्रिब्यून' की खबर के अनुसार इस संबंध में अफवाहों का यह नया दौर तब शुरू हुआ जब फील्ड मार्शल मुनीर ने मंगलवार को प्रधानमंत्री आवास पर शरीफ से मुलाकात की, जिसके कुछ ही देर बाद शरीफ ने राष्ट्रपति भवन में जरदारी से मुलाकात की।

खबर के अनुसार उच्च स्तरीय बैठकें संभावित 27वें संविधान संशोधन के बारे में बढ़ती अटकलों के बीच हुई हैं कि जरदारी अपने उत्तराधिकारी के लिए रास्ता बनाने के वास्ते पद छोड़ सकते हैं। रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा कि अटकलें निराधार हैं, लेकिन उन्होंने पुष्टि की कि राष्ट्रपति के इस्तीफे और सेना प्रमुख द्वारा उनके स्थान पर संभावित नियुक्ति के बारे में मीडिया रिपोर्टों का मुद्दा वास्तव में जरदारी और शरीफ के बीच बैठक के दौरान उठा था।

प्रधानमंत्री खारिज कर चुके हैं इन दावों को

इससे पहले शरीफ ने 11 जुलाई को उन अफवाहों को सिरे से खारिज कर दिया था कि जरदारी को पद छोड़ने के लिए मजबूर किया जा सकता है और मुनीर राष्ट्रपति पद संभालने की आकांक्षा रखते हैं। शरीफ ने कहा था कि ऐसे दावे महज अटकलें हैं। शरीफ ने 'द न्यूज' से कहा था, फील्ड मार्शल मुनीर ने कभी भी राष्ट्रपति बनने की इच्छा नहीं जताई है और न ही ऐसी कोई योजना है। शरीफ के इस स्पष्टीकरण से पहले गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने जरदारी, शरीफ और मुनीर को निशाना बनाकर चलाए जा रहे अभियान की निंदा की थी।

अमेरिका के 10 राज्यों में इमिग्रेशन कोर्ट के 17 न्यायाधीश बर्खास्त

वाशिंगटन, एजेंसी

- ट्रंप प्रशासन ने की कार्रवाई, बर्खास्तगी का कोई कारण भी न बताने का आरोप

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन द्वारा आव्रजकों के बड़े पैमाने पर निर्वासन की प्रक्रिया को तेज किए जाने के बीच 10 राज्यों की आव्रजन अदालतों के 17 न्यायाधीशों को बर्खास्त कर दिया गया है।

आव्रजन न्यायालय के न्यायाधीशों और अन्य पेशेवरों का प्रतिनिधित्व करने वाले संगठन 'द इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ प्रोफेशनल एंड टेक्निकल इंजीनियर्स' ने कहा कि शुक्रवार को 15 और सोमवार को दो न्यायाधीशों को बिना कोई कारण बताए बर्खास्त कर दिया गया। संगठन ने कहा कि जिन न्यायाधीशों को बर्खास्त किया गया है वे कैलिफोर्निया, इलिनॉय, लुइसियाना, मैरीलैंड, मैसाचुसेट्स, न्यूयॉर्क, ओहायो, टेक्सास, यूटा और वर्जीनिया की आव्रजन अदालतों में सेवारत थे। संगठन के अध्यक्ष मैट बिग्स ने कहा, यह बेहद ही निंदनीय और जनहित के विरुद्ध है।

लॉस एंजिलिस से नेशनल गार्ड के 2,000 जवानों को हटाया

लॉस एंजिलिस। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय ने घोषणा की कि ट्रंप प्रशासन की आव्रजन नीतियों के खिलाफ हुए प्रदर्शनों को नियंत्रित करने के लिए लॉस एंजिलिस में तैनात किए गए नेशनल गार्ड के 2,000 जवानों को वापस बुलाया जा रहा है। लॉस एंजिलिस में जून की शुरुआत से नेशनल गार्ड के 4,000 जवान और 700 'मरीन' तैनात हैं। जिनमें से जवानों की संख्या आधी करने का निर्णय लिया गया है, हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि जवानों को वापस क्यों बुलाया जा रहा है।

जल्द मार दिए जाएंगे पहलगाम हमले के आतंकवादी: सिन्हा

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने बुधवार को कहा कि पहलगाम हमले को अंजाम देने वाले आतंकवादियों की पहचान कर ली गई है और जल्द ही उन्हें मार गिरा दिया जाएगा।

सिन्हा ने गांधी स्मृति में 'जम्मू-कश्मीर: शांति की ओर' विषय पर व्याख्यान देते हुए जोर देकर कहा कि कश्मीर घाटी में शांति भंग करने की कोई भी कोशिश कामयाब नहीं होगी। उन्होंने कहा, पहलगाम हमले के बाद 'ऑपरेशन सिंदूर' के जरिए पाकिस्तान को कड़ी प्रतिक्रिया मिली। हमले को अंजाम देने वालों की पहचान कर ली गई है और मैं पूरे विश्वास के साथ कह सकता हूं कि अब उनका जिंदा रहना मुश्किल है। अच्छी खबरें जरूर आएंगी, लेकिन कोई निश्चित तारीख बताना उचित नहीं होगा।

सेना की शक्ति

चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने बुधवार को नई दिल्ली में यूएवी और सीयूएएस के क्षेत्रों में विदेशी ओईएम से वर्तमान में आयात किए जा रहे महत्वपूर्ण घटकों के स्वदेशीकरण पर आयोजित कार्यशाला व प्रदर्शनी का निरीक्षण किया। एजेंसी

वकीलों के विशेषाधिकारों की सुरक्षा पर होगी शीर्ष सुनवाई

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने वकीलों के सामने आने वाली समस्याओं, खासकर उनके विशेषाधिकारों के उल्लंघन को लेकर दायर एक याचिका पर केंद्र और अन्य से बुधवार को जवाब तलब किया। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने अधिवक्ता आदित्य गोरे की ओर से दायर याचिका पर केंद्र, बार काउंसिल ऑफ इंडिया और अन्य को नोटिस जारी किए।

गोरे केंद्र से साल 2014 से अधिवक्ता संरक्षण विधेयक को आगे बढ़ाने की मांग कर रहे हैं। पीठ ने गोरे की याचिका को जांच एजेंसियों की ओर से मामलों की जांच के दौरान कानूनी राय देने या पक्षों का प्रतिनिधित्व करने वाले वकीलों को तलब करने के मुद्दे पर लंबित स्वतः संज्ञान मामले के साथ संलग्न कर दिया। गोरे की ओर से पेश

- केंद्र और बार काउंसिल ऑफ इंडिया को जारी किए नोटिस

वकील निशांत आर कटनेश्वरकर ने कहा, याचिकाकर्ता एक वकील हैं और वह 11 वर्षों से बार काउंसिल सहित संबंधित प्राधिकारियों से इस विधेयक का मसौदा तैयार करने का अनुरोध कर रहे हैं।

पीठ ने कहा कि विधेयक विचाराधीन है। याचिका में वकीलों के विशेषाधिकारों की सुरक्षा के मकसद से अधिवक्ता अधिनियम, 1961 की धारा 10(3) और अन्य प्रासंगिक प्रावधानों के तहत संबंधित अधिकारियों को एक समिति गठित करने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया है।

भारतीय नागरिकों को ईरान की यात्रा न करने की सलाह

नई दिल्ली। ईरान स्थित भारतीय दूतावास ने क्षेत्र में बिगड़ती सुरक्षा स्थिति को देखते हुए भारतीय नागरिकों से ईरान की अनावश्यक यात्रा से बचने को कहा है।

दूतावास ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, कई हफ्तों के घटनाक्रमों को देखते हुए भारतीय नागरिकों को सलाह दी जाती है कि वे ईरान की अनावश्यक यात्रा से पहले स्थिति पर ध्यानपूर्वक विचार करें। दूतावास ने कहा है कि भारतीय नागरिक ताजा क्षेत्रीय घटनाक्रमों पर नजर रखें और भारतीय अधिकारियों के परामर्शों का पालन करें। ईरान में रहने वाले और स्वदेश लौटने के इच्छुक नागरिकों के पास यह विकल्प है। दूतावास ने कहा, जो लोग पहले से ही ईरान में हैं और वहां से जाने के इच्छुक हैं, वे अभी उपलब्ध वाणिज्यिक उड़ान और नौका सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं।

एनसीईआरटी

नई पाठ्यपुस्तक में किया गया है मुगल सम्राटों के शासन का वर्णन

क्रूर मगर सहिष्णु था अकबर और बाबर निर्मम हत्यारा

नई दिल्ली, एजेंसी

एनसीईआरटी की आठवीं कक्षा की नई पाठ्यपुस्तक में मुगल सम्राटों के शासनकाल का वर्णन करते हुए कहा गया है कि अकबर का शासन क्रूरता और सहिष्णुता का मिश्रण था, लेकिन बाबर एक निर्मम आक्रमणकारी था। औरंगजेब एक सैन्य शासक था, जिसने गैर-मुस्लिमों पर जजिया लगा दिया था।

इस सप्ताह प्रकाशित पुस्तक 'एक्सप्लोरिंग सोसाइटी: इंडिया एंड बियॉन्ड' एनसीईआरटी के नए पाठ्यक्रम की पहली पुस्तक है, जो विद्यार्थियों को दिल्ली सल्तनत, मुगलों, मराठों और औपनिवेशिक युग से परिचित कराती है। पहले के संस्करणों में कक्षा 7 में इनमें से कुछ विषयों को शामिल किया गया था। एनसीईआरटी का कहना है कि अब इस कालखंड को पूरी तरह से कक्षा 8 में स्थानांतरित कर दिया गया है, जो स्कूल शिक्षा के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा (एनसीएफएसई) 2023 की सिफारिशों के अनुरूप है।

पुस्तक के आरंभ में 'इतिहास के कुछ अंधकारमय काल पर टिप्पणी' शीर्षक वाला एक खंड है। इसमें एनसीईआरटी ने संवेदनशील और हिंसक घटनाओं, मुख्य रूप से युद्ध और रक्तपात को शामिल किया है। इसमें दिए गए नोट में छात्रों से आग्रह किया गया है कि वे 'क्रूर हिंसा, अपमानजनक कुशासन या सत्ता की गलत महत्वाकांक्षाओं के ऐतिहासिक मूल' को निष्पक्षता से समझें। इसमें कहा गया, अतीत की घटनाओं के लिए आज किसी को भी जिम्मेदार नहीं ठहराया जाना चाहिए।

नई पुस्तक में भारतीय इतिहास के 13वीं से 17वीं शताब्दी तक के कालखंड को 'भारत के राजनीतिक मानचित्र का पुनर्निर्माण' नामक अध्याय के तहत शामिल किया गया है। इसमें दिल्ली सल्तनत के उत्थान और पतन तथा उसका प्रतिरोध, विजयनगर साम्राज्य, मुगलों और उनका प्रतिरोध तथा सिखों के उत्थान पर प्रकाश डाला गया है। एनसीईआरटी की आठवीं कक्षा की नई सामाजिक विज्ञान की पाठ्यपुस्तक छात्रों को दिल्ली सल्तनत और मुगलों से परिचित कराती है। इसमें बाबर को एक बर्बर और निर्मम विजेता बताया गया, जिसने शहरों की पूरी आबादी का कत्लेआम किया। इसमें औरंगजेब को एक सैन्य शासक बताया गया है, जिसने मंदिरों और गुरुद्वारों को नष्ट किया। इसमें उस काल के दौरान धार्मिक असहिष्णुता के कई उदाहरण बताए गए हैं।

राजपूत और सिख शासकों को बताया दूरदर्शी

किताब में जहां सल्तनत और मुगल काल के खंड में स्याह पक्षों को रेखांकित किया गया है वहीं प्रतिरोध और लचीलेपन के बारे में भी बताया गया है। नई पाठ्यपुस्तक में मराठों, अहोमों, राजपूतों और सिखों पर आधारित अध्याय छत्रपति शिवाजी महाराज, ताराबाई और अहिल्याबाई होल्कर जैसी हस्तियों पर प्रकाश डालते हैं और उन्हें दूरदर्शी नेताओं के रूप में चित्रित करते हैं जिन्होंने सांस्कृतिक और राजनीतिक विकास में योगदान दिया। पाठ्यपुस्तक में शिवाजी को एक कुशल रणनीतिकार के रूप में वर्णित किया गया है, जिन्होंने अन्य धर्मों का सम्मान करते हुए हिंदू मूल्यों को कायम रखा। पुस्तक में खंडित किये गए मंदिरों के पुनर्निर्माण में उनके प्रयासों का उल्लेख है।